@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
मंगलवार, 2 दिसम्बर 2025

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 28 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

राज्यसभा में पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को लेकर हंगामा

खड़गे और रिजिजू में तीखी नोकझोंक

एजेंसी

नई दिल्ली। राज्यसभा में आज उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को लेकर विपक्ष और सत्ता पक्ष के बीच तीखी बहस देखने को मिली। सदन में हंगामे की स्थिति उस समय बनी जब विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने पूर्व चेयरमैन के अचानक कार्यमुक्त होने का मुद्दा उठाया। राज्यसभा LoP मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, '...मुझे उम्मीद है कि आपको बुरा नहीं लगेगा कि मुझे आपके पहले वाले के राज्यसभा के चेयरमैन के ऑफिस से पूरी तरह से अचानक जाने का ज़िक्र करना पड़ रहा है... मुझे दुख हुआ कि सदन को उन्हें विदाई देने का मौका नहीं मिला। फिर भी, पूरे विपक्ष

की ओर से मैं उनके स्वस्थ जीवन की कामना करता हूं।' राज्यसभा के LoP मल्लिकार्जुन खड़गे को जवाब देते हुए पार्लियामेंट्री अफेयर्स मिनिस्टर किरेन रिजिजू ने कहा, '...मैं बस हाउस को याद दिलाना चाहता हूं कि आप भूल गए हैं कि आपने पूर्व वाइस प्रेसिडेंट और पूर्व चेयरमैन का अपमान करने के लिए किस भाषा का इस्तेमाल किया था। आपने पूर्व चेयरमैन के बारे में जो बुरे शब्द इस्तेमाल किए थे। आपने जो रिमूवल मोशन दिया था, उसकी एक कॉपी अभी भी हमारे पास है। आपने पूर्व वाइस प्रेसिडेंट के खिलाफ जिस भाषा का इस्तेमाल किया था। आपने रिमूवल नोटिस में जिन शब्दों का इस्तेमाल किया था, ज़रा सोचिए आपने चेयर की गरिमा को कितना खराब किया है। इस खास मौके पर, मेरी अपील है, कृपया ऐसी किसी भी चीज़ का ज़िक्र न करें जो इस खास मौके पर ज़रूरी न हो।'

अल फलाह यूनिवर्सिटी के फाउंडर जावेद सिद्दीकी की बढ़ी रिमांड

● 14 दिन की ईडी हिरासत में भेजा गया

एजेंसी

नई दिल्ली। अल फलाह यूनिवर्सिटी के फाउंडर जावेद अहमद सिद्दीकी को साकेत कोर्ट ने 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। अब मामले की अगली सुनवाई 15 दिसंबर को होगी। जावेद अहमद सिद्दीकी से पूछताछ के दौरान कई अहम खुलासे होने की संभावनाएं हैं। बता दें कि इससे पहले भी जावेद अहमद सिद्दीकी को ईडी की 13 दिनों की हिरासत में भेजा गया था। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश (एएसजे) शीतल चौधरी प्रधान ने 20 नवंबर को जावेद अहमद सिद्दीकी को ईडी रिमांड पर भेजने का आदेश दिया था।

अपने आदेश में अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश ने कहा था कि ईडी ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों का पालन किया है और अपराध की गंभीरता को देखते हुए सिद्दीकी को 13 दिनों के लिए ईडी की हिरासत में भेजा जाना चाहिए। यूनिवर्सिटी के

फाउंडर जावेद को 19 नवंबर को दिल्ली में लाल किले के पास हुए आतंकी हमले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में गिरफ्तार किया गया था। यूनिवर्सिटी की तरफ से किए जा रहे कथित फर्जी मान्यता और भ्रामक दावों की पड़ताल में एक बड़ा खुलासा हुआ था। रिमांड नोट के अनुसार, इस संस्था ने कथित तौर पर पिछले कई सालों में छात्रों को भ्रमित कर न सिर्फ एडमिशन लिए, बल्कि भारी भरकम रकम भी वसूली है। आईटीआर के विश्लेषण से यह भी पता चला है कि वित्तीय वर्ष 2014-15 से 2024-25 तक यूनिवर्सिटी ने करोड़ों रुपए की आय दिखाई थी। ईडी की जांच में सामने आया कि वित्तीय वर्ष 2014-15 और 2015-16 में क्रमशः 30.89 करोड़ और 29.48 करोड़ रुपए को स्वैच्छिक योगदान यानी वॉलंटरी कंट्रीब्यूशन बताया गया था, लेकिन 2016-17 के बाद इनकम को सीधे मेन ऑब्जेक्ट या एजुकेशनल रेवेन्यू के रूप में दिखाया जाने लगा था।

एसआईआर पर चर्चा नहीं कराना चाहती सरकार : गौरव गोगोई

नई दिल्ली। संसद के शीतकालीन सत्र के पहले दिन सोमवार को लोकसभा की कार्यवाही को विपक्षी दलों के हंगामे के कारण पहले दो बार और फिर अगले दिन मंगलवार तक के लिए स्थगित करना पड़ा। इस पर लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता गौरव गोगोई ने आरोप लगाया कि सरकार मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के विषय पर चर्चा नहीं कराना चाहती है। गोगोई ने संसद भवन परिसर में पत्रकारों से कहा कि संसद के अंदर पक्ष और विपक्ष दोनों के मुद्दे उठने चाहिए लेकिन आज पहले दिन से ही सत्ता पक्ष सिर्फ अपने मुद्दों पर ही चर्चा चाहता है। सत्ता पक्ष के लोग सिर्फ अपने द्वारा लाए गए कानूनों पर चर्चा करना चाहते हैं। सभी विपक्षी दलों की एक ही मांग है।

दिल्ली प्रदूषण पर सख्त एक्शन ले सरकार, हम समर्थन के लिए तैयार : प्रियंका गांधी

● *'संसद सत्र में एसआईआर, प्रदूषण जैसे कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा होनी चाहिए।'*

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव और लोकसभा सदस्य प्रियंका गांधी ने संसद सत्र में महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की मांग दोहराई। उन्होंने दिल्ली के प्रदूषण की गंभीरता से लेने और उसके निवारण के लिए युद्धस्तर पर काम करने की मांग की। प्रियंका गांधी ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, 'संसद सत्र में एसआईआर, प्रदूषण जैसे कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा होनी चाहिए। एसआईआर का मुद्दा काफी महत्वपूर्ण है। यह लोकतंत्र के लिए काफी अहम है। एसआईआर की प्रक्रिया में क्या चीजें हो रही हैं? चाहे चुनाव की स्थिति हो या एसआईआर, ये देश के लिए बहुत बड़े मुद्दे हैं। इन पर चर्चा करनी चाहिए न कि कोई ड्रामा।'

दिल्ली के प्रदूषण पर कांग्रेस नेता ने कहा कि राजधानी की हालत शर्मनाक है। हमें राजनीति को किनारे रखकर

एडमिनिस्ट्रेटिव, पॉलिटिकल, सिविल सोसाइटी और ज्यूडिशियल को एक साथ लाकर सख्त एक्शन लेना चाहिए। यहां 22 लाख बच्चों के फेफड़ों को परमानेंट डैमेज है। बुजुर्ग लोग अस्थमा और सांस की दूसरी दिक्कतों से जूझ रहे हैं। हॉस्पिटल भरे हुए हैं। प्रियंका गांधी ने कहा कि केंद्र और राज्य दोनों सरकारों को तुरंत एक्शन लेना चाहिए। हम सरकार को सपोर्ट करने के लिए तैयार हैं।

दूसरी ओर कांग्रेस सांसद विवेक तन्खा ने संसद में महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की मांग दोहराई। उन्होंने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, 'जिस तरह से इलेक्शन कमीशन के जरिए पूरी वोटर लिस्ट को एक खास नाम से बदला जा रहा है, उससे पूरे देश में परेशानी हो रही है। लोग सुसाइड कर रहे हैं और पूरा सिस्टम दबाव में है। अगर पार्लियामेंट इन मामलों पर चर्चा नहीं करेगी, तो कौन करेगा?

डिजिटल अरेस्ट स्कैम की जांच अब सीबीआई करेगी: सुप्रीम कोर्ट

यह जांच अन्य किसी स्कैम से अलग और प्राथमिकता के आधार पर की जाएगी।

एजेंसी

नई दिल्ली। देशभर में तेजी से बढ़ते डिजिटल अरेस्ट से जुड़े मामलों पर गंभीर चिंता जताते हुए सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा कदम उठाया है। कोर्ट ने कहा कि डिजिटल अरेस्ट स्कैम की जांच अब सीबीआई करेगी। यह जांच अन्य किसी स्कैम से अलग और प्राथमिकता के आधार पर की जाएगी। मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत की अगुवाई वाली बेंच ने सीबीआई को मामलों की विस्तृत जांच का निर्देश दिया। साथ ही एजेंसी को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम (पीसीए) के तहत बैंकरों की भूमिका की जांच करने की पूरी आजादी भी दी है, खासकर उन मामलों में जहां डिजिटल अरेस्ट स्कैम को अंजाम देने के लिए बैंक अकाउंट खोले गए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने डिजिटल अरेस्ट पर स्वतः संज्ञान लेकर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को भी पक्षकार बनाया है। कोर्ट ने आरबीआई से पूछा कि

देश में ऐसे बैंक खातों की पहचान कर अपराध की कमाई को फ्रीज करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग कब लागू की जाएगी। बेंच ने कहा कि यह तकनीक लाखों लोगों को ठगने वाले डिजिटल अरेस्ट गिरोहों पर रोक लगाने में अहम भूमिका निभा सकती है। कोर्ट ने साफ कहा कि आईटी इंटरमीडियरी रूल्स 2021 के तहत सभी अथॉरिटीज सीबीआई को पूरा सहयोग देंगी। जिन राज्यों ने अभी तक सीबीआई को मंजूरी नहीं दी है, उन्हें भी आईटी एक्ट 2021 से जुड़े मामलों की जांच के लिए अनुमति देने का निर्देश दिया गया है ताकि सीबीआई पूरे देश में बड़े स्तर पर कार्रवाई कर सके। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जरूरत पड़ने पर सीबीआई इंटरपोल की मदद भी ले सकती है।

> सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि कोर्ट द्वारा संज्ञान लेने के बाद बड़ी संख्या में पीड़ित सामने आए, जिनमें से अधिकतर सीनियर सिटिजन्स हैं। उन्हें विभिन्न तरीकों से धमकाकर, डराकर और ऑनलाइन गिरफ्तार दिखाकर ठगा गया।

डिजिटल अरेस्ट स्कैम में फर्जी या एक ही पहचान पर कई सिम कार्ड जारी करने के मामलों को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने टेलीकॉम विभाग को निर्देश दिया है कि वह एक विस्तृत प्रस्ताव दाखिल करे। इसका उद्देश्य टेलीकॉम कंपनियों को सख्त दिशानिर्देश जारी करना है ताकि सिम कार्ड का दुरुपयोग रोका जा सके और अपराधियों पर लगाम कसी जा सके।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सभी राज्य सरकारें तुरंत साइबर क्राइम सेंटर स्थापित करें। अगर किसी राज्य को इस प्रक्रिया में कोई दिक्कत आती है तो वह सीधे सुप्रीम कोर्ट को सूचित करे। कोर्ट ने यह भी निर्देश दिया कि आईटी नियमों के तहत, राज्यों की पुलिस साइबर अपराध मामलों में जब्त किए गए सभी मोबाइल फोन और डिजिटल डिवाइस का डाटा सुरक्षित रूप से संरक्षित करें। सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को आदेश दिया है कि आईटी एक्ट 2021 के तहत दर्ज हर एफआईआर को सीबीआई को सौंप दिया जाए ताकि एक केंद्रीकृत और मजबूत जांच हो सके।

एसआईआर पर सवाल उठाना ड्रामा नहीं : अभिषेक बनर्जी

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'ड्रामा' वाले बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त की है। बनर्जी ने कहा है कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) जैसे मुद्दों पर सवाल उठाना ड्रामा नहीं है। इसे नाटक कह देना गलत है। एसआईआर के कारण अब तक 40 लोगों की मौत हो चुकी है। इस पर सवाल करना नाटक कैसे हो गया। महेशतला में सेवाश्रय शिविर के उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान अभिषेक बनर्जी ने सवाल उठाते हुए कहा कि आयोग इतनी जल्दी क्यों कर रहा है और केंद्र जवाब क्यों नहीं दे रहा। उन्होंने आरोप लगाया कि जनता की मौत को भी नाटक बताकर भाजपा सवालों से भाग रही है। बनर्जी ने चेतावनी दी कि जरूरत पड़ी तो वो आयोग के फैसलों को अदालत में चुनौती देंगे।

भारत में दुनिया की 60 फीसदी वैक्सीन का निर्माण और 20 प्रतिशत से ज्यादा जेनेरिक दवाइयों का निर्यात : एस जयशंकर

● **भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 1540 को लागू करने के लिए एक मजबूत कानूनी और नियामक प्रणाली स्थापित की है।**

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर बायोलॉजिकल वेपन्स कन्वेंशन (बीडब्ल्यूसी) 50 कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने वैश्विक स्वास्थ्य संकट के दौरान भारत की भूमिका के बारे में बताया। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि भारत दुनिया के 60 फीसदी वैक्सीन बनाता है और 20 फीसदी जेनेरिक दवाइयों सप्लाई करता है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा, 'मैं आज आपसे कुछ बातों पर गौर करने की गुजारिश करता हूं, एक, भारत दुनिया की 60 फीसदी वैक्सीन बनाता है। दो, भारत दुनिया की 20 फीसदी से ज्यादा जेनेरिक दवाइयां सप्लाई करता है, और अफ्रीका की 60 फीसदी जेनेरिक दवाइयां भारत से आती हैं। तीन, भारत में लगभग 11,000

हेल्थकेयर इन्वेस्टमेंट तेजी से बढ़ा है। पांच, हमारा रिसर्च नेटवर्क: आईसीएमआर, डीबीटी लैब्स, एडवांस्ड बीएसएल-3 और बीएसएल-4 सुविधाएं, वे कई तरह के जैविक खतरों का पता लगा सकते हैं और उनका जवाब दे सकते हैं।' उन्होंने कहा कि भारत के मजबूत प्राइवेट सेक्टर ने इसे आगे बढ़ाया है। इसने प्रोडक्शन बायोटेक स्टार्टअप हैं, जो 2014 में सिर्फ 50 थे। अब यह दुनिया भर में तीसरा सबसे बड़ा बायोटेक स्टार्टअप इकोसिस्टम है। चार, डिजिटल हेल्थ में बड़ी तरक्की के साथ हमारा बढ़ाने, दबाव में इनोवेट करने और ग्लोबल आउटरीच मैनेज करने की क्षमता दिखाई है। कोविड-19 महामारी के दौरान, भारत ने वैक्सीन मैत्री शुरू किया। वैक्सीन मैत्री का मतलब है वैक्सीन फ्रेंडशिप, जिसे हमने वसुधैव कुटुम्बकम की भावना से शुरू किया और 100 से ज्यादा कम विकसित और कमजोर देशों को लगभग 300 मिलियन वैक्सीन डोज और मेडिकल मदद दी। इनमें से कई मुफ्त थीं। इसका संदेश साफ था कि जब इतने बड़े स्वास्थ्य संकट का सामना करना पड़ता है, तो एकजुटता जान बचाती है। भारत हमेशा एक भरोसेमंद वैश्विक साझेदार रहेगा।

उन्होंने कहा कि भारत एक जिम्मेदार अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सदस्य के रूप में, संवेदनशील और दोहरे उपयोग वाले सामान और तकनीक के प्रसार को रोकने के लिए प्रतिबद्ध है और इस मामले में हमारा एक अच्छा रिकॉर्ड है। भारत ऐसे सामान और तकनीक के निर्यात को नियंत्रित करता है, जो परमाणु, जैविक, रासायनिक या अन्य विनाशकारी हथियारों के विकास में उपयोग हो सकते हैं। भारत ने संयुक्त राष्ट्र परिषद के प्रस्ताव 1540 को लागू करने के लिए एक मजबूत कानूनी और नियामक प्रणाली स्थापित की है। यह प्रस्ताव सामूहिक विनाश के हथियारों के प्रसार को रोकने और उनके विकास के लिए सामग्री और तकनीक के निर्यात को नियंत्रित करने के लिए है।

उन्होंने कहा कि अब, भारत न सिर्फ बीडब्ल्यूसी और सीडब्ल्यूसी की बहुपक्षीय संधियों का एक पार्टी है, बल्कि तीन बहुपक्षीय मुख्य एक्सपोर्ट कंट्रोल रिजीम, वासेनार अरेंजमेंट, मिसाइल टेक्नोलॉजी कंट्रोल रिजीम और ऑस्ट्रेलिया ग्रुप (एजी) का भी एक सक्रिय सदस्य है। ऑस्ट्रेलिया समूह इस कॉन्फ्रेंस के लिए सबसे जरूरी है क्योंकि यह दोहरे उपयोग वाले केमिकल्स, जैविक सामग्री (बायोलॉजिकल मटीरियल) और उससे जुड़ी चीजों पर नियंत्रण से जुड़ा है। इस साल ऑस्ट्रेलिया समूह की 40वीं वर्षगांठ है और हमें खुशी है कि एजी के लोग हमारे साथ हैं।

लोकसभा में पेश हुए तीन विधेयक

टीएमसी सांसद सौगत राय ने किया विरोध

एजेंसी

नई दिल्ली। संसद में शीतकालीन सत्र की शुरुआत के साथ केंद्र सरकार ने लोकसभा में आज तीन विधेयक पेश किए। इनमें 'मणिपुर वस्तु एवं सेवा कर (द्वितीय संशोधन) विधेयक, 2025', 'केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (संशोधन) विधेयक, 2025' और 'स्वास्थ्य सुरक्षा राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर विधेयक, 2025' शामिल हैं। हालांकि टीएमसी सांसद सौगत राय ने इन विधेयकों का विरोध किया। मणिपुर वस्तु एवं सेवा कर (द्वितीय संशोधन) विधेयक, 2025 राज्य में जीएसटी व्यवस्था को और सुचारू बनाने के लिए है। केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (संशोधन) विधेयक, 2025 के जरिए उत्पाद शुल्क में सुधार और समायोजन करने के लिए लाया जाना है। साथ ही, स्वास्थ्य सुरक्षा राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर विधेयक, 2025 से स्वास्थ्य सुरक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए निर्धारित उपकर लगाने की प्रक्रिया को कानूनी रूप से सक्षम बनाया जाएगा।

सांसद कंगना रनौत ने की विपक्ष से अपील, सही तरीके से चलने दें सदन

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा का शीतकालीन सत्र हंगामे के साथ शुरू हुआ और सोमवार को कई बार स्थगित कर दिया गया। विपक्ष ने सदन में एसआईआर और प्रदूषण के मुद्दे पर जमकर हंगामा किया। अब भाजपा सांसद कंगना रनौत ने विपक्ष से अपील की है कि वे सदन की कार्यवाही को सही तरीके से चलने दें। लोकसभा की कार्यवाही स्थगित होने के बाद कंगना रनौत ने मीडिया से बात करते हुए कहा, 'पहले तो हमें खुशी है कि शीत सत्र शुरू हो चुका है, लेकिन हम विपक्ष से अपेक्षा करते हैं कि वे सदन को चलने दें। अगर सदन चलने देंगे तो ज्यादा बिल पेश हो पाएंगे, ज्यादा डिस्कशन हो पाएगा, लेकिन देखते हैं कि वे आगे सदन चलने देते हैं या ऐसे ही हुड़दंग मचाते हैं।' एसआईआर पर भाजपा सांसद दामोदर अग्रवाल ने कहा, 'एसआईआर चुनाव आयोग की एक प्रक्रिया है, जो एक स्वतंत्र संवैधानिक संस्था है। एसआईआर का मामला न्यायालय के अधीन है। क्या संसदीय प्रक्रियाओं के तहत सदन में ऐसे मुद्दों पर चर्चा हो सकती है?' उन्होंने आगे

कहा कि बिहार चुनाव के दौरान उन्हें एक भी मतदाता ऐसा नहीं मिला, जिसने ये कहा हो कि उनका नाम मतदाता सूची से काट दिया गया है। एसआईआर के जरिए तो लोगों के साथ जोड़ने का काम हो रहा है। बता दें कि पीएम मोदी ने भी सत्र शुरू होने से पहले ही विपक्ष से सदन की प्रक्रिया को अच्छे से चलने दें।

ईसीआई और भाजपा मतदाता सूची से काट रही लोगों के नाम: अखिलेश यादव

● *'सांसाधन में भाजपा से मुकाबला कोई नहीं कर सकता है।'*

एजेंसी

नई दिल्ली। एसआईआर को लेकर विवाद खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। संसद के शीतकालीन सत्र के पहले दिन समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने ईसीआई और भाजपा पर बड़े पैमाने पर मतदाता सूची से नाम हटाने, गड़बड़ियों और वोट चोरी की कोशिशों का आरोप लगाया है। अखिलेश यादव ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, 'देश की आजादी के बाद, हमें वोट डालने का अधिकार दिया गया था। जब से उत्तर प्रदेश के लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की सीट कम आई है, भाजपा के अंदर बेचैनी है। लोकतंत्र तभी मजबूत होगा जब हमारे वोट देने के अधिकार का पूरी तरह सम्मान किया जाएगा और उसे छीना नहीं जाएगा। एसआईआर को लेकर चिंताएं अब हकीकत बन रही हैं। अगर किसी वोटर का वोट चला जाएगा, तो

उसके सपने कैसे पूरे होंगे?' उन्होंने कहा, 'एक वोटर का सपना होता है कि उसका वोट गिना जाए। जब ??वे अपने वोट देने के अधिकार का पूरी तरह इस्तेमाल करते हैं, तो वे अपने सपने पूरे कर रहे होते हैं। अगर वे किसी से नाराज होते हैं, तो वे उसके खिलाफ वोट देते हैं, अगर वे किसी का सपोर्ट करते हैं, तो वे उसके पक्ष में वोट देते हैं। लेकिन भाजपा सरकार यह अधिकार भी छीन रही है।' अखिलेश यादव ने कहा कि संसाधन में भाजपा से मुकाबला कोई नहीं कर सकता है। हमको सूचना मिली है कि उत्तर प्रदेश में जिस भी बूथों से भाजपा हारी है, उस पर विशेष निगरानी की जा रही है। देश में एसआईआर वोट काटने के लिए कराया जा रहा है। इससे देश में वोट बढ़ने वाला नहीं है। भारतीय निर्वाचन आयोग अपने काम को नहीं कर रहा है। उन्होंने कहा कि बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) अपने परिवार वालों के साथ होते हैं। उनका पूरा परिवार उनकी मदद में लगा होता है। अगर नई पीढ़ी का कोई नौजवान है।

दिल्ली के प्रदूषण की सबसे बड़ी वजह पंजाब-हरियाणा की पराली नहीं, बल्कि स्थानीय समस्याएं: भूपेंद्र यादव

प्रदूषण का बड़ा हिस्सा दिल्ली एनसीआर के भीतर के कारणों से आता है।

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय पर्यावरण और जलवायु मंत्री भूपेंद्र यादव ने लोकसभा में बताया कि दिल्ली एनसीआर में प्रदूषण की सबसे बड़ी वजह पंजाब और हरियाणा में पराली जलाना नहीं बल्कि वाहनों का धुआं, औद्योगिक प्रदूषण, निर्माण और तोड़फोड़ गतिविधियों की धूल और बायोमास जैसे स्थानीय स्रोत हैं। उन्होंने कहा कि पराली जलाने की घटनाओं में पंजाब और हरियाणा में साल 2022 की तुलना में 2025 में लगभग 90 प्रतिशत की कमी आई है और इसके साथ ही दिल्ली की वायु गुणवत्ता में भी उल्लेखनीय सुधार हुआ है। भूपेंद्र यादव ने लोकसभा में पूछे गए एक लिखित प्रश्न के जवाब में बताया कि दिल्ली में 200 से कम एक्यूआई वाले दिन साल 2016 के 110 से बढ़कर 2025 में 200 हो गए हैं। जबकि, बहुत खराब और गंभीर श्रेणी वाले दिन साल 2024 के 71 से घटकर 2025 में 50 रह गए हैं। पराली जलाना भले सर्दियों में

प्रदूषण को प्रभावित करता है लेकिन यह मुख्य कारण नहीं है और प्रदूषण का बड़ा हिस्सा दिल्ली एनसीआर के भीतर के कारणों से आता है। उन्होंने बताया कि सरकार ने पराली प्रबंधन के लिए 2018-19 से 2025-26 तक पंजाब और हरियाणा को कुल 3120 करोड़ रुपये की सहायता दी है। दोनों राज्यों में 2 लाख 60 हजार से अधिक सीआरएम मशीनें किसानों और सीएचसी को उपलब्ध कराई गई हैं। छोटे किसानों के लिए मशीनों की निशुल्क उपलब्धता की योजना बनाने और ईंट भट्ठों तथा थर्मल पावर प्लांटों में धान के भूसे से बने बायोमास पेलेट और ब्रिकेट का उपयोग अनिवार्य करने के निर्देश भी जारी किए गए हैं। एनसीआर और आसपास के इलाकों में थर्मल पावर प्लांटों को कोयले के साथ कम से कम 5 से 10 प्रतिशत बायोमास को फायरिंग का पालन करना होगा। भूपेंद्र यादव की ओर से दिए गए जवाब में बताया गया कि पराली पर नियंत्रण के लिए पंजाब और हरियाणा के हॉटस्पॉट जिलों में सीपीसीबी की 31 फ्लाइंग स्क्वाड टीमें तैनात की गई हैं।

जनता के मुद्दों को उठाना नाटक नहीं : प्रियंका गांधी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि संसद में लोक महत्व के मुद्दों को उठाना 'नाटक' नहीं है, बल्कि इन पर चर्चा की अनुमति नहीं दिया जाना 'नाटक' है। उन्होंने कहा कि मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और वायु प्रदूषण जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर सदन में चर्चा होनी चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी ने सोमवार को विपक्ष पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वह संसद को चुनावी हार के बाद 'हताशा निकालने का मंच' बना रहा है। संसद के शीतकालीन सत्र की शुरुआत से पहले संसद परिसर में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि यह सत्र राजनीतिक रंगमंच न बने, बल्कि रचनात्मक और परिणामोन्मुखी बहस का माध्यम बने। केरल के वायनाड से लोकसभा सदस्य प्रियंका गांधी ने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा, 'संसद में आवश्यक लोक महत्व के मुद्दों के बारे में बोलना और उन्हें उठाना नाटक नहीं है। नाटक यह है कि इन मुद्दों पर लोकतांत्रिक चर्चा की अनुमति नहीं दी जाती, जो जनता के लिए मायने रखते हैं।' उन्होंने सवाल किया, 'संसद किस लिए है? हम महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा क्यों नहीं कर रहे हैं?'

दिल्ली बम धमाका : एनआईए ने डॉक्टर्स और मौलवी के 10 ठिकानों पर दी दबिश

श्रीनगर (एजेंसी)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने जम्मू-कश्मीर पुलिस के साथ मिलकर सोमवार सुबह दिल्ली के लाल किले पर हुए कार बम धमाके मामले में बड़ी छापेमारी की। कश्मीर के शोपियां के नादिगाम, पुलवामा (कोयल), चंदगाम और अन्य इलाकों में एक साथ 10 ठिकानों पर दबिश दी। एनआईए ने बताया कि दिल्ली ब्लास्ट से जुड़े डॉ आमिर राशिद, डॉक्टर अदील, डॉ मुजफ्फर समेत डॉ जसिफ और मौलवी इरफान के घर पर सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। एनआईए ने बताया कि इस सर्च ऑपरेशन का एक मात्र उद्देश्य इस पूरे नेटवर्क का सफाया करना है। इसमें पढ़े-लिखे और पेशेवर लोग शामिल हैं। जांच में खुलासा हुआ है कि वानी इस मॉड्यूल की तकनीकी रीढ़ था। उसने ड्रोनों में बदलाव किए, बैटरी और कैमरा सिस्टम को अपग्रेड किया और भीड़भाड़ वाले इलाकों में इस्तेमाल होने वाले छोटे विस्फोटक पेलोड तैयार किए। एनआईए का कहना है कि ये डिजाइन हमास और आईएसआईएस की मिडिल ईस्ट रणनीतियों से मिलते-जुलते थे। पिछले साल अक्टूबर में कुलगाम की एक मस्जिद में वानी की मुलाकात डॉक्टर नबी से हुई थी, जहां उसे जैश-ए-मोहम्मद के लिए काम करने को कहा गया, लेकिन नबी ने उसे आत्मघाती हमलावर बनाने की कोशिश की। बता दें लाल किला विस्फोट में इस्तेमाल कार डॉक्टर आमिर राशिद अली के नाम पर रजिस्टर्ड थी। अली ने ही सुरक्षित ठिकाना मुहैया कराया था। उसकी गिरफ्तारी के बाद एजेंसी को वानी और अन्य के ठिकानों का पता चला। अब तक पूछताछ में मिले सबूतों के आधार पर ये छापे मारे जा रहे हैं। एजेंसी को शक है कि यह मॉड्यूल दिल्ली समेत कई बड़े शहरों में एक साथ हमले की फिराक में था।

हरियाणा के युवक की लंदन में चाकू मारकर हत्या

गुरुगांव (एजेंसी)। चरखी दादरी का 27 वर्षीय विजय कुमार सरकारी नौकरी छोड़कर फरवरी 2026 में इंग्लैंड के बर्मिंघम में एमबीए की पढ़ाई के लिए गया था। परिवार की खुशी थी कि विजय पढ़ाई पूरी कर वहां बस जाएगा। उनकी मां सरोज बाला बेटे की शादी और भविष्य की कल्पना में थी। सूचना के अनुसार ?पिछले ?दिनों यूनिवर्सिटी से लौटते समय हरियाणा, दिल्ली और पंजाब के पांच युवकों ने विजय कुमार पर चाकू से हमला किया और उसकी हत्या कर दी। घटना की जानकारी लंदन पुलिस ने परिवार को फोन करके दी। पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। विजय के पिता, पूर्व सैनिक सुरेंद्र सिंह और भाई, सेना जवान रवि कुमार ने प्रधानमंत्री, गृह मंत्री और हरियाणा के मुख्यमंत्री से हाथ जोड़कर मदद मांगी है। उनका कहना है कि बेटे का शव जल्द भारत लाया जाए ताकि अंतिम संस्कार किया जा सके। विजय की बहन मोनिका और जीजा भी लंदन में ही रहते हैं। विजय के गांव जगरामबास और परिवार में गहरा शोक है। ग्रामीण, सरपंच सहित, परिजनों को सांत्वना देने पहुंचे और जल्द शव लाने की मांग की। सांसद धर्मबीर सिंह और दादरी विधायक सुनील सांगवान ने विदेश मंत्री और केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल को पत्र लिखकर इस मामले में सहायता की अपील की है।

महाराष्ट्र निकाय चुनाव में धांधली! कई जिलों में मतदान स्थगित, 20 दिसंबर को नई तारीख

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र के कई जिलों में 25 से ज्यादा नगर निगमों के चुनाव राज्य चुनाव आयोग (एसईसी) द्वारा अस्वीकृत नामांकन पत्रों से संबंधित अपील प्रक्रिया में अपूर्ण अनियमितताओं का पता चलने के बाद स्थगित कर दिए गए हैं। पहले 2 दिसंबर को होने वाले मतदान अब इन क्षेत्रों में 20 दिसंबर को होंगे। शेष सभी नगर परिषदों और नगर पंचायतों के लिए मतदान पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार शुक्रवार को सुबह 7:30 बजे से शाम 5:30 बजे तक जारी रहेगा। इन निकायों के परिणाम 3 दिसंबर को घोषित किए जाएंगे। एसईसी ने ठाणे, बारामती, अमरावती, अहिल्यानगर, नांदेड़, सोलापुर, यवतमाल, धाराशिव, चंद्रपुर, अकोला और पुणे सहित कई स्थानों पर मतदान स्थगित कर दिया है। चुनाव प्रचार के अंतिम चरण में पहुंचने के साथ ही यह निर्णय कई उम्मीदवारों के लिए बड़ा झटका साबित हुआ। वहीं, महाराष्ट्र के पालघर में आगामी स्थानीय निकाय चुनाव में टिकट के लिए कथित रूप से 10 लाख रुपये मांगने को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दो समूहों के बीच झड़प हो गई। पुलिस अधिकारियों ने गैर-संज्ञेय शिकायत (एनसी) में दर्ज विवरण के हवाले से बताया कि भाजपा की शहर इकाई के पूर्व अध्यक्ष अशोक अंबुरे ने चुनाव लड़ने की इच्छुक पार्टी कार्यकर्ता वैशाली चव्हाण से कथित रूप से 10 लाख रुपये मांगे थे। चव्हाण का समर्थन कर रहे समूह ने अपनी शिकायत में यह भी आरोप लगाया है कि लोकमान्य नगर क्षेत्र में शनिवार को हुई इस झड़प के दौरान अंबुरे और उनके सहयोगियों ने उनसे छेड़छाड़ की और लाठियों से हमला किया। स्थानीय सांसद हेमंत सावरा और भाजपा की पालघर जिला इकाई के अध्यक्ष भरत राजपूत द्वारा बीच-बचाव की कोशिश किए जाने के बावजूद दोनों पक्ष पुलिस के पास पहुंचे और उन्होंने एक-दूसरे पर गंभीर आरोप लगाए। उल्लेखनीय है कि अंबुरे की पत्नी वार्ड संख्या 14 से चुनाव लड़ रही हैं। एक पुलिस अधिकारी के अनुसार दोनों पक्षों की शिकायतों के आधार पर एनसी दर्ज की गई है।

एसआईआर प्रक्रिया एकतरफा, तानाशाही और बिना किसी तैयारी के शुरू की गई

–कांग्रेस सांसद ने सवाल उठाते हुए इसे लोकसभा में तुरंत रोकने की मांग की

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने सोमवार को लोकसभा में एक स्थगन प्रस्ताव पेश किया है, जिसमें देश के 12 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में चल रही एसआईआर प्रक्रिया को रोकने की मांग की। टैगोर ने इसे अभूतपूर्व संकट से जोड़ते हुए गंभीर सवाल उठाए। अपने नोटिस में टैगोर ने कहा कि चुनाव आयोग द्वारा लागू की गई यह प्रक्रिया एकतरफा, तानाशाही और बिना किसी तैयारी के शुरू की गई है।

उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग ने न तो शिक्षकों से कोई चर्चा की, न राज्यों के साथ समन्वय किया और न ही जनता की परेशानियों का ध्यान रखा। टैगोर ने अपने प्रस्ताव में कहा है कि यह एसआईआर प्रक्रिया एक एकाधिकारवादी, अचानक लागू की गई और अत्यधिक दबाव वाली कवायद बन गई है। सांसद मणिकम टैगोर ने कहा कि बीएलओ शिक्षक दिन-रात काम करने को मजबूर हैं। वे कक्षा और चुनावी कार्य के बीच फंसे हैं। कई लोग थकावट के कारण गिर पड़े, कुछ की मौत हो गई और कुछ ने आत्महत्या तक कर ली है। इसके बावजूद चुनाव आयोग ने अब तक कोई जांच नहीं कराई है और न ही राज्यों या केंद्रशासित प्रदेशों के हिसाब से बीएलओ की मौतों के आंकड़े जारी किए।

सांसद टैगोर ने इसे संस्थागत क्रूरता बताया है। उन्होंने कहा कि न तो आत्महत्याओं की निगरानी की कोई व्यवस्था है, न मानसिक स्वास्थ्य सहायता, न मुआवजा प्रावधान और न किसी प्रकार का आपातकालीन प्रोटोकॉल। उन्होंने कहा कि आम जनता भी इस प्रक्रिया की वजह से भ्रम, घबराहट, बार-बार होने वाले सत्यापन और अविश्वास की स्थिति से गुजर रही है। उन्होंने कहा कि जब मतदाता सूची तैयार करने वाले कर्मचारी ही भारी दबाव में गिरने लगें, तो लोकतंत्र की विश्वसनीयता भी गिर जाती है।

लोकसभा के सामने उन्होंने पांच प्रमुख मांगें रखीं। 12 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में एसआईआर प्रक्रिया को तुरंत निलंबित किया जाए। हर एक बीएलओ की मौत और आत्महत्या की राष्ट्रीय स्तर पर जांच की जाए। प्रभावित परिवारों को उचित मुआवजा दिया जाए। चुनावी प्रक्रियाओं में सुधार कर बीएलओ को सुरक्षित वातावरण मिले और चुनाव आयोग को तलब कर इस अव्यवस्थित लागू प्रक्रिया का स्पष्टीकरण मांगा जाए।

ममता बनर्जी एसआईआर के खिलाफ मालदा, मुर्शिदाबाद, कूचबिहार में रैलियां निकालेंगी

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इस सप्ताह मालदा और मुर्शिदाबाद में रैलियां आयोजित कर निर्वाचन आयोग की मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ अपना रोष जताएंगी और इसके बाद अगले सप्ताह कूचबिहार में एक जनसभा की जाएगी। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सूत्रों ने यह जानकारी दी। बनर्जी द्वारा एसआईआर के विरोध में यह दूसरे चरण का अभियान होगा। इससे पहले उन्होंने पिछले सप्ताह शरणार्थी बहुल मतुआ क्षेत्र में बनगांव में रैली की थी और रैली के दौरान उन्होंने आरोप लगाया था कि सीमावर्ती इलाकों में रहने वाले परिवारों को डराने के लिए एसआईआर अभियान का दुरुपयोग किया जा रहा है। तृणमूल अपने जिलावार अभियान को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के 'घुसपैठियों का सफाया' के बयान के जवाब के रूप में पेश कर रही है। तृणमूल नेताओं ने कहा कि मालदा, मुर्शिदाबाद में तीन और चार दिसंबर को जबकि कूचबिहार में नौ दिसंबर को रैलियां आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। राजनीतिक रूप से संवेदनशील इन तीन सीमावर्ती जिलों में अल्पसंख्यक, प्रवासी और विस्थापित आबादी काफी अधिक है तथा एसआईआर से उनकी दिक्कतें बढ़ गई हैं। मालदा की रैली गजोले में तथा मुर्शिदाबाद की रैली बेहरामपुर स्टेडियम में आयोजित की जाएगी। कूचबिहार की रैली नौ दिसंबर को ऐतिहासिक रास मेला मैदान में होगी और इसे इस शीत ऋतु में उत्तर भारत में बनर्जी की सबसे बड़ी रैली के रूप में पेश किया जा रहा है। तृणमूल के जिलाध्यक्ष अभिजीत डे भौमिक ने कहा कि एक दिसंबर को ब्लॉक अध्यक्षों के साथ एक बैठक होगी। भाजपा ने तृणमूल कांग्रेस पर अवैध प्रवासियों को बचाने और राजनीतिक लाभ के लिए मतदाता सूची के संशोधन का विरोध करने का आरोप लगाया है। यहां 2026 के विधानसभा चुनावों से पहले दोनों पार्टियां एसआईआर मुद्दे का लाभ उठाकर अपनी-अपनी विचारधारा को मजबूत करने की कोशिश कर रही हैं।

हरियाणा में बढ़ी धुंध और ठंड, एक्यूआई स्तर बना चिंता का कारण

– मौसम विभाग का अनुमान : 3 दिसंबर को धुंध और ठंडी हवाओं का असर अधिक रहेगा

हिसार (एजेंसी)। हरियाणा में दिसंबर की शुरुआत होते ही मौसम ने करवट ले ली है। 1 दिसंबर से पूरे प्रदेश में धुंध और ठंडी हवाओं का असर बढ़ गया है। उत्तर-पश्चिमी हवाओं के तेज़ होने से नमी भी बढ़ रही है, जिससे शीतलहर महसूस हो रही है। 30 नवंबर को नूंह जिले में अधिकतम तापमान 26.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि हिसार में सुबह का न्यूनतम तापमान 5.7 डिग्री सेल्सियस रहा। आज हरियाणा में सुबह का तापमान लगभग 11 डिग्री सेल्सियस है। आने वाले दिनों में दिन का तापमान 22-25 डिग्री सेल्सियस और रात का तापमान 4-8 ?डिग्री सेल्सियस तक गिरने का अनुमान है। 3 दिसंबर को धुंध और ठंडी हवाओं का असर अधिक रहेगा। 5 दिसंबर को रात में तापमान 4 डिग्री सेल्सियस तक गिरने की संभावना है। हरियाणा में वायु गुणवत्ता चिंता का विषय बनी हुई है। फरीदाबाद में सोमवार सुबह एक्यूआई 296, दिल्ली का 282, गुरुग्राम का 264 और अंबाला का 209 दर्ज किया गया। विशेषज्ञों के अनुसार, यह स्तर सांस संबंधी मरीजों के लिए खतरनाक हो सकता है। लोगों को सलाह दी जा रही है कि वे बाहर निकलते समय मास्क पहनें और वायु प्रदूषण से बचाव करें। मौसक विभाग ने बताया है कि 1-5 दिसंबर तक धुंध और ठंडक बनी रहेगी। उत्तर-पश्चिमी हवाओं के चलते नमी बढ़ेगी, जिससे सुबह और शाम धुंध का असर ज्यादा रहेगा। दिन में हल्की धूप के बावजूद रातें ठंडी रहेंगी। वायु गुणवत्ता खराब रहने के कारण स्वास्थ्य सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।

बच्चों के पुतले लेकर कांग्रेस ने किया विधानसभा में प्रदर्शन, सरकार को बताया पूतना

भोपाल (एजेंसी)। सोमवार से मध्य प्रदेश विधानसभा का शीतकालीन सत्र प्रारंभ हुआ है। पहले ही दिन यहां कांग्रेस ने बच्चों के पुतले लेकर काफी आक्रमक प्रदर्शन किया है। पार्टी का आरोप है कि लापरवाही और अनदेखी के चलते छिंदवाड़ा में कप सीरप के कारण कई बच्चों की जान चली गई। ये राज्य सरकार पूतना का काम कर रही है। मृत बच्चों के परिजनों को सरकारी सहायता मिलना चाहिए। कांग्रेस विधायकों ने कफ सिरप से बच्चों की मौत, बढ़ते अत्याचार और सरकार की असंवेदनशीलता के खिलाफ विधानसभा परिसर में अनोखा विरोध प्रदर्शन किया। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के नेतृत्व में विधायकों ने बच्चों के पुतले लेकर और एक विधायिका द्वारा पूतना का रूप धारण कर भाजपा सरकार की नीतियों और लापरवाही को प्रतीकात्मक रूप से उजागर किया।

कांग्रेस का आरोप है कि सरकार बच्चों के प्रति संवेदनशील नहीं है। छिंदवाड़ा में कई बच्चों की मौत के बावजूद स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी तय नहीं की जा रही है। अस्पतालों में अव्यवस्था का आलम यह है कि बच्चों को चूहे तक कुतर रहे हैं, लेकिन सरकार इस पर चर्चा करने और जवाब देने से बच रही है। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा, सरकार बच्चों के मामले में भी संवेदनशील नहीं है। छिंदवाड़ा में कई परिवारों के घरों के चिराग हमेशा के लिए बुझ गए, माताओं की गोद सूनी हो गई, लेकिन पूतना बनी सरकार को स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी और समीक्षा करने की फुर्सत तक नहीं है। अस्पतालों में ऐसी बदइंतज़ामी है कि बच्चों को चूहे तक कुतर दे रहे हैं, और सरकार इस पर चर्चा करने, जवाब देने और जम्मिदारी तय करने से लगातार बच रही है। कांग्रेस विधायकों ने कहा कि यह सिर्फ एक घटना नहीं, बल्कि प्रदेश में बच्चों की सुरक्षा, स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की हालत और सरकार की प्राथमिकताओं पर गंभीर प्रश्नचिह्न है। जनता जानना चाहती है कि आखिर सरकार मासूमों की जान से खिलवाड़ होने पर भी खामोश क्यों है? कांग्रेस विधायकों ने साफ कहा कि भाजपा सरकार की लापरवाही अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

आरोपी जेल में है, सरकार ने सख्ती की है

छिंदवाड़ा में बच्चों की मौत के मामले में खातेगांव से बीजेपी विधायक आशीष शर्मा ने सदन के बार कहा- मामला बहुत संवेदनशील था। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने इस पर एक्शन लिया है। कफ सिरप बनाने वाले जेल में हैं। उन्हें सजा भी होगी। इस तरह की घटनाओं से सरकार ने सबक भी लिया है।

नगालैंड की परंपराएं भारत के सांस्कृतिक ताने–बाने को मजबूत करती हैं : शाह

नई दिल्ली(एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को नगालैंड के लोगों को राज्य स्थापना दिवस पर बधाई दी और कहा कि पूर्वोत्तर राज्य की जीवंत परंपराएं और वहां के लोगों की जुझारू भावना राष्ट्र के सांस्कृतिक ताने–बाने को मजबूत करती है। नगालैंड का गठन एक दिसंबर, 1963 को भारत के 16वें राज्य के रूप में किया गया था। तब से एक दिसंबर को प्रतिवर्ष नगालैंड राज्य स्थापना दिवस के रूप में मनाया जाता है। गृह मंत्री शाह ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'नगालैंड की बहनों और भाइयों को उनके राज्य स्थापना दिवस पर हार्दिक शुभकामनाएं। राज्य की जीवंत परंपराएं और इसके लोगों की जुझारू भावना हमारे राष्ट्र के सांस्कृतिक ताने–बाने को मजबूती प्रदान करती है। कामना है कि नगालैंड शांति, प्रगति और समृद्धि के पथ पर आगे बढ़े।'

शशि थरूर ने फिर दिया कांग्रेस को झटका, सेहत के बहाने खास बैठक से बनाई दूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फैसलों की कई बार तारीफ कर चुके कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरुर ने एक बार फिर कांग्रेस को झटका दिया है। हाल ही में एसआईआर के विरोध में रणनीत बनाने के लिए बुलाई गई कांग्रेस की मीटिंग में भी शशि थरूर शामिल नहीं हुए। इसके लिए उन्होंने स्वास्थ्य कारणों का हवाला दिया था। वहीं अब संसद के शीतकालीन सत्र की रणनीति को लेकर हुई बैठक में भी वह गैरहाजिर रहे। अब सवाल यह है कि एक दिन पहले ही वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम में हाजिर थे। वहीं एक दिन बाद ही कांग्रेस की बैठक से किनारा कर गए।

थरूर ने प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ करते हुए सोशल मीडिया पर पोस्ट भी किया था। अब सोशल मीडिया पर भी शशि थरूर के रवैये को लेकर हलचल है। लोगों का कहना है कि क्या शशि थरूर बीजेपी में जाने का प्लान कर रहे हैं? बीते दिनों जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दिल्ली के एक कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे तब शशि थरूर ने उनका भाषण सुना और फिर जमकर तारीफ की। उन्होंने शिक्षा पर की गई उनकी टिप्पणी को भी सराहा था। जबकि इस भाषण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुलामी की मानसिकता बताते हुए कांग्रेस की खूब आलोचना की थी।पीएम मोदी की तारीफ को लेकर कांग्रेस के अन्य नेताओं ने उन्हें निशाने पर भी लिया था। थरूर ने सफाई देते हुए बताया कि वह केरल में थे। वह 90 वर्षीय मां के साथ थे और इसलिए बैठक में शामिल नहीं हो सके। इस बैठख में कांग्रेस के महासचिव केसी वेणुगोपाल भी शामिल नहीं हो पाए थे। वह स्थानीय चुनाव प्रचार में व्यस्त थे।कांग्रेस नेता ने कहा कि असल समस्या यह है कि वह देश को ठीक से समझते ही नहीं हैं। उन्हें यही लगता है कि बीजेपी की नीतियां बहुत अच्छी हैं। अगर ऐसा ही है तो वह कांग्रेस में क्यों हैं? वह दोहरा रवैया अपना रहे हैं। कांग्रेस की प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि प्रधानमंत्री के भाषण में कोई प्रशंसा करने वाली बात नहीं थी इसके बाद भी शशि थरूर को अच्छी लगी। मझे समझ में नहीं आता कि कांग्रेस पर निशाना साधना उन्हें क्यों अच्छा लगा?

चक्रवात दित्वा: श्रीलंका में फंसे 300 से अधिक भारतीयों को तिरुवनंतपुरम लाया गया

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। भारतीय वायुसेना (आईएएफ) ने चक्रवात दित्वा के कारण श्रीलंका में फंसे 300 से अधिक भारतीय नागरिकों को तिरुवनंतपुरम हवाई अड्डे पर पहुंचाया। यहां एक रक्षा प्रवक्ता ने यह जानकारी दी।

प्रवक्ता ने बताया कि भारतीय वायु सेना का एक विमान कोलंबो से रविवार शाम साढ़े सात बजे तिरुवनंतपुरम पहुंचा। प्रवक्ता के मुताबिक, भारतीय वायुसेना के आईएल-76 और सी-130जे वाहनों का उपयोग श्रीलंका में बचाव सामग्री और राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) के दलों को पहुंचाने के लिए किया गया तथा फंसे हुए यात्रियों को निकालने के लिए भी इनका प्रयोग किया जा रहा है।

यहां एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि हाल ही में भारतीय वायुसेना द्वारा ऑपरेशन सागर बंधु के तहत श्रीलंका के लोगों को महत्वपूर्ण मानवीय सहायता और आपदा राहत (एचएडीआर) सहायता प्रदान की जा रही है।विभिन्न अभियान संचालित करते हुए भारतीय वायुसेना के कई हेलीकॉप्टर ने कुल 57 श्रीलंकाई सैन्य कर्मियों को दियाथलावा सैन्य शिविर और कोलंबो से कोटमाले पहुंचाया।

श्रीलंका के मध्य प्रांत में भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र कोटमाले से सड़क संपर्क पूरी तरह टूट गया है।प्रवक्ता ने बताया कि भारतीय वायुसेना के एक अभियान के दौरान गरुड़ कमांडो को यहां फंसे हुए नागरिकों के पास विमान के जरिए उतारा गया जिसके बाद कमांडो प्रभावित लोगों को एक निर्धारित स्थान पर ले गए जहां से उन्हें हेलीकाप्टर से आगे जाया गया। विज्ञप्ति में कहा गया है, ''भारतीय, विदेशी नागरिक और श्रीलंकाई समेत कुल 55 नागरिकों को सफलतापूर्वक कोलंबो पहुंचाया गया। दो भारतीय हेलीकॉप्टर ने 24 घंटे लगातार काम करते हुए अब तक बचाव कार्यों के लिए 12 से ज़्यादा फेरे लगाए हैं।''

बिहार के फार्मूले से पश्चिम बंगाल का सियासी समीकरण हल करना चाहती है भाजपा

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव में शानदार जीत हासिल करने के बाद भाजपा मिशन बंगाल में जुट गई है। यहां बिहार के फार्मूले से पश्चिम बंगाल का सियासी समीकरण हल करने में जुटी भाजपा को जनता से क्या आनसर मिलेगा ये बाद में पता चलेगा। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऐलान किया था कि अब पार्टी का लक्ष्य पश्चिम बंगाल में जीत हासिल करना है। लेकिन, क्या भाजपा बिहार के फॉर्मूले पर ही बंगाल में फतह हासिल कर सकती है? यह बड़ा सवाल है क्योंकि सांस्कृतिक, सामाजिक, राजनीतिक हर तरीके से बंगाल, बिहार से अलग है। राज्य में भाजपा और टीएमसी के बीच सीधी टक्कर है। लेकिन, बीते तीन चुनावों यानी 2019 के लोकसभा, 2022 के विधानसभा और फिर 2024 के लोकसभा चुनाव के नतीजों ने भाजपा को अपनी पुरानी रणनीति बदलने पर मजबूर कर दी है। भाजपा समझ गई है कि बंगाल में सिर्फ हिंदू राष्ट्रवाद के मुद्दे पर चुनावी फतह करना आसान नहीं है। क्योंकि इस राज्य में बिहार-उत्तर प्रदेश की तरह चुनाव में जाति बहुत अहम नहीं है। साथ ही इस राज्य में करीब 30 फीसदी मुस्लिम आबादी रहती है।

एक भाजपा नेता ने कहा कि इस बार के चुनाव में पार्टी उन मुस्लिम वोटरों को टार्गेट कर रही है जो किसी भी कारण से ममता दीदी से नाराज चल रहे हैं। टीएमसी से नाराज ये मुस्लिम वोटर्स आमतौर पर कांग्रेस या फिर वाम दलों को वोट करते हैं। भाजपा की रणनीति इन मुस्लिम वोटर्स को अपने पाले में लाने की है। पार्टी के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य के बयान को भी इसी संदर्भ में देखा जा रहा है।पश्चिम बंगाल में मुस्लिम आबादी करीब 30 फीसदी है। राज्य की 294 सदस्यीय विधानसभा में केवल 40 से 50 सीटों पर ही मुस्लिम समुदाय बेहद प्रभावी है। इन सीटों को नजरअंदाज भी किया जा सकता है। लेकिन, राज्य में कई ऐसी सीटें हैं जहां मुस्लिम आबाद इतनी मजबूत नहीं है लेकिन जीत-हार तय करने में उनकी अहम भूमिका होती है। 2022 के विधानसभा और 2024 के लोकसभा चुनावों में इन सीटों पर भी भाजपा की हार हो गई थी। ऐसे में हम इस बार इन सीटों पर मौका नहीं चूकना चाहते हैं। 2011 की जनगणना के मुताबिक पश्चिम बंगाल में 27 फीसदी आबादी मुस्लिम है जबकि 70.5 फीसदी हिंदू हैं।

वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने राज्य की 42 लोकसभा सीटों में से 18 पर जीत हासिल की थी। उसे 40.25 फीसदी वोट मिले थे। यह भाजपा का सबसे शानदार प्रदर्शन था। लेकिन, 2021 के विधानसभा चुनाव में पार्टी यही मोमेंटम कायम नहीं रख पाई। उसका वोट प्रतिशत घट गया। उसे 27.81 फीसदी वोट मिले। उसकी सीटों की संख्या 77 थीं। हालांकि 2016 के विधानसभा की तुलना में यह प्रदर्शन शानदार था। फिर 2024 के लोकसभा में चुनाव में भी भाजपा अपनी पुरानी बढ़त कायम नहीं रख पाई। उसकी सीटें घटकर 12 हो गईं और उसका वोट प्रतिशत 39.10 फीसदी रहा। आनी बीते दो चुनावों में टीएमसी अपने 2019 के प्रदर्शन से आगे नहीं निकल पाई है। यही पार्टी के लिए सबसे बड़ी चिंता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक इस वक्त पश्चिम बंगाल में

एसआईआर चल रहा है। इससे पहले बिहार में भी एसआईआर करवाया गया था। बिहार में एसआईआर के दौरान भाजपा घुसपैठ के बड़ा मुद्दा बनाने में कामयाब रही है। लेकिन, बंगाल में एसआईआर पर भाजपा का रुख थोड़ा अलग है। वहां वह कह रही है कि पार्टी राष्ट्रवादी मुस्लिमों के खिलाफ नहीं है। पश्चिम बंगाल में 2011 से ममता दीदी सत्ता में हैं। बंगाल में अलग फॉर्मूले की जरूरत है। क्योंकि जाति उतना अहम मुद्दा नहीं जितना बिहार और अन्य राज्यों में है। ऐसे में यहां भाजपा को क्षेत्रीय और धार्मिक समीकरणों में संतुलन बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

नकली से बदलता था महंगे स्मार्ट वॉच और एयरपॉड्स, दो गिरफ्तार

नई दिल्ली। द्वारका जिला पुलिस ने उत्तम नगर स्थित फ्लिपकार्ट वेयरहाउस से एप्पल कंपनी के महंगे स्मार्ट वॉच और एयरपॉड्स चोरी कर उसकी जगह नकली सामान रखने वाले डिलीवरी बॉय उमेश और उसके साथी शनि को गिरफ्तार किया है। आरोपी महंगे सामान को बिहार के मोबाइल फोन डीलर को बेच देता था। आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने तीन स्मार्ट वॉच और तीन एयरपॉड्स बरामद किए हैं। जिसकी कीमत 2.50 लाख रुपये आंकी गई है। जिला पुलिस उपायुक्त अंकित सिंह ने बताया, बिंदापुर थाना पुलिस को 15 नवंबर को चोरी की शिकायत मिली। शिकायतकर्ता सनी कुशवाह ने आरोप लगाया कि उसके डिलीवरी बॉय ने अपने साथी अंकित के साथ मिलकर 16 एप्पल स्मार्ट वॉच और तीन एप्पल एयरपॉड चुरा लिए और इसकी जगह पर नकली सामान रख दिए। पुलिस ने नंगली के प्रेम नगर में उसके घर के पास से उमेश को गिरफ्तार कर लिया। उसकी निशानदेही पर साथी सनी कुमार को मालवीय नगर के खिड़की एक्सटेंशन स्थित एक फ्लैट से गिरफ्तार कर लिया। जांच में पता चला कि आरोपी अंकित फ्लिपकार्ट से महंगी स्मार्ट वॉच के ऑर्डर बुक करता था, इसके बाद उमेश उन्हें अंकित और सनी कुमार को डिलीवर करता था। डिलीवरी के दौरान अंकित और सनी कुमार महंगी स्मार्ट वॉच को नकली वॉच से बदल देता था। फिर दोनों ऑर्डर कैंसिल कर देते थे। अंकित और सनी कुमार उमेश को हर पार्सल के लिए 35 सौ रुपये देता था। सनी ने बताया कि वह स्मार्ट वॉच को बिहार के समस्तीपुर के अमर नाम के व्यक्ति को देता था। जो वॉच को इकट्ठा कर बिहार के मोबाइल फोन डीलर को सप्लाई कर देता था। राजेश अमर के अकाउंट में पैसे दे देता था। पुलिस आरोपी अंकित, अमर और राजेश की तलाश कर रही है। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों पर पहले से कोई मामला दर्ज नहीं है।

स्थानीय कारकों के कारण दिल्ली की हवा अधिक जहरीली

कौमी पत्रिका

दिल्ली। राजधानी में हवा की गति सुस्त पड़ने व स्थानीय कारकों के कारण हवा जहरीली है। बृहस्पतिवार को हवा गंभीर श्रेणी की दहलीज पर पहुंच गई। सुबह की शुरुआत धुंध और हल्के कोहरे से हुई। वहीं, आसमान में कुहासे के साथ स्मॉग की चादर भी दिखाई दी। इस कारण दृश्यता भी कम रही। इस दौरान लोग मास्क पहने नजर आए। साथ ही, सांस के मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ा। इस दौरान वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 391 दर्ज किया गया। यह हवा की बेहद खराब श्रेणी है। इसमें बुधवार की तुलना में 1 सूचकांक की वृद्धि दर्ज की गई। दूसरी ओर, एनसीआर में गाजियाबाद की हवा सबसे अधिक प्रदूषित रही। यहां एक्यूआई 430 दर्ज किया गया, यह गंभीर श्रेणी है। वहीं, ग्रेटर नोएडा में 380, गुरुग्राम में 302 और नोएडा में 408 एक्यूआई दर्ज किया गया। इसके अलावा, फरीदाबाद की हवा सबसे साफ रही। यहां सूचकांक 255 दर्ज किया गया। यह हवा की खराब श्रेणी है। दिल्ली में वायु गुणवत्ता प्रबंधन के लिए निर्णय सहायता प्रणाली के अनुसार, वाहन से होने वाला प्रदूषण 17.34 फीसदी रहा। इसके अलावा, पराली जलाने से होने वाला प्रदूषण 2.88, निर्माण गतिविधियां से होने वाला 2.51 और कूड़ा जलाने की भागीदारी 1.68 फीसदी रही। वहीं, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) का पूर्वानुमान है कि शनिवार को हवा गंभीर श्रेणी में पहुंचने की आशंका है। इसके चलते सांस के मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ेगा। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में सर्दियों के मौसम में बढ़ते वायु प्रदूषण को देखते हुए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने बड़ा कदम उठाया है। आयोग ने दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश सरकारों को पत्र लिखकर नवंबर और दिसंबर महीने में होने वाली सभी शारीरिक खेल प्रतियोगिताओं एवं आउटडोर खेल गतिविधियों को स्थगित करने का निर्देश दिया है। यह फैसला सुप्रीम कोर्ट की हालिया टिप्पणियों के अनुपालन में लिया गया है। उसमें कोर्ट ने बच्चों के स्वास्थ्य पर पड़ रहे गंभीर प्रभाव को लेकर चिंता जताई थी। सीएक्यूएम ने शिक्षा मंत्रालय, खेल प्राधिकरण (एसएआई) और संबंधित राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों के साथ आपात परामर्श बैठक भी की। आयोग के अनुसार, जिन क्षेत्रों में एक्यूआई गंभीर या बहुत खराब श्रेणी में रहेगा वहां बच्चों को खुले मैदान में खेलने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। आयोग ने कहा कि खेल आयोजनों के स्थगन से किसी भी छात्र-खिलाड़ी को शैक्षणिक या

खेल करियर में नुकसान नहीं होना चाहिए। इसके लिए राज्य सरकारें आयोजनों को पुनर्निर्धारित करें। नई दिल्ली। आनंद विहार में स्थापित स्मॉग टावर ने पीएम 2.5 और पीएम 10 के स्तर को 20 प्रतिशत तक कम किया है। हालांकि, इसके संचालन और रखरखाव पर हर महीने लगभग 11-12 लाख रुपये का खर्च आ रहा है। आरटीआई के जवाब में इसका खुलासा हुआ है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने आरटीआई के जवाब में बताया कि यह आकलन आईआईटी-बॉम्बे व आईआईटी-दिल्ली द्वारा किए गए मूल्यांकनों पर आधारित है। सीपीसीबी ने बताया कि टाटा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड मौजूदा समय में 10.27 लाख रुपये प्रति माह की दर से टावर का संचालन कर रही है, जिसमें बिजली शुल्क, जीएसटी, कर और एनबीसीसी को देय आठ प्रतिशत परियोजना प्रबंधन परामर्श (पीएमसी) शुल्क शामिल नहीं है। सीपीसीबी के अनुसार, स्मॉग टावर परियोजना की कुल लागत लगभग 21-22 करोड़ रुपये है, जिसमें निर्माण लागत के रूप में 18.52 करोड़ रुपये शामिल हैं। इसके अलावा, एनबीसीसी का आठ प्रतिशत पीएमसी शुल्क भी इसमें जोड़ा गया है। आरटीआई दाखिल करने वाले पर्यावरणविद् अमित गुप्ता ने कहा कि दिल्ली-एनसीआर वायु प्रदूषण के सबसे बुरे दौर से गुजर रहा है।

स्कूली विद्यार्थियों व सांस्कृतिक टीमों ने प्रस्तुत किए रंगारंग कार्यक्रम- नगराधीश पीयूष गुप्ता

यमुनानगर। सूचना, जन सम्पर्क एवं भाषा विभाग, हरियाणा एवं जिला प्रशासन यमुनानगर के सौजन्य से तीन दिवसीय जिला स्तरीय गीता महोत्सव-2025 मंदिर सदगुरू श्री प्यारे जी महाराज, बूडि?ा गेट, जगाधरी में आयोजित किया गया है। कृष्ण कृपा सेवा समिति यमुनानगर-जगाधरी के सदस्यों द्वारा सुबह-शाम गीता जी की आरती व पूजा अर्चना की जा रही है। उपायुक्त पार्थ गुप्ता के मार्गदर्शन में नगराधीश पीयूष गुप्ता ने गीता महोत्सव कार्यक्रम की अध्यक्षता की। जिला स्तरीय गीता महोत्सव कार्यक्रम में नगराधीश पीयूष गुप्ता ने कहा कि श्रीमद्भगवद् गीता प्रेरणा स्त्रोत ग्रंथ है और गीता के संदेश को सभी अपने जीवन में अपनाएं ताकि सभी का जीवन धन्य हो सकें। उन्होंने कहा कि गीता में कर्म का संदेश दिया गया है और कर्म मन से होता है। उन्होंने कहा कि श्रीमद्भगवद् गीता में संदेश दिया गया है कि निराशा का जीवन में कोई स्थान नहीं है। उन्होंने कहा कि गीता एकमात्र ऐसा ग्रन्थ जिसमें असत्य पर सत्य, अन्याय पर न्याय व अधर्म पर धर्म की जीत का स्पष्ट संदेश है। उन्होंने कहा कि न्याय के लिए लड़ाई लडनी चाहिए। उन्होंने कहा कि गीता के कर्मयोग के सिद्धान्त के अनुसार कर्म करना ही हमारा धर्म है। नगराधीश ने बताया कि सूचना, जन सम्पर्क एवं भाषा विभाग एवं जिला प्रशासन, धार्मिक संस्थाओं द्वारा जिला स्तरीय गीता महोत्सव के उपलक्ष में आयोजित कार्यक्रमों के तहत झंडा चौक, जगाधरी से 1 दिसंबर को दोपहर 2 बजे शोभा यात्रा निकाली जाएगी। इस शोभा यात्रा को पूर्व कैबिनेट मंत्री कंवरपाल झण्डी दिखाकर रवाना करेंगे। शोभा यात्रा की शुरूआत मंत्रो उच्चारण के साथ की जाएगी। शोभा यात्रा झण्डा चौक से शुरू होकर पत्थरों वाला बाजार, राजा चौक से खेड़ा मंदिर होते हुए चौक बाजार से पंसारी बाजार होते हुए मंदिर सदगुरू श्री प्यारे जी महाराज, बूडि?ा गेट, जगाधरी में सम्पन्न होगी। उन्होंने बताया कि जिला स्तरीय गीता महोत्सव में विभिन्न शिक्षण संस्थाओं के छात्र-छात्राओं व कलाकारों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। मदर्स ट्रस्ट प्लेवे स्कूल के विद्यार्थियों ने गणेश वंदना ग्रुप डांस, दशावतार ग्रुप डांस, सैकेर्ड हार्ट कान्वेंट स्कूल के बच्चों ने सोलो डांस राधा गौरी-गौरी, मास्टर अगस्त्य रावल ने रामजी के चरित्र पर कविता प्रस्तुत की। एमएलएन सीनियर सैकेण्डरी स्कूल के विद्यार्थियों ने नशा मुक्ति पर प्रस्तुति, गीता विद्या मंदिर बूडि?ा अष्टादश गीता ग्रुप में सुमेर चंद जैन ने अपनी सुंदर प्रस्तुति दी। बी.के. रमेश ब्रह्माकुमारी सैंटर, यमुनानगर ने गीता जी पर संदेश दिया। सांय के सत्र में विक्की म्यूजिकल ग्रुप, श्रीजी संकीर्तन मंडल द्वारा सांस्कृतिक भजन संध्या, कच्ची घोड़ी पार्टी, नगाड़ा व बीन पार्टियों की शानदार सांस्कृतिक प्रस्तुति रही। भजन संध्या के उपरांत श्रीमद भगवद गीता जी की आरती में नगरवासी बढ़-चढ ?र शामिल हुए और गीता जी की आरती की। स्थानीय लोगों एवं धार्मिक सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। सभी ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद लिया। इस अवसर पर श्री कृष्ण कृपा सेवा समिति एवं जीओ गीता परिवार के जितेन्द्र गुप्ता, संदीप बंसल, नीरू चौहान, जिला सूचना एवं जन सम्पर्क अधिकारी डॉ. मनोज कुमार, जिला शिक्षा अधिकारी प्रेमलता सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति तथा विभिन्न

पुलिस सुधारों के बिना लोकतांत्रिक व्यवस्था को खतरा: रावत

नई दिल्ली। जैसा कि आज वर्तमान समय में स्वतंत्रता, गणतंत्र और संविधानिक दिवस अमृत महोत्सव तक लोकतांत्रिक महान हिंदुस्तान में सुप्रीम कोर्ट के एतिहासिक फैसला भी आमजनों की निष्पक्ष सेवा सुरक्षा के लिये मौहताज है! वैसे उत्तर प्रदेश के रिटायर्ड पुलिस महानिदेशक श्री प्रकाश सिंह जी द्वारा दायर याचिका नंबर 310/1996 जिसमें माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने 2006 में एतिहासिक फैसला उपरोक्त गम्भीर विषय पर सुनाया था जो रिपोर्टिंग जजमेंट है लेकिन आजतक लागू नहीं किया गया। जिसकी वजह पिछले दिनों हरियाणा में जाती

वाद आतंकी व्यवस्था ब्रिटिश साम्राज्य की पद्धति से एक आइ पी एस पुरन सिंह को आत्महत्या जैसे कलंकित क़दमों ने पुलिस विभाग में खलबली मचाने का इतिहास रचा। वैसे आज भी प्रशासनिक बदचलन से हजारों जवाबों ने अपनी जान की आहूति देने का रिकॉर्ड उपलब्ध है लेकिन राज्य लकैन्दर्यि सरकारों ने आमजनों की निष्पक्ष सेवा सुरक्षा हेतु आजतक कोई भी कारगर इलाज नहीं किया जो आवश्यक था। हमने आज भी एक ज्ञापन सर्वोच्च न्यायालय में शीघ्रता शीघ्र सुनवाई हेतु और 2006 के जजमेंट को तुरंत लागू करने के लिये फायल किया है।

आया नगर में सुबह-सुबह कई राउंड फायरिंग, 52 साल के शख्स की गोली मारकर हत्या

नई दिल्ली। दिल्ली के आया नगर इलाके में गोलीबारी की एक घटना सामने आई है। पुलिस को सूचना मिली कि फतेहपुर बेरी थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले आया नगर में गोली चलने की आवाज सुनाई दी है। मौके पर पहुंचने पर, पुलिस को एक व्यक्ति गोली लगने से घायल अवस्था में मिला। घायल व्यक्ति की पहचान रतन (पुत्र लेखी राम) के रूप में हुई है, जिनकी आयु 52 वर्ष थी और वे आया नगर के रहने वाले थे। गोली लगने की वजह से रतन की मौत हो गई। पुलिस और फोरेंसिक टीमें तत्काल हरकत में आईं और घटनास्थल पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी। पुलिस सूत्रों के अनुसार, घटनास्थल पर फोरेंसिक विशेषज्ञों की टीम पहुंच चुकी है और साक्ष्य जुटाने का काम जारी है। गोलीबारी के कारणों और इसमें शामिल व्यक्तियों का पता लगाने के लिए गहन जांच की जा रही है। पुलिस इलाके में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और प्रत्यक्षदर्शियों से भी पूछताछ की जा रही है।

दिल्ली में 3.5 लाख नकली सिगरेट जब्त, कीमत 50 लाख... दो गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने नकली सिगरेट के एक रैकेट का पर्दाफाश करते हुए 3.5 लाख से अधिक नकली सिगरेट जब्त की हैं, जिनकी कीमत लगभग 50 लाख रुपये बताई जा रही है। इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। यह बरामदगी उत्तरी दिल्ली के लाहौरी गेट इलाके से हुई है, जहाँ पुलिस ने एक गुप्त सूचना के आधार पर छापा मारा था। डीसीपी नॉर्थ राजा बंथिया ने बताया कि हमें एक आदमी के बारे में जानकारी मिली जो नकली सिगरेट का धंधा करता है। हमने लाहौरी गेट इलाके के पास छापा मारा और गोल्ड फ्लेक और मार्लबोरो जैसे ब्रांड मिले। जिन्हें जब्त कर लिया गया है। करीब 3.5 लाख सिगरेट हैं। जिनकी कीमत 50 लाख रुपये है।इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। वे पास के फतेहपुरी इलाके के हैं। वे बहुत लंबे समय से इस धंधे में लगे हुए थे। हम बनाने वालों का पता लगाने के लिए आगे की जांच कर रहे हैं। पुलिस को एक मुखबिर से सूचना मिली थी कि कुछ लोग नकली सिगरेट का कारोबार कर रहे हैं। इस सूचना के आधार पर एक टीम ने लाहौरी गेट के पास छापेमारी की। छापेमारी के दौरान, पुलिस को गोल्डफ्लेक और मार्लबोरो जैसे प्रतिष्ठित ब्रांडों की नकली सिगरेट का एक विशाल भंडार मिला। कुल मिलाकर लगभग 3.5 लाख नकली सिगरेट जब्त की गईं, जिनका अनुमानित मूल्य 50 लाख रुपये आंका गया है।

फेसबुक पर टिप्पणी के लिए निष्कासित आरपीएफ कांस्टेबल बहाल

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स (आरपीएफ) के कांस्टेबल रॉबिन गौतम को बहाल करने का आदेश दिया है। गौतम को 2018 में एक फेसबुक पोस्ट पर वरिष्ठ अधिकारी की हत्या के बारे में टिप्पणी करने के आरोप में नौकरी से बर्खास्त किया गया था। हाईकोर्ट ने अनुशासनिक कार्रवाई को शुरू से ही रद्द कर दिया। न्यायमूर्ति सी हरि शंकर और न्यायमूर्ति ओम प्रकाश शुक्ला की बेंच ने फैसले में कहा, यह एक स्पष्ट मामला है जहां अनुशासनिक प्राधिकारी से लेकर हर स्तर पर जांच ढ़ंग से नहीं की गई। कोर्ट ने गौतम को बर्खास्तगी की तारीख से सेवा में बहाल करने, वेतन वृद्धि और निरंतरता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। 2018 में मेघालय में चुनाव ड्यूटी के दौरान आरपीएफ कांस्टेबल अर्जुन देशवाल ने सहायक कमांडेंट मुकेश सी त्यागी की कथित हत्या कर दी थी। इस घटना को लेकर फेसबुक पोस्ट पर गौतम पर बढ़यि किया भाई टिप्पणी करने का आरोप लगा। चार्जशीट जारी हुई, जिसमें यही एकमात्र आरोप था।

NAME CHANGE

I hither to known as FAROOQ RAZI alias S FAROOQ S/o RAZI UL HASAN, R/o A-153, Gali No.7, Ph-2, Bhagirathi Vihar, North East Delhi-110094, have changed my name and shall hereafter be known as SYED FAROOQ RAZI

NAME CHANGE

I Manish Kumar S/O GOPAL DASS NAGPAL, R/o F-11/70, THIRD FLOOR, VTC Rohini Sector 15 PO Rohini Sector 15 District: North West Delhi State: Delhi, PIN Code 110089 have changed my name to Manish Nagpal for all future purposes.

NAME CHANGE

I Savita Bhandari W/O Karan Singh, R/o Khasra No-38/11/1, Gali no-8-A-Block, Amrit vihar, Amrit Vihar, North Delhi, Delhi - 110084 have changed my name to Savita for all future purposes.

NAME CHANGE

I Karan Bhandari S/O Sahab Singh, R/o 38/11/1, .A-Block Gali.no.8 Amrit Vihar Buradi, Near Swami Vivekanand School, Buradi, North Delhi, Delhi - 110084 have changed my name to Karan Singh for all future purposes.

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given to public at large on behalf of my client Mr. Puran Chand in respect of **Entire First Floor without roof rights, Built up on Property Bearing No. 156/1, , area measuring 50 Sq. Yds., Carved out of Khasra No. 16/6, Situated in the revenue estate of Village Mirzapur, Mahavir Enclave, New Delhi-110045** claiming to have undisputed ownership. Now my client intends to sell the property in which **SMFG India Home Finance Company Limited** will provide the financial assistance If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within Seven days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever

Khaitan & Khaitan
A-38 Kailash Colony,
New Delhi-110048,
Ph. No: 011-49774545

NAME CHANGE

I hitherto known as PARVEZ KHAN son of Shri RASHID KHAN, residing at House No. 00, Ward No.02, Mohalla Yaseenagadhi Dasna, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201001, have changed my name and shall hereafter be known as AURANGZEB.

सार्वजनिक सूचना

मैं, मुहम्मद इस्लाम पुत्र नज़ीर अहमद निवासी ई-82/ए 429, शरहद पुरी, झिलमिल, दिल्ली-95 घोषणा करता हूँ कि मेरा वास्तविक नाम मुहम्मद इस्लाम (Muhammad islam)है किंतु मेरे कुछ डॉक्यूमेंट में मेरा नाम त्रुटि पूर्वक इस्लाम सैय्यद लिखा गया है, उपरोक्त दोनों नाम मुझसे ही संबंधित हैं, इसलिए भविष्य में मुझे सभी उद्देश्यों के लिए मुहम्मद इस्लाम के नाम से ही जाना पहचाना जाए।

NAME CHANGE

I hitherto known as LAVANYA B S alias LAVANYA NANDAN D/O SUBBARAO B S W/O RAGHUNANDAN B A Permanent Residence of H1203 Mantri Lithos, Manyata Tech Park Nagavara, Bangalore, North Bengaluru Karnataka-560045, Present Resident of Principal Guest House, Nightingale Institute of Nursing C-23, Institutional Area Sector-62, Noida-201307, have changed my name and shall hereafter be known as LAVANYA NANDAN.

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given to public at large on behalf of my client Smt. Baleshwari Devi in respect of **Residential Plot of land admeasuring 220 sq. yds. out of Khasra No. 9, Situated at Village Roopwas, Pragana and Tehsil Dadri, Distt. Gautam Budh Nagar, U.P.**claiming to have undisputed ownership. Now my client intends to sell the property in which **Piramal Finance Limited** will provide the financial assistance If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within Seven days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever

Khaitan & Khaitan
A-38 Kailash Colony,
New Delhi-110048,
Ph. No: 011-49774545

अभियुक्त व्यक्तियों की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 सीआरपीसी / 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त (1) **जमीर उर्फ समीर** (2) **जाहिर पुत्र स्वर्गीय रहीश अहमद** दोनों **निवासी अंशार मस्जिद के पास, खुशहाल गार्डन पूजा कॉलोनी, गाजियाबाद लोनी, उत्तर प्रदेश** ने **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 018771/21 भा.द.सं. की धारा 411/452/34 के तहत, थाना केशव पुरम, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उन्होंने किया है) और उन पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया है कि उक्त अभियुक्त **जमीर उर्फ समीर** और **जाहिर** मिल नहीं रहे हैं और समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया है कि उक्त अभियुक्त **जमीर उर्फ समीर** और **जाहिर** फरार हो गए हैं (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहे हैं)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है **कि प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 018771/21 भा.द.सं. की धारा 411/452/34 के तहत, थाना केशव पुरम, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **जमीर उर्फ समीर** और **जाहिर** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **13.04.2026** को या उससे पूर्व हाजिर हों।

आदेशानुसार
श्री संयम जैन
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-04, उत्तर-पश्चिम
कमरा नं.112, प्रथम तल, रोहिणी कोर्ट्स, दिल्ली

DP/15979/NW/2025

NAME CHANGE

I hitherto known as LAXMI alias LAXMI KUMARI D/O DAL CHAND W/O DEVENDER KUMAR R/O H. No- 212, Chirag Delhi, Malviya Nagar, South Delhi, Delhi- 110017, have changed my name and shall hereafter be known as LAXMI.

NAME CHANGE

I LOSA W/O EJIKE CYRIL ALPHONSUS R/O H.No-16, Street No-15 A-1 Block Bangali Colony, Sant Nagar Near Rani Public School, Sant Nagar, Burari Sant Nagar, North Delhi, Delhi-110084 have changed the name of my minor daughter LYDIA ALPHONSUS CYRIL ALIAS LYDIA ALPHONSUS CYRIL U aged 15 years and She shall hereafter be known as LYDIA ALPHONSUS CYRIL U.

सार्वजनिक सूचना

चूंकि **श्री साहिल मनचंदा और श्री हितेश मनचंदा आदित्य** से गृह ऋण लेना चाहते हैं **बिरला हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड** संपत्ति के लिए **अर्थात भूतल, प्रथम, द्वितीय और तृतीय तल, मकान नंबर 8, क्षेत्रफल 60 वर्ग गज, कॉलोनी जिसे न्यू टी-ब्लॉक के नाम से जाना जाता है, खसरा नंबर 18/6, 15 में से, 19/10, और 11, ग्राम मटियाला, उत्तम नगर 110059 के क्षेत्र में स्थित; इसके बाद उक्त संपत्ति के रूप में संदर्भित। श्री साहिल मनचंदा और श्री हितेश मनचंदा** ने हमें समझें कि, इससे पहले उक्त संपत्ति को जीपीए, एटीएस और के माध्यम से कई बार स्थानांतरित किया गया था वसीयत। अब, श्री मिथलेश जीपीए, एटीएस और दिनांकित वसीयत के माध्यम से उक्त संपत्ति के पूर्ण स्वामी हैं। 22.10.2012. अब, मैं आम जनता को यह घोषणा करना चाहूंगा कि यदि किसी व्यक्ति को कोई बीमारी है या है कानूनी उत्तराधिकारियों के माध्यम से उपरोक्त दस्तावेजों के लिए इस लेनदेन के संबंध में उक्त के खिलाफ दावा, बंधक, उपहार, पट्टा, उत्तराधिकार, ग्रहणाधिकार या अन्यथा या उपरोक्त दस्तावेजों के साथ कोई आपत्ति सात दिनों के भीतर हमारे दिल्ली कार्यालय में आकर अपना दावा वैध दस्तावेजों के साथ प्रस्तुत कर सकते हैं। साक्ष्य। यदि कोई दावा/आपत्ति/विवाद हो तो उसे खारिज मान लिया जाएगा और ऐसा न करने पर, ऊपर दिए गए मालिकों के साथ बिक्री का ट्रांज़ैक्शन पूरा किया जाएगा और नहीं तो उसे बिना दावे वाला और बिना खंडन वाला माना जाएगा और उसी हिसाब से आगे बढ़ाया जाएगा।

मेसर्स पास एंड एसोसिएट्स, एलएलपी
बी-132, मालवीय नगर,
नई दिल्ली-110017
मोबाइल - 9991116006

NAME CHANGE

I, Trilok Singh S/o Rishipal Singh R/o C-251, Sector-44, 22nd Avenue Lane, Amity International School, PO-Noida Sector 37, Dist-Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh - 201303, have changed my minor daughter's name from Samar Singh aged 09 years to Meera Singh forever

NAME CHANGE

I Vipin Kumar S/o Satveer Singh R/o 340, Ladpur, Takrarpur Ladpor, Bulandshahr, Uttar Pradesh - 245402, have changed my name to Tiwankal Kumar

NAME CHANGE

I Israr Ahmad S/o Anwar Khan R/o Tabibpur Post Azampur, VTC-Noorpur, Sub District- Chandpur, District- Bijnor, Uttar Pradesh - 246734, have changed my name to Ikrar Ahamad

NAME CHANGE

I Laxman Gour S/o Sohan Lal Gour R/o Ward No-08, Shahpura, Bhilwara, Rajasthan - 311404, have changed my name to Laxmi Chand Gour

NAME CHANGE

I hitherto known as Deep Chandra S/o Prakash Chandra R/o Plot No-117 2nd Floor, Niti Khand-1, Near Mother dairy, Indirapuram, PO Shipra Sun C, DIST:Ghaziabad, Uttar Pradesh, 201014 have changed my name and shall hereafter be known as Deep Srivastava.

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि श्रीमती उर्वशी धवन, पत्नी श्री विनोद कुमार धवन, निवासी क्र-4/66, अशोक विहार फेज-2, दिल्ली-110052, ने BS VENTURES LLP (LLPIN: AAU-0606) से पार्टनर/डिज़ाइनेटेड पार्टनर के रूप में दिनांक 30.07.2024 से सेवानिवृत्ति ले ली है। उनका इस्तीफ़ा Supplemental LLP Agreement दिनांक 30.07.2024 के माध्यम से स्वीकार किया गया है। उपरोक्त तिथि के बाद LLP के किसी भी कार्य, देनदारी, लेन-देन या दायित्व के लिए वह जिम्मेदार नहीं होंगी। अत: जनता से अनुरोध है कि LLP के साथ किसी भी प्रकार के लेन-देन में उक्त तथ्य को ध्यान में रखें।

उर्वशी धवन

NAME CHANGE

It is for general information that I ALISHER KHAN S/O ASGAR ALI R/O House No. 141, Bharat Nagar, Khora Colony, Khora, PO: Khora Gaon, District Ghaziabad, Uttar Pradesh-201309, declare that name of mine and my father has been written written as ALI SHER KHAN and SHRI ASGAR KHAN in my service records. The actual name of mine and my father are ALISHER KHAN and ASGAR ALI Respectively which may be amended accordingly.

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि श्री देवाशीष रावत, पुत्र श्री सोबन सिंह रावत, निवासी ष्ट-11, रिट्रीट अपार्टमेंट, आई.पी. एक्सटेंशन, पटपड़गंज, दिल्ली-110092, ने BS VENTURES LLP (LLPIN: AAU-0606) से साझेदार/नामित साझेदार (Partner/ Designated Partner) के रूप में दिनांक 30.07.2024 से त्यागपत्र दे दिया है। उनका त्यागपत्र 30.07.2024 दिनांकित सप्लीमेंटल LLP एग्रीमेंट द्वारा स्वीकार कर लिया गया है। उक्त तिथि के पश्चात वे LLP के किसी भी प्रकार के कार्य, दायित्व, लेन-देन अथवा उत्तरदायित्व के लिए उत्तरदायी नहीं होंगे। अत: सामान्य जनता को सूचित किया जाता है कि उपर्युक्त LLP के साथ किसी भी प्रकार का व्यवहार सावधानीपूर्वक करें।

देवाशीष रावत

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given to public at large on behalf of my client Mr. Sanjeet Kumar in respect of **Built-up Plot land area measuring 40 Sq. yards, out of Khasra no. 136/17, with roof rights, situated in the area of Village Burari, Abadi Known as A-1, Block, Sant Nagar, Delhi** claiming to have undisputed ownership. Now my client intends to sell the property in which **SMFG India Home Finance Company Limited** will provide the financial assistance If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within Seven days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever

Khaitan & Khaitan
A-38 Kailash Colony,
New Delhi-110048,
Ph. No: 011-49774545

NAME CHANGE

It is for general information that I, RAM SAROOP S/O GUR CHARAN DASS R/O RZ-35A, RAGHU NAGAR, DABARI, SOUTH WEST DELHI-110045 declare that name of mine has been wrongly written as RAMSAROOP PANDOH in my PPO no-601197900943. The actual name of my mine is RAM SAROOP, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, KAMALAMANI UPADHYAYA is a real Mother of No. 15690645L Rank HAV Name RAGHUNATH UPADHYAYA presently residing VILL-CHHABATIA, PO-GANDASTHAPUR, DISTRICT-BALESHWAR, (ORISSA)-756042 have changed my name from KAMALAMANI UPADHYAYA to KAMALA UPADHYAYA for all Future Purposes. Vide Affidavit Dated 01/12/2025 before Notary Public New Delhi.

NAME CHANGE

I, NONI LAL is legally father of No. 16115516X Rank NK Name VINOD KUMAR presently residing HOUSE NO.180, VILL- JATWA, , PO-GADAGHAT, SUB DISTRICT-PATAN, DISTRICT-JABALPUR (MADHYA PRADESH)-483113 have changed my name from NONI LAL to NONE LAL for all Future Purposes. Vide Affidavit Dated 01/12/2025 before Notary Public New Delhi

NAME CHANGE

I, TULSHA BAI is a real Mother of No. 16115516X Rank NK Name VINOD KUMAR presently residing HOUSE NO.180, VILL- JATWA, , PO-GADAGHAT, SUB DISTRICT-PATAN, DISTRICT-JABALPUR (MADHYA PRADESH)-483113 have changed my name from TULSHA BAI to TULASA BAEE for all Future Purposes. Vide Affidavit Dated 01/12/2025 before Notary Public New Delhi.

NAME CHANGE

I Kum. Shabana Bano Farooqui W/O Javed Ahmad R/O. New F-15, J.J.Colony, Raghubir Nagar Delhi-110027 have changed my name to Shabana Bano Farooqui for all purposes.

NAME CHANGE

I, Dharmendra Kumar S/o Sant Ram R/o. 77, Sarai Kale Khan, Hazrat Nizamuddin, Delhi-110013 have changed to Dharmender for all future purposes.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I Desh Raj S/o Ram Gopal, R/o 136, Gaon, Azad Pur, North West Delhi, Delhi - 110033 Declare that name of my Minor Son has been wrongly written as Gorav aged 13 year in my Minor Son namely Gaurav Singh in his School Records. The actual name of my Minor Son is Gaurav Singh

NAME CHANGE

I KRISHNGOPAL CHADDA S/O NAND KISHOR CHADHA R/O 8/88 BLOCK 8, GEETA COLONY, EAST DELHI 110031 Have CHANGED MY NAME TO KRISHAN GOPAL CHADHA

PUBLIC NOTICE

General public is hereby informed that my client Sh. TEJ NARAYAN (Aadhar No. 3370 0617 7573) Rio RZ- 41, GALI NO. 3, DURGA PARK, NASIRPUR, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110045 has broken his relationship with his daughter namely PUSHPA VOHRA (Aadhar No. 4605 2828 9268) and hereby disown and disinherit her from all his moveable and immoveable properties as she has become distrustful, dishonest & disobedient towards my client and has also developed wayward habits. Anybody dealing with Pushpa Vohra will do so at his/her/their own peril and my client will not be responsible for any act, deed or dealing done by Pushpa Vohra.

JARNAIL SINGH GULIA
ADVOCATE
CHAMBER NO.743, DWARKA
COURT COMPLEX,
NEW DELHI-110075

PUBLIC NOTICE

All concerned are hereby informed through this Public Notice that my client; KIRAN DEVI (U.I.D.NO.: 6497-0577-0901), W/O LATE SH. ASHOK KUMAR, R/O C-19, G/F, J.J. COLONY, POCKET-2, SECTOR-16A, DWARKA, NEW DELHI-110078; has severed all her relation with her eldest son namely SONU KUMAR (U.I.D.NO.: 5513-2783-5020) S/O LATE SH. ASHOK KUMAR R/O B-3/829, 12.5 GAJ, RAGHUBIR NAGAR, TAGORE GARDEN, S.O. WEST DELHI, DELHI-110027 from all relations/ties and debarred from all movable and immovable properties due to his misconduct and hostile behavior also in adultery relationship with others. My client shall not be liable/responsible from his any acts and deeds in any manner whatsoever.

AMRIT DAS
ADVOCATE
Enri. No. D-5874/2009
Chamber No: 320, Lawyers
Chamber, Dwarka District Court,
Sector-10, New Delhi-110075

PUBLIC NOTICE

All concerned are hereby informed through this Public Notice that my clients BRAHM PRAKASH, S/O SH. RICH PAL AND SONIA, W/O SH.BRAHM PRAKASH BOTH R/O VPO JATKHORE, DELHI; have severed all their relations with their sons namely (1) (1) AMIT S/O SH. BRAHM PRAKASH AND HIS WIFE SHALU W/O SH. AMIT (2) SUMIT S/O SH. BRAHM PRAKASH AND HIS WIFE MEENU SOLANKI W/O SH. SUMIT (3) PUNIT S/O SH. BRAHM PRAKASH AND HIS WIFE SWATI W/O SH. PUNIT && (4) MOHIT S/O SH. BRAHM PRAKASH AND HIS WIFE KHUSHI W/O SH. MOHIT socially and economically as the above said sons and his wife's of my clients are totally out of control of my clients and from all movable and immovable properties due to his miscoriduct and hostile behavior. My client shall not be liable/responsible from his any acts and deeds in any manner whatsoever used to misbehaved, abuse, quarrels and threaten and disobeyed with my clients and also tortured and harassed them. My clients shall not be held responsible for any of their acts, deed his/her own risk, cost and consequences.and things in whatsoever in any manner and if anyone deal as per

PRAMOD KUMAR ADVOCATE
Chamber No. 437 Dwarka Court
Complex Sector 10, Dwarka,
New Delhi-110075.

NAME CHANGE

I, ZALA MANISHABEN JAYPALSINH W/o No. 14892664H Rank-SEP/MT Name-Late ZALA JAYPALSINH Presently residing at VPO-CHHABHAU, TEH-BAYAD, DIST-ARVALLI, GUJARAT-383330, have changed my son's name from DARSH ZALA to ZALA DARSH JAYPALSINH for all future purposes vide Affidavit dated 01/12/2025 before Notary Public, Delhi.

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि श्रीमती भगवती देवी रावत, पत्नी श्री सोबन सिंह रावत, निवासी ष्ट-11, रिट्रीट अपार्टमेंट, आई.पी. एक्सटेंशन, पाटपड़गंज, दिल्ली-110092, ने UBS VENTURES LLP (LLPIN: AAU-0606) से पार्टनर/डिज़ाइनेटेड पार्टनर के रूप में दिनांक 10.10.2023 से सेवानिवृत्ति ले ली है। उनका इस्तीफ़ा Supplemental LLP Agreement दिनांक 10.10.2023 के माध्यम से स्वीकार किया गया है। उपरोक्त तिथि के बाद LLP के किसी भी कार्य, देनदारी, लेन-देन या दायित्व के लिए वह जिम्मेदार नहीं होंगी। अत: जनता को सूचित किया जाता है कि LLP के साथ किसी भी प्रकार के व्यवहार/लेन-देन में इस तथ्य को ध्यान में रखें।

भगवती देवी रावत

NAME CHANGE

I, Umesh Kumar S/o Chajju Ram R/o H No-33/256, Trilok Puri Near Sai Mandir, Trilok Puri, Delhi-110091 have changed my name to Umesh for all future purposes

NAME CHANGE

I, MOHAMMAD MAJID S/O ABDUL WAHID R/o n99 sunder nagri street no 3 delhi 110093 have changed my name to MOHD MAJID

NAME CHANGE

I, NAFISA W/O MOHD MAJID R/O N99 sunder nagri street no 3 delhi 110093 have changed my name to NAFEESA BEGUM

NAME CHANGE

I, BABITA SHARMA W/O Shri Vikas Sharma, D/O Shri Madan Mohan, R/O House No.52, L-Block New Roshanpura, Najafgarh, P.O. Najafgarh, South West Delhi, Delhi-110043, have changed my name from BABITA RANI to BABITA SHARMA. I shall be known as BABITA SHARMA in future for all purposes.

NAME CHANGE

I, NARENDER JAIN S/O NEMI CHAND JAIN R/O X/1514, GALI NO-07, RAJGARH COLONY, GANDHI NAGAR, DELHI-110031. have changed my name to NARENDER KUMAR JAIN for all future purpose

NAME CHANGE

I Manash ghosh S/O Sunil Kumar Ghosh R/O. C-20 DDA Phase-1 Janta Flat Katwaria Sarai Delhi.110016 have changed my name to Manash Kumar Ghosh

NAME CHANGE

I, Prem Narain S/o Sh. Shiv Narain Sharma R/o 165/5, Sector-22, Rohini, Delhi-110086 here by, declare that Prem Narain, Prem Narayan, Prem Narain Vats and P.N. Vats are the names of one and the same person.

NAME CHANGE

I, SHEETAL DEVI W/o PAWAN KUMAR ROHILLA R/o H.No. 2439/9, Gohana Road, Rajender Nagar, Rohtak - 124001 have changed my name from SHEETAL DEVI to SHITAL DEVI for all future purposes.

NAME CHANGE

I Sunil Kumar S/O Prem Raj Bhati R/O A-5 STAFF QUARTER, ST. STEPHEN'S COLLEGE, DELHI UNIVERSITY , Malka Ganj S.O, North Delhi, Delhi, 110007, have change the name of my minor son Jayan Bhati 13 years and he shall hereafter be known as Jyotiraditya Bhati.

NAME CHANGE

I, ADES DEEP SINGH BHATIA S/o BHUPINDER SINGH R/o C-193, WEST PATEL NAGAR, NEW DELHI-110008, have changed my name from ADES DEEP SINGH BHATIA to ADESDEEP for all future purposes.

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

हनी ट्रैपिंग जैसे सामाजिक मुद्दों पर भी नाटक तैयार करें कलाकार: रेनू भाटिया

एजेंसी

गुरुग्राम। हरियाणा राज्य महिला आयोग की चेयरपर्सन रेनू भाटिया ने कहानी से कानून प्रोजेक्ट के पहले कार्यक्रम में यहां शिरकत की। यह कार्यक्रम कला, शिक्षा और कानून को जोड़कर सामाजिक मुद्दों पर संवाद बढ़ाने की नई पहल के रूप में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण नियोफ्यूजन संस्था के किशोर कलाकारों द्वारा प्रस्तुत संगीतमय कठपुतली नाटक ए स्ट्रिंग ऑफ लव, पावर एंड पेन था। जिसमें महिलाओं के प्रति भावनात्मक चोट, नियंत्रक व्यवहार और पितृसत्तात्मक समाज में मानसिक शोषण को अत्यंत प्रभावशाली ढंग से दर्शाया गया। रेनू भाटिया ने प्रस्तुति की गहराई और संदेश की सराहना करते हुए कहा कि यह नाटक बड़े मंचों तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि भविष्य में बाइपोलर बिहेवियर और हनी ट्रैपिंग जैसे सामाजिक मुद्दों पर भी नाटक तैयार किए जाएं और साथ ही पूरे सहयोग का आश्वासन दिया। कानूनी जागरूकता और सामुदायिक सशक्तिकरण के लिए कार्यरत रीत फाउंडेशन की संस्थापक एडवोकेट रितु कपूर ने भी अपनी संस्था की ओर से यहां प्रस्तुति दी। नियोफ्यूजन डॉ. अनुभूति के नेतृत्व में वंचित वर्ग के किशोरों के साथ शिक्षा और कला के माध्यम से परिवर्तन लाने का काम करता है। नाटक का निर्देशन पंकज गुप्ता और कोरियोग्राफी अविनाश कुमार ने की। नियोफ्यूजन की विजुअल आर्ट मेंटर सुदीपा के मार्गदर्शन में बच्चों ने सुंदर पेंटिंग इंस्टॉलेशन भी प्रस्तुत किया, जिसने दर्शकों का भरपूर ध्यान आकर्षित किया।

भगवद गीता जीवन को सही दिशा देने वाला अनमोल मार्गदर्शन: राव नरबीर सिंह

गुरुग्राम। गीता जयंती महोत्सव के दूसरे दिन कार्यक्रम की शुरुआत शंखनाद एवं हवन के साथ की गई। हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह द्वारा गीता जयंती महोत्सव में मुख्य अतिथि रहे। सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग व जिला प्रशासन गुरुग्राम की संयुक्त भागीदारी के साथ आयोजित किए जा रहे गीता जयंती महोत्सव में सांस्कृतिक मंच का शुभारंभ गीता के श्लोक व मंत्रोच्चारण के साथ किया। इस दौरान उन्होंने भव्य शोभा यात्रा को भी झंडी दिखाकर रवाना किया। गीता महोत्सव के नोडल अधिकारी एवं जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुमित कुमार तथा डीआईपीआरओ बिजेंद्र कुमार ने मुख्य अतिथि राव नरबीर सिंह व विशिष्ट अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष सर्वप्रिय त्यागी का स्वागत किया। मुख्यातिथि ने गीता जयंती महोत्सव में लगाई गई स्टाल का अवलोकन करते हुए स्टाल संचालकों से उनकी स्टाल के बारे में जानकारी प्राप्त की। उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने गीता महोत्सव के अवसर पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवत गीता केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि जीवन को सही दिशा देने वाला मार्गदर्शन है।

नायब सरकार के दूसरे कार्यकाल से जनता खुश : कुलदीप बिश्नोई

हिसार। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व सांसद कुलदीप बिश्नोई ने कहा है कि मुख्यमंत्री नायब सैनी के दूसरे कार्यकाल का एक वर्ष से ज्यादा समय हो गया है। उनके कार्यकाल में विकास, पारदर्शिता और सुशासन से हर वर्ग संतुष्ट है। बिना किसी भेदभाव के हर वर्ग का समुचित और चहुंमुखी विकास हो रहा है, वहीं हर वर्ग के उत्थान की दिशा में सरकारी योजनाएं लागू की जा रही हैं। कुलदीप बिश्नोई आदमपुर मार्केट कमेटी के नवनियुक्त चेयरमैन ठाकर दत्त एवं उपाध्यक्ष ऋतु गर्ग के पद ग्रहण समारोह में पहुंचे थे। उन्होंने उन्हें बधाई दी और एकजुटता से आदमपुर के विकास की कड़ी को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। इसके अलावा कुलदीप बिश्नोई ने क्षेत्रवासियों के सुख दुख में शिरकत की और कई सामाजिक कार्यक्रमों में भाग लिया। उन्होंने कहा कि क्षेत्रवासियों द्वारा दिए अपार आशीर्वाद, मान सम्मान के लिए सदैव ऋणी रहूंगा। इस मौके पर पूर्व संसदीय सचिव दुड़ा राम, विधायक रणधीर पनिहार भी उपस्थित थे। इस दौरान उन्होंने हिसार एवं आदमपुर में विभिन्न कार्यक्रमों में शिरकत की और लोगों से बातचीत की। उन्होंने आदमपुर में चल रहे विकास कार्यों बारे ग्रामीणों से चर्चा की।

गीता महोत्सव नई पीढ़ी को अपने गौरवशाली ज्ञान परंपरा से जोड़ता है : अमरपाल राणा

जींद। हरियाणा कोऑपरेटिव बैंक के चेयरमैन अमरपाल राणा ने कहा कि भगवत गीता मानव जीवन के लिए वह महान ग्रंथ है, जो हर परिस्थिति में सही दिशा दिखाता है। जयंती माता की पावन धरा पर गीता जयंती महोत्सव जैसे आयोजन समाज को संस्कृति, अध्यात्म और नैतिक मूल्यों से जोड़ने का माध्यम बनते हैं। ऐसे कार्यक्रम नवपीढ़ी को अपनी जड़ों और अपने गौरवशाली ज्ञान परंपरा से परिचित कराते हैं। हरियाणा कोऑपरेटिव बैंक के चेयरमैन अमरपाल राणा गीता जयंती महोत्सव के दूसरे दिन प्रातःकालीन सत्र के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने प्रदर्शनी का अवलोकन किया और हवन में आहुति डाल विश्व कल्याण की कामना की। उन्होंने कहा कि जयंती माता जींद की पावन धरा पर संस्कृति, अध्यात्म और कला का अद्भुत संगम देखने को मिला, आधुनिक दौर की तेज रफ्तार जिंदगी में गीता के मार्गदर्शन की प्रासंगिकता को केंद्र में रखते हुए आयोजित यह महोत्सव न केवल आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत रहा बल्कि जींद की सांस्कृतिक समृद्धि का भी भव्य प्रदर्शन बनकर उभरा है। प्रदर्शनी से लेकर मंचीय प्रस्तुतियों तक हर आयाम में अध्यात्म, परंपरा और नवाचार का सुंदर मेल दिखाई दिया। इसलिए युवा पीढ़ी को नशे से दूर रहकर पढ़ाई, खेलकूद और समाज सेवा में आगे आना चाहिए।

भारत औपनिवेशिक 'मैकॉले मानसिकता' से मुक्त होकर वैश्विक नेतृत्व की ओर बढ़ रहा है : उपराष्ट्रपति

ज्योति दर्पण

कुरुक्षेत्र। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि भारत अब औपनिवेशिक 'मैकॉले मानसिकता' को त्यागकर अपनी संस्कृति, परंपरा और मूल्यों पर आधारित शिक्षा व्यवस्था के साथ वैश्विक नेतृत्व की ओर तेजी से बढ़ रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 ने देश को इस परिवर्तनशील यात्रा पर नई दिशा दी है। उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) कुरुक्षेत्र के 20वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि कुरुक्षेत्र की पवित्र भूमि यह संदेश देती है कि धर्म सदैव अधर्म पर विजय प्राप्त करता है। उन्होंने कहा कि दीक्षांत केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि वर्षों की साधना का परिणाम और नये दायित्वों की शुरुआत है। उन्होंने कृत्रिम बुद्धिमत्ता, नवीकरणीय ऊर्जा, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, जैव-प्रौद्योगिकी, साइबर सुरक्षा और सेमीकंडक्टर जैसे क्षेत्रों में हो रहे वैश्विक परिवर्तन का उल्लेख करते हुए कहा कि तकनीक का वास्तविक उद्देश्य 'उद्देश्यपूर्णप्रगति' होना चाहिए। उन्होंने डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया और मेक इन इंडिया जैसी पहलों को भारत की मजबूत उद्यमिता संस्कृति का आधार बताते हुए कहा कि अगला गूगल, अगला टेस्ला और अगला स्पेस एक्स भारत से ही निकलना चाहिए। ऐसे संस्थान एनआईटी कुरुक्षेत्र से यह सम्भव है।

उन्होंने कहा कि शिक्षा नीति मैकॉले द्वारा थोपी गई औपनिवेशिक शिक्षा व्यवस्था से देश को मुक्त करती है, जिसका उद्देश्य केवल क्लर्क तैयार करना था। उपराष्ट्रपति ने संस्थान में स्थापित 'समग्र व्यक्तित्व विकास केंद्र' की सराहना की, जो भगवद्गीता, सार्वभौमिक मानव मूल्य, संज्ञान विज्ञान और मानसिक स्वास्थ्य पर आधारित समग्र विकास को प्रोत्साहित करता है। उन्होंने कहा कि एनआईटी कुरुक्षेत्र 64 पेटेंट प्राप्त कर चुका है और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित युद्ध तकनीक, रक्षा अनुसंधान तथा इसरो के चंद्रयान और मंगलयान अभियानों में उल्लेखनीय योगदान दे रहा है। कार्यक्रम में हरियाणा के राज्यपाल आशीम कुमार घोष, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, निदेशक बीवी रमण रेड्डी, बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की अध्यक्ष तेजस्विनी अनंता कुमार सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

आठ माह से बंद हैं 2808 स्कूलों के एमआईएस पोर्टल

एजेंसी

चंडीगढ़। आरटीई की सीटों का ब्यौरा नहीं दिखाने पर शिक्षा विभाग ने आठ महीनों से 2808 प्राइवेट स्कूलों के एमआईएस पोर्टल बंद कर रखे हैं, जिसके चलते बच्चों के ऑनलाइन दाखिले नहीं हो पा रहे हैं। स्कूल संचालकों का दावा है कि इनमें से अधिकतर स्कूलों ने आरटीई की सीटें दिखाने के बाद जानकारी के अभाव में फाइनल सब्मिट नहीं कर पाए तो विभाग ने इसकी कोई सूचना संबंधित स्कूल के टाइम रहते नहीं दी और मंथली फीस के आधार पर तीस हजार से लेकर एक लाख रुपये तक का जुर्माना भरने का नोटिस स्कूल को दे दिया। प्राइवेट स्कूल संघ ने आठ महीनों से बंद पड़े 2808 स्कूलों के एमआईएस पोर्टल खोलने समेत सात सूत्रीय मुख्य मांगों का एक पत्र मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को लिखकर इनका समाधान करने की मांग की है।

संघ के प्रदेश अध्यक्ष सत्यवान कुंडू ने मुख्यमंत्री को लिखे गए पत्र में कहा है कि डॉक्यूमेंट ऑनलाइन करते समय स्कूल से गलती होने पर जुर्माना लगाने की बजाय पहले स्कूल को मेल या फोन के माध्यम से सूचित किया जाए और 2808 स्कूलों का पोर्टल बिना जुर्माना लिए खोला जाए क्योंकि इनको आरटीई की सीट फाइनल सब्मिट न होने की कोई सूचना विभाग द्वारा नहीं दी गई।

उन्होंने चिराग योजना, आरटीई व 134 ए का पैसा स्कूलों को टाइम पर दिलवाने की मांग करते हुए कहा कि प्रदेश के सभी गैर मान्यता विद्यालयों को शिक्षा का अधिकार कानून 2011 के अपेंडिक्स फर्स्ट (वन रूम वन क्लास) के अनुसार मान्यता तथा 10 अप्रैल 2007 से पहले स्थापित सभी अस्थाई व परमिशन प्राप्त स्कूलों को बीजेपी के 2014 विधानसभा चुनाव के घोषणा पत्र के अनुसार एकमुश्त स्थाई मान्यता प्रदान की जाए।

वोकल फार लोकल है देश की मजबूती का आधार: अरविंद शर्मा

एजेंसी

सोनीपत। सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत और पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश को समृद्ध और विकसित श्रेणी में ले जाने के लिए स्वदेशी अभियान को नई दिशा दी है। प्रधानमंत्री के वोकल फार लोकल और मेक इन इंडिया अभियानों से देश की आर्थिक मजबूती बढ़ रही है, इसलिए प्रत्येक नागरिक को स्थानीय उत्पादों को अपनाना चाहिए। सेक्टर-7 स्थित अपने आवास पर मन की बात के 128वें संस्करण को सुनने के बाद मंत्री ने कहा कि यह कार्यक्रम केवल संवाद का माध्यम नहीं, भारतीय यात्रा पैकेज बल्कि पूरे देश में उत्कृष्ट कार्य कर रहे लोगों की प्रेरक कहानियों को जन-जन तक पहुंचाने का साधन बन गया है। उन्होंने कहा कि यदि हम स्वदेशी को जीवनचर्या में शामिल करें तो स्थानीय व्यापारी और आम नागरिक दोनों सशक्त होंगे। उन्होंने यह भी कहा कि देश कृषि, सुरक्षा और खेल जैसे क्षेत्रों में तेजी से प्रगति कर रहा है, जिसका उल्लेख प्रधानमंत्री पहले भी कर चुके हैं।

सोनीपत में विधायक निखिल मदान ने भी कार्यकर्ताओं और नागरिकों के साथ मन की बात कार्यक्रम सुना। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भारतीय सनातन परम्पराओं और संस्कृति को वैश्विक स्तर पर पहचान दिला रहे हैं। विधायक ने देव नगर स्थित बूथ नंबर 161 पर कार्यक्रम सुनते हुए बताया कि प्रधानमंत्री ने इस संस्करण में वोकल फार लोकल की आवश्यकता पर विशेष रूप से जोर दिया। कार्यक्रम के बाद विधायक निखिल मदान ने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे प्रधानमंत्री के संदेशों को लोगों तक पहुंचाएं और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री ने महिला कबड्डी और महिला क्रिकेट टीम को विश्व कप प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामनाएँ भी दीं। इस अवसर पर निगम पार्षद सुरेंद्र मदान, वीएचपी अध्यक्ष पवन गर्ग, नरेश वर्मा, मनोनीत पार्षद चरण सिंह जोगी, किरण बाला, सुमित गहलावत, जसबीर छिक्कारा, रामजी रोहिल्ला, सुमित वर्मा,महावीर मनचंदा, कुलदीप वत्स आदि लोग मौजूद रहे।

गुरुग्राम पुलिस ने ब्लैक फिल्म वाली गाड़ियों के 11.63 करोड़ के काटे चालान

एजेंसी

गुरुग्राम। साल 2025 में एक जनवरी से 29 नवंबर तक गुरुग्राम की यातायात पुलिस ने ब्लैक फिल्म लगी गाड़ियों पर भी सख्ती दिखाई। यातायात के नियमों के विरुद्ध गाड़ियों पर ब्लैक फिल्म लगी होने पर पुलिस ने 11 महीने में 11.63 करोड़ रुपये के चालान काटे। गुरुग्राम पुलिस द्वारा जारी किए गए इन आंकड़ों से पता चलता है कि इस साल पुलिस यातायात के नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कितनी सख्त रही। एक जनवरी 2025 से 29 नवंबर 2025 तक यातायात पुलिस ने 11630 ब्लैक फिल्म लगी गाड़ियों के चालान किए। इन चालानों की जुर्माना राशि 11 करोड़ 63 लाख रुपये बनी है। पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार के मुताबिक यातायात पुलिस का मकसद गुरुग्राम की सड़कों को सुरक्षित बनाकर होने वाले सड़क हादसो को रोकना है। कुछ दुपहिया वाहन चालक अपनी मोटरसाइकिलों को बिना नम्बर प्लेट के चलाते हैं

और ट्रिपल राइडिंग भी करते हैं। इसके अलावा कुछ वाहन चालक अपने वाहनों में ब्लैक फिल्म का इस्तेमाल करते हैं जो किसी भी अपराध को आसानी से अंजाम दे सकते हैं। ऐसे में गुरुग्राम पुलिस आमजन से अपील करती है कि दोपहिया वाहन पर केवल दो ही लोग सफर करें। हेलमेट का प्रयोग अवश्य करें, गलत/विपरीत दिशा में वाहन न चलाएं। वाहन चलाते समय किसी भी प्रकार का नशा ना करें। वाहन चलाते समय मोबाइल का प्रयोग न करें। वाहनों के अंदर ब्लैक फिल्म का इस्तेमाल न करें, ट्रिपल राइडिंग न करें व सभी यातायात नियमों का पालन करें।

शोध और नवाचार का मज़बूत स्तंभ बनेगा एनआईटी कुरूक्षेत्र : असीम घोष

सरकार शिक्षा सुधार, डिजिटल गवर्नेंस और ग्रामीण विकास हेतु प्रतिबद्ध

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के राज्यपाल प्रो.असीम कुमार घोष ने कहा कि एनआईटी कुरुक्षेत्र भारत के रिसर्च और इनोवेशन इकोसिस्टम में एक महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में तेजी से उभर रहा है, आने वाले समय में गौरव और उपलब्धियों की नई ऊँचाइयों को प्राप्त करेगा।

राज्यपाल एनआईटी कुरुक्षेत्र के 20वें दीक्षांत समारोह में युवा स्नातकों और मेडल प्राप्तकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। इस समारोह में भारत के उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन मुख्य अतिथि के रूप में और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। राज्यपाल ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में एनआईटी कुरुक्षेत्र ने शैक्षणिक क्षेत्र में उल्लेखनीय रूपांतरण किया है। यह संस्थान अब 15 स्नातक कार्यक्रम तथा 28 स्नातकोत्तर कार्यक्रम प्रदान करता है, जिनमें 17 एम.टेक, चार एम.एससी, एमबीए, एमसीए तथा इंटीग्रेटेड बी.टेक-एम.टेक सहित अन्य कार्यक्रम शामिल हैं।

इस अवसर पर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि बदलते दौर में चुनौतियों का सरल व प्रभावी समाधान केवल नवाचार से संभव है। उन्होंने डिग्री धारक और पदक लेने वाले युवाओं से आह्वान किया कि वे अपने ज्ञान और कौशल का उपयोग समाज की समस्याओं को सरल बनाने में करें।

मुख्यमंत्री ने धर्मक्षेत्र कुरुक्षेत्र के ऐतिहासिक महत्व का उल्लेख करते हुए कहा कि यह वही भूमि है जहां 5,163 वर्ष पहले महाभारत का युद्ध हुआ था और जहां विज्ञान व तकनीक का सर्वोच्च स्तर देखने को मिला।

एचपीएससी ने कॉलेज कैडर असिस्टेंट प्रोफेसर के लिए जारी किया परिणाम

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा पब्लिक सर्विस कमीशन ने हरियाणा कॉलेज कैडर असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती के लिए सब्जेक्ट नॉलेज टेस्ट परिणाम जारी कर दिया है। असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती के पॉलिटिकल साइंस विषय के 173 कैंडिडेट को आयोग ने इंटरव्यू के लिए योग्य माना है। हरियाणा लोक सेवा आयोग ने मई 2024 में कॉलेज कैडर के असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती में पॉलिटिकल साइंस विषय के 81 पदों पर भर्ती प्रक्रिया शुरू की। भर्ती के लिए 19 मई को अधिसूचना जारी की गई। भर्ती प्रक्रिया में 40 पद जनरल, 8 पद ओएससी, 7 पद डीएससी, 14 बीसीए, 5 बीसीबी व 7 पद ईडब्ल्यूएस के लिए रिजर्व किए गए थे। जिसके लिए 20 जुलाई को सब्जेक्ट नॉलेज टेस्ट हुआ था। भर्ती परीक्षा के सब्जेक्ट नॉलेज टेस्ट में आयोग ने 173 अभ्यर्थियों को योग्य माना गया है। वहीं इनमें से 13 कैंडिडेट ऐसे हैं, जो रिजर्व से जनरल कैटेगरी में शामिल हुए हैं। भर्ती प्रक्रिया में 7 कैंडिडेट ऐसे हैं, जिन्हें उच्च न्यायालय के आदेश पर प्रोविजनल तौर पर शामिल गया है। उनका वे इंटरव्यू में भी योग्य पाए जाते हैं तो उनका फाइनल फैसला कोर्ट केस के बाद होगा। इंटरव्यू के लिए अब 173 कैंडिडेट को मौका मिलेगा। आयोग के द्वारा अभी इंटरव्यू के लिए नोटिफिकेशन जारी नहीं किया गया है। लेकिन माना जा रहा है कि दिसंबर 2025 में असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती के पॉलिटिकल साइंस विषय के इंटरव्यू होंगे।

गीता के सिद्धांतों को आत्मसात करके समाज और राष्ट्र प्रगति की नई ऊंचाइयों को छू सकता है: कृष्ण लाल पंवार

एजेंसी

पानीपत। पानीपत का आर्य महाविद्यालय प्रांगण श्रद्धा, संस्कृति और अध्यात्म के विराट संगम का साक्षी बना, जब जिला स्तरीय गीता जयंती महोत्सव के तीसरे दिन शहरवासियों और स्कूली बच्चों का भारी जनसमूह उमड़ पड़ा। जिला सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा आयोजित इस भव्य उत्सव ने पानीपत को आध्यात्मिक ऊर्जा से ओत-प्रोत कर दिया। बांसुरी, नगाड़ों और भक्ति संगीत की गूंज ने पूरे परिसर को आध्यात्मिक उल्लास से भर दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पंचायत एवं खनन मंत्री कृष्ण लाल पंवार का उपायुक्त डॉ. विरेंदर कुमार दहिया ने स्वागत किया।

मंच पर कैबिनेट मंत्री मनोहर लाल के प्रतिनिधि गजेन्द्र सलूजा, संत-महात्मा, अधिकारी तथा बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। इस अवसर कैबिनेट मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि गीता का संदेश किसी युग, समय या परिस्थिति का मोहताज नहीं है। यह वह प्रकाश स्तंभ है जो मानवता को अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाता है। कुरुक्षेत्र की पवित्र भूमि पर अर्जुन को दिया गया उपदेश कालजयी है और आज की पीढ़ी यदि गीता के सिद्धांतों को आत्मसात कर ले, तो समाज और राष्ट्र प्रगति की नई ऊंचाइयों को छू सकते हैं। उनके ये शब्द उपस्थित

जनसमूह में नई ऊर्जा और प्रेरणा का संचार कर गए। उन्होंने कहा कि गीता उपदेशों को 5 हजार वर्ष पूर्ण हो चुके हैं। अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव, जो 2016 में आरंभ हुआ था, आज अपने 10 वें वर्ष में प्रवेश कर चुका है। 15 नवंबर से 5 दिसंबर तक 21 दिवसीय भव्य आयोजन जारी है। मॉरीशस, लंदन, कनाडा, यूके, श्रीलंका, ऑस्ट्रेलिया, इंडोनेशिया सहित कई देशों में गीता महोत्सव आयोजित किए जा चुके हैं। इस वर्ष 25 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कुरुक्षेत्र में आयोजित समारोह में भाग लेकर कार्यक्रम को विशिष्टता प्रदान की। उपायुक्त डॉ. विरेंदर दहिया ने कहा कि गीता केवल धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि जीवन प्रबंधन का अद्भुत मार्गदर्शक है। निष्काम भाव से कर्म करना, कर्तव्य को सर्वोपरि रखना और निर्णयों में संतुलन बनाए रखना ही सच्चा कर्मयोग है।

छत्रपति सम्मान की प्राप्ति व्यक्ति के जिंदा होने का एहसास: डॉ. साहिब सिंह

एजेंसी

सिरसा। पत्रकार छत्रपति की स्मृति में सिरसा के पंचायत भवन में साहित्यिक संस्था संवाद की ओर से छत्रपति सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें प्रख्यात पंजाबी लोक-रंगकर्मी डॉ. साहिब सिंह को छत्रपति सम्मान-2025 से नवाजा गया। इस मौके पर डॉ. साहिब सिंह ने कहा कि पत्रकार छत्रपति के नाम पर मिले सम्मान से वे भावविभोर ही नहीं बल्कि अपनी सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति और प्रतिबद्धता के लिए प्रेरित हुए हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान परिवेश में छत्रपति सम्मान की प्राप्ति व्यक्ति में जिंदा होने का एहसास उत्पन्न करती है। डॉ. साहिब सिंह ने कहा कि वे लोगों में जाकर उनकी भाषा में नाटक करते हैं। यह सम्मान मिलने से उनकी जिम्मेदारी और बढ़ गई है तथा वे ताउम्र लोगों के लिए नाटक करते रहेंगे। मुख्य वक्ता के तौर पर नायकों की तलाश में भटकता वर्तमान विषय पर डॉ. कुलदीप सिंह ने कहा कि वर्तमान दौर में नायक को पैदा करने के लिए समाज में बहुत बड़े संकट का नैरेटिव बनाया जाता है फिर समाज लगता है कि संकट सचमुच बहुत बड़ा है। उसके संकट को दूर करने के नाम पर किसी व्यक्ति को हीरो को पेश करके नायक बना दिया जाता है। फिर नायक को प्रचार द्वारा बहुत बड़ा बना दिया जाता है ताकि लोगों को लगे कि नायक का कोई विकल्प नहीं है। नायक पूजा के चलते जनता फिर नागरिक नहीं रह जाती बल्कि फॉलोअर या फैन बन जाती है तथा ऐसे समय में असहमति की आवाजों को पूरी तरह दबा दिया जाता है तथा जनता के जीवन से जुड़े मुद्दे हाशिए पर धकेल दिए जाते हैं।

रामचंद्र छत्रपति के व्यक्तित्व, कृतित्व एवं घटित इस पूरे प्रकरण से अवगत करवाते हुए अंशुल छत्रपति ने कहा कि छत्रपति आज भी जिंदा है तथा उनके विचार को आगे बढ़ाने के लिए ही यह कार्यक्रम किए जाते हैं तथा इन विचारों को समाज में लेकर जाने की जरूरत है। प्रो. हरभगवान चावला ने कहा कि यह नया भारत है और इस नए भारत में सारी पारंपरिक अवधारणाएं अर्थहीन हो रही हैं और डॉ. साहिब सिंह के नाटक इस नए भारत के सवालों के रूबरू करते हैं।

गीता का प्रकाश जीवन, कर्तव्य और चरित्र का शाश्वत मार्गदर्शक: बडौली

एजेंसी

सोनीपत। जिला स्तरीय गीता जयंती समारोह के दूसरे दिन धर्म, ज्ञान और जीवन मूल्यों पर केंद्रित सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार का शुभारंभ भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम में शिक्षाविदों, विद्वानों और आध्यात्मिक वक्ताओं ने गीता के महत्व पर सारगर्भित विचार प्रस्तुत किए। मोहनलाल बड़ौली ने कहा कि गीता का प्रकाश जीवन, कर्तव्य औरचरित्र का शाश्वत मार्गदर्शन करता है। गीता किसी एक वर्ग के लिए नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता के लिए पथप्रदर्शक है। खेती, व्यापार, शिक्षा, खेल या सामाजिक जीवन-हर क्षेत्र में यह मनुष्य को कर्तव्य, साहस, सत्य और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है। उन्होंने कहा कि गीता के कर्मयोग, भक्तियोग और ज्ञानयोग की शिक्षाएं आज के तनावपूर्ण समय में भी उतनी ही प्रासंगिक हैं। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि गीता को केवल धार्मिक ग्रंथ न मानकर जीवन प्रबंधन और नेतृत्व कौशल का आधार बनाएं। विधायक पवन खरखौदा ने कहा कि गीता भारत की सनातन संस्कृति और आध्यात्मिक मूल्यों की अमर धरोहर है। उन्होंने कहा कि यह ग्रंथ मनुष्य को

निराशा से आशा और भ्रम से स्पष्टता की ओर ले जाता है। श्रीकृष्ण का जीवन संदेश विज्ञान, पर्यावरण संरक्षण और आदर्श जीवन के सर्वोत्तम उदाहरण प्रस्तुत करता है। मुख्य वक्ता स्वामी 1008 दयानंद सरस्वति महाराज ने कहा कि गीता उत्सव का विषय मात्र नहीं, बल्कि जीवन को दिशा देने वाला प्रेरक ग्रंथ है। उन्होंने कहा कि इसे पढ़ने या सुनने के साथ-साथ व्यवहार में धारण करना आवश्यक है। ब्रह्मकुमारी बहन प्रमोद ने कहा कि गीता सभी क्षेत्रों में मार्गदर्शन का शाश्वत स्रोत है। यह त्वरित चमत्कार नहीं, बल्कि पुरुषार्थ, आत्मचिंतन और कर्मयोग पर आधारित जीवनपद्धति सिखाती है। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति साधना और संकल्प के साथ जीना चाहता है, वही गीता का सार समझ सकता है।

NAME CHANGE
I, Rajesh Kumar Tiwari S/o Uma Kant Tiwari, R/o H. No. - 6707, Ward no. 6, Sanjay Colony, Sector - 23, Near Shiv Mandir, Faridabad Sector - 22, PO: Faridabad, DIST: Faridabad, Haryana - 121005, Have changed my name and shall hereafter be known as Rattan Lal

गुरुग्राम: डिजिटल अरेस्ट के आरोप में गुजरात निवासी वीजा कंसलटेंट गिरफ्तार

एजेंसी

गुरुग्राम। डिजिटल अरेस्ट के एक मामले में गुजरात के रहने वाले वीजा कंसलटेंट को गुरुग्राम पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोप है कि उसने अपने भाई के माध्यम से साइबर ठगों को बैंक खाता उपलब्ध कराया था। उसी बैंक खाते के माध्यम से साइबर ठगों ने 39 लाख रुपये की साइबर ठगी की वारदात को अंजाम दिया। जानकारी के अनुसार चार दिसंबर 2024 को एक महिला ने पुलिस थाना साइबर अपराध पूर्व गुरुग्राम में एक लिखित शिकायत दी थी। शिकायत में कहा था कि उसके बेटे के पास एक व्हाट्सएप कर ऑडियो कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को पुलिस अधिकारी बताते हुए कहा कि उसके बेटे के आधार कार्ड का प्रयोग हवाला के काम में हुआ है। महिला ने ऐसा होने से इंकार किया तो फर्जी पुलिस अधिकारी ने एफआईआर दर्ज कराने का डर दिखाया। फिर उन्होंने एक सीबीआई अफसर से वीडियो कॉल करके उनको डिजिटल अरेस्ट करने की बात कही। उनके नाम हवाला के केस शामिल होने का डर दिखाते हुए उनसे अलग-अलग बैंक खातों में दो करोड़ 92 लाख रुपये ट्रांसफर करवा लिए। इस शिकायत पर पुलिस थाना साईबर अपराध पूर्व में केस दर्ज किया गया। सहायक पुलिस आयुक्त साइबर अपराध गुरुग्राम प्रियांशु दीवान के नेतृत्व में थाना साइबर अपराध पूर्व प्रबंधक की पुलिस टीम ने इस वारदात को अंजाम देने में शामिल एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान आशीषभाई रमनलाल राणा (उम्र-36 वर्ष) निवासी तापी, गुजरात के रूप में हुई है। आरोपी को न्यायालय से दो दिन के पुलिस हिरासत रिमांड पर लिया गया। आरोपी से प्रारंभिक पुलिस पूछताछ में पता चला है कि वह वर्ष-2021 से दुबई में वीजा कंसलटेंट के रूप में काम करता है। माह मई-2025 में यह दुबई से भारत आया था। आरोपी ने पुलिस पूछताछ में यह भी बताया कि इस केस में ठगी गई राशि दो करोड़ 92 लाख रुपये उसके अन्य साथी आरोपियों द्वारा अलग-अलग बैंक खातों में ट्रांसफर कराए गए थे। जिनमें से 39 लाख रुपये उसके (आरोपी आशीषभाई रमनलाल राणा) द्वारा उपलब्ध कराए गए बैंक खाते में ट्रांसफर हुए थे। यह बैंक खाता उसके भाई (मितेश भाई) ने उपलब्ध कराया था। इसने (आरोपी अशीषभाई रमनलाल राणा) वही बैंक खाता अपने आगे अपने साथी साइबर ठगों को उपलब्ध कराया था।

एसडब्ल्यूआरईएल को अदाणी ग्रीन एनर्जी से मिला 1,381 करोड़ का ठेका

नई दिल्ली स्टर्लिंग एंड विल्सन रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड (एसडब्ल्यूआरईएल) को गुजरात में अदाणी ग्रीन एनर्जी से करीब 1,381 करोड़ रुपये का ठेका मिला है। एसडब्ल्यूआरईएल ने सोमवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि उसने गुजरात के खावड़ा अक्षय ऊर्जा पार्क में आने वाली तीन सौर ऊर्जा परियोजनाओं के लिए अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) से करीब 1,381 करोड़ रुपये का बैलेंस ऑफ सिस्टम (बीओएस) ठेका हासिल किया है। खावड़ा अक्षय ऊर्जा पार्क दुनिया के सबसे बड़े नवीकरणीय ऊर्जा केंद्रों में से एक है। स्टर्लिंग एंड विल्सन रिन्यूएबल एनर्जी ग्रुप के एक प्रमुख अधिकारी (वैश्विक) ने कहा कि हमें अदाणी ग्रीन के साथ समझौते की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि यह साझेदारी तेजी से बढ़ते भारतीय सौर बाजार में हमारे ईपीसी नेतृत्व को मजबूत करती है।

मारुति सुजुकी ने एसएमजी के साथ विलय प्रक्रिया पूरी की

नई दिल्ली मारुति सुजुकी इंडिया ने सोमवार को कहा कि सुजुकी मोटर गुजरात के साथ विलय की योजना सोमवार से प्रभावी हो गई है। मोटर वाहन विनिर्माता कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि योजना की प्रभावशीलता के परिणामस्वरूप कंपनी की अधिकृत शेयर पूंजी में 15,000 करोड़ रुपये की वृद्धि हुई है। कंपनी ने कहा कि हम सूचित करना चाहते हैं कि कंपनी ने राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण द्वारा जारी आदेश की प्रमाणित प्रति दाखिल कर दी है। इसमें पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी सुजुकी मोटर गुजरात (एसएमजी) के मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) में विलय की योजना को मंजूरी दी गई है और तदनुसार यह योजना एक दिसंबर 2025 से प्रभावी हो गई है। योजना के तहत नियत तिथि एक अप्रैल 2025 है और इस प्रकार एसएमजी का एमएसआई में विलय पूरा हो गया है।

महिंद्रा की वाहन बिक्री नवंबर में 19 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली वाहन विनिर्माता कंपनी महिंद्रा एंड महिंद्रा की नवंबर में कुल बिक्री सालाना आधार पर 19 प्रतिशत बढ़कर 92,670 इकाई हो गई। महिंद्रा एंड महिंद्रा (एमएंडएम) ने सोमवार को बयान में कहा कि यात्री वाहन खंड में कंपनी ने घरेलू बाजार में 56,336 वाहन बेचे, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के 46,222 वाहनों की तुलना में 22 प्रतिशत अधिक है। वाणिज्यिक वाहनों की घरेलू बिक्री सालाना आधार पर 17 प्रतिशत बढ़कर 24,843 इकाई हो गई। महिंद्रा एंड महिंद्रा के कृषि उपकरण व्यवसाय ने पिछले महीने घरेलू बाजार में 42,273 ट्रैक्टर बेचे। यह नवंबर 2024 के 31,746 ट्रैक्टर से 33 प्रतिशत अधिक है।कुल ट्रैक्टर बिक्री नवंबर में 44,048 इकाई रही जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह 33,378 इकाई थी। इस महीने ट्रैक्टर निर्यात 1,775 इकाई रहा जबकि नवंबर 2024 में यह 1,632 इकाई था।

दिसंबर में निवेशकों की उम्मीदें बढ़ीं

नई दिल्ली दिसंबर को लेकर निवेशकों में उत्साह बढ़ा है। विशेषज्ञों के अनुसार हर साल दिसंबर के अंतिम पांच दिन और नए साल के पहले दो दिन बाजार में तेजी आती है, जिसे सेंटा रेली कहा जाता है। निवेशक दिसंबर में अगले साल की योजना बनाते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि इस बार माहौल पहले से बेहतर नजर आ रहा है और 2026 शेयर बाजार के लिए सकारात्मक रह सकता है। बाजार के जानकारों के अनुसार, इस समय लार्ज कैप शेयर सुरक्षित और स्थिर मुनाफा देने वाले विकल्प हैं। मिड और स्मॉल कैप शेयरों में निवेश सोच-समझकर और सीमित मात्रा में करना बेहतर है। उनका कहना है कि पिछले महीनों में मिड और स्मॉल कैप शेयरों की कीमतें गिर गई हैं और ये अब सस्ते व आकर्षक नजर आते हैं। छोटे शेयरों में 5-10 फीसदी गिरावट या कुछ महीनों की सुस्ती आ सकती है, लेकिन लंबी अवधि में बढ़त की संभावना मजबूत है।

आरबीआई की मौद्रिक नीति बैठक में रेपो दर यथावत रहने की संभावना

आरबीआई की एमपीसी की बैठक 3 से 5 दिसंबर तक

नई दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) 3 से 5 दिसंबर को बैठक कर रही है। विशेषज्ञों के अनुसार इस बैठक में रेपो दर में बदलाव की संभावना कम है। मौद्रिक नीति का रुख तटस्थ लेकिन नरम रहने की उम्मीद है। जून में 50 आधार अंक की कटौती के बाद दो बैठकों में दर में कोई बदलाव नहीं किया गया है। चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में जीडीपी के मजबूत आंकड़े दर यथावत रखने का कारण बन सकते हैं। भारतीय स्टेट बैंक के मुख्य आर्थिक सलाहकार सौम्य कांति घोष ने कहा कि दर में कोई कटौती अब संभव नहीं दिख रही है। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक की एक अर्थशास्त्री ने भी कहा कि मौजूदा स्थिति बनाए रखना उचित है, क्योंकि ढील देने की गुंजाइश कम है। विशेषज्ञों का मानना है कि आरबीआई को दर कम करने के बजाय बैंकिंग तंत्र में तरलता बढ़ाने पर ध्यान देना चाहिए। ओपन मार्केट ऑपरेशन के माध्यम से बैंकिंग प्रणाली को चौथी तिमाही में संभावित तरलता समर्थन मिल सकता है। ऋण-जमा अनुपात ऐतिहासिक रूप से उच्च स्तर के करीब है, इसलिए बैंकिंग प्रणाली को पर्याप्त नकदी उपलब्ध कराना जरूरी है।

बजाज ऑटो की घरेलू दोपहिया वाहन बिक्री एक फीसदी घटी

नई दिल्ली बजाज ऑटो की नवंबर में घरेलू दोपहिया वाहनों की बिक्री सालाना आधार पर एक प्रतिशत घटकर 2,02,510 इकाई रह गई। नवंबर 2024 में यह 2,03,611 इकाई थी। पुणे स्थित वाहन विनिर्माता कंपनी ने सोमवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि निर्यात सहित वाहनों की कुल थोक बिक्री नवंबर में सालाना आधार पर आठ प्रतिशत बढ़कर 4,53,273 इकाई हो गई। पिछले साल नवंबर में 4,21,640 वाहन बेचे गए थे। कुल घरेलू बिक्री (वाणिज्यिक वाहनों सहित) नवंबर में तीन प्रतिशत बढ़कर 2,47,516 इकाई हो गई जबकि पिछले साल इसी महीने में 2,40,854 वाहन बिके थे। कुल निर्यात नवंबर में सालाना आधार पर 1,80,786 वाहनों से 14 प्रतिशत बढ़कर 2,05,757 वाहन हो गया। नवंबर में निर्यात सहित कुल दोपहिया वाहनों की बिक्री सालाना आधार पर तीन प्रतिशत बढ़कर 3,79,714 इकाई हो गई।

गोदरेज प्रॉपर्टीज ने हैदराबाद में खरीदी पांच एकड़ जमीन

कंपनी 4,150 करोड़ की आवासीय परियोजना विकसित करेगी

नई दिल्ली रियल एस्टेट कंपनी गोदरेज प्रॉपर्टीज ने आवासीय परियोजना विकसित करने के लिए नीलामी प्रक्रिया के जरिये हैदराबाद में 4,150 करोड़ रुपये में पांच एकड़ जमीन खरीदी है। कंपनी ने सोमवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि उसने हैदराबाद मेट्रोपॉलिटन डेवलपमेंट अथॉरिटी (एचएमडीए) द्वारा कोकापेट के नियोपोलिस में लगभग पांच एकड़ भूमि के लिए आयोजित ई-नीलामी में हिस्सा लिया। एमएसटीसी लिमिटेड के ई-नीलामी मंच के अनुसार गोदरेज प्रॉपर्टीज सबसे ऊंची बोली लगाने वाली कंपनी के रूप में उभरी। प्राधिकरण निर्धारित प्रक्रिया का पालन करने के बाद आवंटन पत्र जारी करेगा। कंपनी ने कहा कि इस भूमि पर प्रीमियम आवासीय परियोजना विकसित की जाएगी जिसका बिक्री योग्य क्षेत्रफल लगभग 25 लाख वर्गफुट होगा। इससे करीब 4,150 करोड़ रुपये की राजस्व हासिल होने की संभावना है। गोदरेज प्रॉपर्टीज के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि हैदराबाद में मजबूत बुनियादी ढांचे के विकास और गुणवत्तापूर्ण आवास की निरंतर मांग के साथ मजबूत प्रदर्शन जारी है। हम रणनीतिक अधिग्रहण आदि के माध्यम से इस उच्च-संभावना वाले बाजार में अपनी उपस्थिति को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। गोदरेज प्रॉपर्टीज देश के अग्रणी रियल एस्टेट डेवलपर में से एक है। इसकी दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर), मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर), पुणे, बेंगलुरु और हैदराबाद में अच्छी उपस्थिति है।

भारतीय शेयर बाजार हल्की गिरावट के साथ बंद

मुंबई

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को हल्की गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन एशियाई बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के बाद भी बिकवाली हावी रहने से बाजार नीचे आया। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 64.77 अंक के नुकसान के साथ ही 85,641.90 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 27.20 अंक फिसलकर 26,175.75 पर था। आज के कारोबार में केवल वाहन और मेटल शेयर ही ऊपर आये।

आज निफ्टी ऑटो 0.79 फीसदी और निफ्टी मेटल 0.58 फीसदी बढ़कर बंद हुए। इसके अलावा, निफ्टी आईटी, निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी कमोडिटीज और निफ्टी पीएसई भी लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए। दूसरी ओर निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज, निफ्टी फार्मा, निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी रियल्टी, निफ्टी मीडिया, निफ्टी एनर्जी और निफ्टी इन्फ्रा नुकसान के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए।

लार्जकैप की तरफ ही मिडकैप का प्रदर्शन भी मिलाजुला रहा पर स्मॉलकैप शेयरों में खरीदारी रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 0.15 अंक की हल्की बढ़त के साथ ही 61,043 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 45.45 अंक की तेजी के साथ ही 17,874.70 पर बंद हुआ। सेंसेक्स पैक में टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स, मारुति सुजुकी, बीईएल, कोटक महिंद्रा बैंक, अदाणी पोर्ट्स, एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा, इटरनल (जोमैटो), एनटीपीसी, अल्ट्राटेक सीमेंट, टाटा स्टील और इन्फोसिस सबसे अधिक लाभ वाले शेयर रहे। वहीं बजाज फाइनेंस, सन फार्मा, ट्रेंट, एसबीआई, बजाज फिनसर्व, भारती एयरटेल, एमएंडएम, एचडीएफसी बैंक, टाइटन, एक्सिस बैंक और एचयूएल के शेयर नुकसान में रहे।

इससे पहले आज सुबह सेंसेक्स 86,065 के स्तर पर खुला और 294 अंकों की बढ़त के साथ 86,000 के आसपास कारोबार कर रहा था। इसी तरह, निफ्टी-50 26,325 पर खुला और शुरुआती 20 मिनटों के भीतर लगभग 90 अंकों की बढ़त के साथ 26,292.55 तक पहुंच गया। वैश्विक स्तर पर, एशियाई बाजारों में सोमवार को शुरुआत मिश्रित रही। अमेरिकी ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदों ने निवेशकों का आत्मविश्वास बढ़ाया, जबकि जापानी येन की मजबूती ने निक्की 225 पर दबाव बनाया, जो 1.68 फीसदी नीचे कारोबार कर रहा था। इसके विपरीत, हांगकांग का हैंग सेंग 0.56 फीसदी और चीन का शंघाई एसई 0.11 फीसदी की बढ़त में रहा। अमेरिकी बाजारों ने भी पिछले सप्ताह मजबूती दिखाई, जहां नैस्डैक, एस एंड पी 500 और डाउ जोन्स तीनों हरे निशान

क्रिप्टो बाजार फिसला, बिटकॉइन 88,000 डॉलर के नीचे

ईथर भी 6 फीसदी लुढ़ककर 2,900 डॉलर से नीचे आ गया

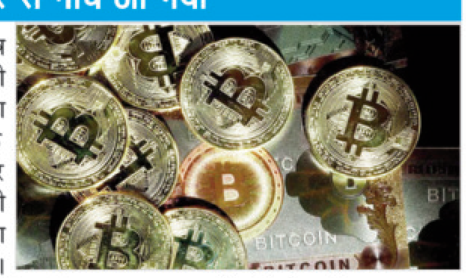

नई दिल्ली

दिसंबर की शुरुआत क्रिप्टोकरेंसी बाजार के लिए कमजोर रही है। 1 दिसंबर को एशियाई ट्रेडिंग सत्र के शुरुआती घंटों में प्रमुख क्रिप्टोकरेंसी में तेज गिरावट दर्ज की गई। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन लगभग 4.3 फीसदी गिरकर 88,000 डॉलर के नीचे पहुंच गया, जबकि ईथर भी 6 फीसदी लुढ़ककर 2,900 डॉलर से नीचे आ गया। कॉइन मार्केटकैप के आंकड़े दर्शाते हैं कि पिछले 24 घंटों की यह गिरावट पिछले 30 दिनों में 19.85 फीसदी की कमजोरी को और बढ़ा रही है। मार्केट में लीवरेज लिक्विडेशन तेज हुआ है और केवल एक दिन में करीब 16 मिलियन डॉलर के बिटकॉइन लॉन्ग पोजिशन लिक्विडेट हो गए।

विश्लेषकों के अनुसार, व्यापक आर्थिक चिंताओं और बैंक ऑफ जापान द्वारा संभावित ब्याज दर वृद्धि की आशंकाओं ने एशियाई बाजारों में दबाव बढ़ाया है। जापानी बॉन्ड यील्ड का 15 साल के उच्च स्तर पर पहुंचना भी बिकवाली का बड़ा कारण बना। गिरावट के दौरान बिटकॉइन 4.63 फीसदी टूटकर 86,440 डॉलर पर ट्रेड कर रहा था।

इसका मार्केट कैप 1.72 ट्रिलियन डॉलर तक सिमट गया, जबकि 24 घंटे का ट्रेडिंग वॉल्यूम 40 फीसदी से अधिक उछलकर 52.4 बिलियन डॉलर पर पहुंच गया। तकनीकी विश्लेषण में बिटकॉइन का 90,954 डॉलर का सपोर्ट लेवल टूटना गिरावट को और गहरा कर गया है।

सीआईआई ने बजट में रखी हरित वित्त और सर्कुलर इकोनॉमी सुधार की मांग

नई दिल्ली भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने सरकार से आगामी बजट में हरित परियोजनाओं के लिए प्रतिबद्ध वित्तीय संस्थान (जीएफआई) स्थापित करने की मांग की है। सीआईआई के अनुसार अगले 10-15 वर्षों में हरित परियोजनाओं के लिए लगभग 1 लाख करोड़ रुपए और 2070 तक 10 लाख करोड़ डॉलर का निवेश अंतर होगा। मौजूदा हरित वित्त केवल आवश्यकता का एक चौथाई पूरा कर पा रहा है। सीआईआई ने कहा कि यह संस्था मध्यस्थ के रूप में काम करेगी, जिसमें बहुपक्षीय बैंक, सॉवरिन फंड और परोपकारी संस्थाएं शामिल होंगी और कोई प्रत्यक्ष सरकारी व्यय नहीं होगा। इसे गिफ्ट सिटी में स्थापित करने की सिफारिश की गई है। यह रियायती वित्त, क्रेडिट गारंटी, इक्विटी समर्थन और छोटे हरित एसेट्स के प्रतिभूतिकरण जैसी सुविधाएं प्रदान करेगी। सीआईआई ने चेतावनी दी कि ईवी और नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्रों में खनिज आयात निर्भरता बढ़ रही है। बैटरी और इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए अनिवार्य रीसाइक्लिंग, शहरी खनन लक्ष्य और स्क्रैप निर्यात पर प्रमाणन लागू करने की सिफारिश की गई है।

दिसंबर की शुरुआत में राहत, कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर 10 रुपए सस्ता

घरेलू एलपीजी की कीमतों में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली

दिसंबर की शुरुआत देशभर के होटल, रेस्टोरेंट और छोटे-बड़े व्यापारिक प्रतिष्ठानों के लिए राहत लेकर आई है। कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में एक बार फिर कटौती की गई है, जिससे फूड बिज़नेस और सर्विस सेक्टर की लागत में कमी आने की उम्मीद है। सरकारी तेल विपणन कंपनियों ने 1 दिसंबर से 19 किलो के कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दाम में 10 रुपए की कमी लागू कर दी है। यह राहत ऐसे समय आई है जब नवंबर में भी प्रति सिलेंडर 5 रुपए सस्ते किए गए थे। यानी लगातार हो रही कटौतियों का लाभ सीधे-सीधे व्यापारिक उपभोक्ताओं को मिल रहा है। राजधानी दिल्ली में अब 19 किलो कमर्शियल सिलेंडर का नया दाम 1580.50 रुपए हो गया है, जो पहले 1590.50 रुपए था। हालांकि घरेलू रसोई गैस उपभोक्ताओं के लिए इस बार भी कोई बदलाव नहीं किया गया है। 14.2 किलो वाले घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत अप्रैल से स्थिर है और अभी दिल्ली में 853 रुपए पर बरकरार है। अन्य महानगरों में भी कमर्शियल गैस के ताज़ा रेट जारी किए गए हैं। कोलकाता में 1684 रुपए, मुंबई में 1531.50 रुपए और चेन्नई में 1739.50 रुपए में सिलेंडर उपलब्ध होगा। वहीं नोएडा में 1580.50 रुपए, पटना में 1829 रुपए, लखनऊ में 1703 रुपए, शिमला में 1688.50 रुपए, देहरादून में 1638 रुपए, गुरुग्राम में 1597 रुपए और रांची में 1733 रुपए में कमर्शियल सिलेंडर मिल रहा है।

अंतरराष्ट्रीय और घरेलू बाजार में सोना-चांदी के दाम नई ऊंचाई पर

सोना फिर 1.30 लाख के पार, चांदी में भी 1,78 लाख से ज्यादा तेजी

नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय और घरेलू दोनों बाजारों में सोमवार को सोना और चांदी के भावों में रिकॉर्डतोड़ तेजी देखने को मिली। निवेशकों की मजबूत खरीदारी और वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच दोनों धातुएं नए उच्च स्तरों को छू रही हैं। घरेलू बाजार में जहां सोने के दाम 1.30 लाख रुपये के ऊपर मजबूती से बने हुए हैं, वहीं चांदी के भाव 1.78 लाख रुपये के पार पहुंचकर नया इतिहास रच चुके हैं।

घरेलू मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) में सोने के फरवरी वायदा कॉन्ट्रैक्ट ने तेजी के साथ कारोबार की शुरुआत की। सोना 495 रुपये की बढ़त के साथ 1,29,999 रुपए प्रति 10 ग्राम पर खुला, जबकि इसका पिछला बंद भाव 1,29,504 रुपए था।

इस समय यह 1,30,383 रुपए से अधिक के स्तर पर पहुंच गया था, जिसमें कुल 879 रुपये की तेजी शामिल है। दिन के कारोबार के दौरान सोने ने 1,30,794 रुपए का उच्च और 1,29,999 रुपए का निचला स्तर छू लिया। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष सोना 1,31,699 रुपए के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच चुका है। चांदी के मार्च कॉन्ट्रैक्ट ने भी जोरदार तेजी के साथ शुरुआत की। एमसीएक्स पर यह 1,77,858 रुपए पर खुला, जो पिछले बंद 1,74,981 रुपए से 2,877 रुपये अधिक था। इस समय चांदी 1,78,187 रुपए के भाव पर कारोबार कर रही थी। दिन के दौरान इसने 1,78,250 रुपए का उच्च स्तर छुआ, जो इस साल का नया उच्चतम स्तर भी है, जबकि निचला स्तर 1,76,452 रुपए रहा।

नई जनरेशन डस्टर 26 जनवरी को होगी लॉन्च

नई दिल्ली

भारतीय बाजार में एसयूवी रेनॉल्ट डस्टर फिर वापसी करने जा रही है। कंपनी का कहना है कि नई जनरेशन डस्टर को 26 जनवरी 2026 को लॉन्च किया जाएगा। ताजा रिपोर्ट के अनुसार, लेटेस्ट स्पाई शॉट्स में इसे चारों ओर से साफ देखा गया है। ऐसा प्रतीत होता है कि यह टेस्ट ड्राइव के लिए सीधे चेन्नई प्लांट से निकली है। नई डस्टर को डिजाइन पहले से काफी अधिक मॉडर्न और एग्रेसिव दिखती है।

इसमें वाय शेप एलईडी डीआरएलएस, नए पॉलिगोनल हेडलैम्प्स, हेवी फ्रंट बंपर, बड़े अक्षरों में रेनॉल्ट ब्रैंडिंग, मजबूत बॉडी क्लैडिंग, स्टाइलिश रूफ रेल्स और सी-पिलर में हिडन रियर डोर हैंडल जैसे बदलाव शामिल हैं।

पिछला हिस्सा स्पोर्टी रियर स्पॉयलर, शार्क फिन एंटीना और वाय-शेप टेललैम्प्स के साथ और भी आकर्षक नजर आता है। इंटीरियर में इस बार बड़ा अपग्रेड देखने को मिलेगा। इसमें ट्रिपल स्क्रीन डैशबोर्ड लेआउट, 10.1-इंच टचस्क्रीन, 7-इंच डिजिटल क्लस्टर, वायरलेस कनेक्टिविटी, ड्युअल-जोन एसी, ओटीए अपडेट्स, अडास, 6-एयरबैग, रियर कैमरा, पार्किंग सेंसर और ईएसपी जैसी फीचर्स दिए जाने की संभावना है। इंटरनेशनल मॉडल ने यूरो एनकैप में 3-स्टार सेफ्टी रेटिंग हासिल की है। इंजन विकल्पों की बात करें तो शुरुआत में यह पेट्रोल इंजन में उपलब्ध होगी। हालांकि, बाद में कंपनी स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड और संभवतः सीएनजी वर्जन भी पेश कर सकती है। लॉन्च के बाद यह 4.2-4.4 मीटर एसयूवी सेगमेंट की लोकप्रिय गाड़ियों को प्रतिस्पर्धा देगी। उम्मीद है कि इस एसयूवी की शुरुआती कीमत 11 लाख रुपये से कम रखी जाएगी।

शेयर और म्युचुअल फंड में घरेलू निवेश दोगुना, बैंक जमा पिछड़ा

हर 100 रुपए बैंक जमा पर परिवारों ने 45.2 म्युचुअल फंड और शेयरों में निवेश किया

नई दिल्ली

भारतीय परिवारों द्वारा बैंक जमा के मुकाबले म्युचुअल फंड और शेयर बाजार में निवेश दोगुना हो गया है। आरबीआई के नवंबर बुलेटिन के आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2024-25 में बैंक जमा में निवेशित हर 100 रुपए पर लगभग 45.2 रुपए म्युचुअल फंड और शेयरों में लगाए गए। जबकि पिछले वित्त वर्ष यह अनुपात केवल 21.2 रुपए था। अक्टूबर 2025 तक म्युचुअल फंडों के प्रबंधित परिसंपत्तियों (एयूएम) का कुल आंकड़ा 79.9 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया। यह 241.7 लाख करोड़ रुपये की कुल बैंकिंग जमा राशि का लगभग 33 फीसदी है। मार्च 2025 तक यह हिस्सेदारी 29 फीसदी थी। विशेषज्ञों के अनुसार, कम बैंक ब्याज दरें, वित्तीय साक्षरता में वृद्धि और फिनटेक प्लेटफार्मों की वजह से निवेशकों ने इक्विटी और म्युचुअल फंड की ओर रुख किया है। पीएल कैपिटल के एक शोध निदेशक का कहना है कि बाजार में स्थिरता के बावजूद घरेलू निवेशक इक्विटी में निवेश जारी रखेंगे।

भारत का आर्थिक विकास - सहकारिता से समृद्धि की ओर

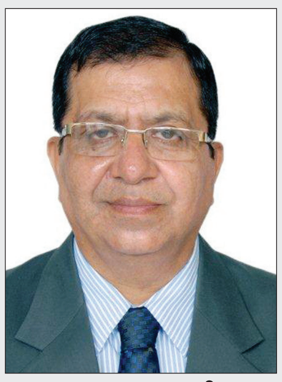

प्रहलाद सबनानी

सहकारिता वह संगठन है जिसके द्वारा दो या दो से अधिक व्यक्ति स्वेच्छापूर्ण मिलजुल कर समान स्तर पर आपसी आर्थिक हितों की वृद्धि करते हैं। इस प्रकार सहकारिता उस आर्थिक व्यवस्था को कहते हैं जिसमें मनुष्य किसी आर्थिक उद्देश्य की पूर्ति के लिए मिलजुल कर कार्य करते हैं। समृद्धि केवल धन-संपत्ति से कहीं अधिक है, यह तब होती है जब सभी लोगों को फलने-फूलने का अवसर और स्वतंत्रता प्राप्त होती है। समृद्धि एक समावेशी समाज पर आधारित होती है, जिसमें एक मजबूत सामाजिक अनुबंध होता है जो प्रत्येक व्यक्ति की मूलभूत स्वतंत्रता और सुरक्षा की रक्षा करता है।

भारत एक कृषि प्रधान देश रहा है और हिंदू सनातन संस्कृति के संस्कारों का अनुपालन करते हुए ग्रामीण इलाकों में निवास कर रहे नागरिक आपस में भाई-चारे के साथ मिलजुलकर रहते आए हैं। इस दृष्टि से देखा जाय तो सहकार की भावना हम भारतीयों के डीएनए में है। इसी विषय के दृष्टिगत एक बार पुनः आज भारत के प्रत्येक गांव को खुशहाल एवं समृद्ध बनाने की लिए समस्त गावों को सहकारिता से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। ह्लसहकार से समृद्धिह्व का नारा भी इसी उद्देश्य को ध्यान में रखकर दिया गया है। भारत में आज सहकारी समितियों की स्थापना को बढ़ावा दिया जा रहा है क्योंकि भारत में सहकारी समतियां, स्व-सहायता, स्व-जिम्मेदारी, लोकतंत्र, समानता, न्याय एवं एकजुटता जैसे भारतीय मूल्यों के आधार पर कार्य करती हुई दिखाई देती हैं। साथ ही, जिन 7 सिद्धांतों के आधार पर इन समितियों के कार्य करने की अपेक्षा रहती है, उससे इन समितियों के सफल होने की सम्भावना बढ़ जाती है। यह 7 सिद्धांत हैं - खुली और स्वैच्छिक सदस्यता; लोकतांत्रिक तरीके से सदस्यों की भागीदारी; सदस्यों की आर्थिक भागीदारी; स्वायत्तता और स्वतंत्रता; शिक्षा, प्रशिक्षण और सूचनाः कोआपरेटिव के बीच सहयोग; समुदाय के प्रति सरोकार।

सहकारिता वह संगठन है जिसके द्वारा दो या दो से अधिक व्यक्ति स्वेच्छापूर्ण मिलजुल कर समान स्तर पर आपसी आर्थिक हितों की वृद्धि करते हैं। इस प्रकार सहकारिता उस आर्थिक व्यवस्था को कहते हैं जिसमें मनुष्य किसी आर्थिक उद्देश्य की पूर्ति के लिए मिलजुल कर कार्य करते हैं। समृद्धि केवल धन-संपत्ति से कहीं अधिक है, यह तब होती है जब सभी लोगों को फलने-फूलने का अवसर और स्वतंत्रता प्राप्त होती है। समृद्धि एक समावेशी समाज पर आधारित होती है, जिसमें एक मजबूत सामाजिक अनुबंध होता है जो प्रत्येक व्यक्ति की मूलभूत स्वतंत्रता और सुरक्षा की रक्षा करता है। सहकारिता का मुख्य उद्देश्य सदस्यों के जीवन को बेहतर बनाना और सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा देना है। यह एक ऐसा संगठन है जो सदस्यों को सशक्त बनाता है और उन्हें अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिए एक साथ काम करने का अवसर प्रदान करता है।

भारत में आर्थिक विकास को गति देने के उद्देश्य से सहकारिता आंदोलन को सफल बनाना बहुत जरूरी है। वैसे तो हमारे देश में सहकारिता आंदोलन की शुरूआत वर्ष 1904 से हुई है एवं तब से आज तक सहकारी क्षेत्र में लाखों समितियों की स्थापना हुई है। कुछ अत्यधिक सफल रही हैं, जैसे अमूल डेयरी, परंतु इस प्रकार की सफलता की कहानियां बहुत कम ही रही हैं। कहा जाता है कि देश में सहकारिता आंदोलन को जिस तरह से सफल होना चाहिए था, वैसा हुआ नहीं है। बल्कि, भारत में सहकारिता आंदोलन में कई प्रकार की कमियां ही दिखाई दी हैं। देश की अर्थव्यवस्था को शीघ्र ही यदि 5 लाख करोड़ अमेरिकी डालर के आकार का बनाना है तो देश में सहकारिता आंदोलन को सफल बनाना ही होगा। इस दृष्टि से केंद्र सरकार द्वारा एक नए सहकारिता मंत्रालय का गठन भी किया गया है। विशेष रूप से गठित किए गए इस सहकारिता मंत्रालय से अब 'सहकार से समृद्धि' की परिकल्पना के साकार होने की उम्मीद भी की जा रही है।

भारत में सहकारिता आंदोलन का यदि सहकारिता की संरचना की दृष्टि से आंकलन किया जाय तो ध्यान में आता है कि देश में लगभग 8.5 लाख से अधिक सहकारी साख समितियां कार्यरत हैं। इन समितियों में कुल सदस्य संख्या लगभग 28 करोड़ है। हमारे देश में 55 किस्मों की सहकारी समितियां विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रही हैं। जैसे, देश में 1.5 लाख प्राथमिक दुग्ध सहकारी समितियां कार्यरत हैं। इसके अतिरिक्त 93,000 प्राथमिक कृषि सहकारी साख समितियां कार्यरत हैं। ये मुख्य रूप से ग्रामीण इलाकों में कार्य करती हैं। इन दोनों प्रकार की लगभग 2.5 लाख सहकारी समितियां ग्रामीण इलाकों को अपनी कर्मभूमि बनाकर इन इलाकों की 75 प्रतिशत जनसंख्या को अपने दायरे में लिए हुए है। उक्त के अलावा देश में सहकारी साख समितियां भी कार्यरत हैं और यह तीन प्रकार की हैं। एक तो वे जो अपनी सेवाएं शहरी इलाकों में प्रदान कर रही हैं। दूसरी वे हैं जो ग्रामीण इलाकों में तो अपनी सेवाएं प्रदान कर रही हैं, परंतु कृषि क्षेत्र में ऋण प्रदान नहीं करती हैं। तीसरी वे हैं जो उद्योगों में कार्यरत श्रमिकों एवं कर्मचारियों की वित्त सम्बंधी जरूरतों को पूरा करने का प्रयास करती हैं। इसी प्रकार देश में महिला सहकारी साख समितियां भी कार्यरत हैं। इनकी संख्या भी लगभग एक लाख है। मछली पालन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मछली सहकारी साख समितियां भी स्थापित की गई हैं, इनकी संख्या कुछ कम है। ये समितियां मुख्यतः देश में समुद्र के आसपास के इलाकों में स्थापित की गई हैं। देश में बुनकर सहकारी साख समितियां भी गठित की गई हैं, इनकी संख्या भी लगभग 35,000 है। इसके अतिरिक्त हाउसिंग सहकारी समितियां भी कार्यरत हैं। संचालन और कार्यों की प्रकृति के आधार पर मुख्यतः छह प्रकार की सहकारी समितियां होती हैं। इनमें उपभोक्ता सहकारी समितियां, उत्पादक सहकारी समितियां, विपणन सहकारी समितियां, कृषक सहकारी समितियां, ऋण सहकारी समितियां और सहकारी आवास समितियां शामिल हैं।

उक्त वर्णित विभिन क्षेत्रों में कार्यरत सहकारी समितियों के अतिरिक्त देश में सहकारी क्षेत्र में तीन प्रकार के बैंक भी कार्यरत हैं। एक, प्राथमिक शहरी सहकारी बैंक जिनकी संख्या 1550 है और ये देश के लगभग सभी जिलों में कार्यरत हैं। दूसरे, 300 जिला सहकारी बैंक कार्यरत हैं एवं तीसरे, प्रत्येक राज्य में एपेक्स सहकारी बैंक भी बनाए गए हैं। उक्त समस्त आंकडें वर्ष 2021-22 तक के हैं। 29 जून, 2022 को भारत सरकार द्वारा 63,000 क्रियाशील प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पीएसीएस) के कम्प्यूटरीकरण के लिए 2,516 करोड़ रुपये के कुल वित्तीय परिव्यय के साथ परियोजना को मंजूरी दी गई थी।

इस प्रकार यह कहा जा सकता है कि हमारे देश में सहकारी आंदोलन की जड़ें बहुत गहरी हैं। दुग्ध क्षेत्र में अमूल सहकारी समिति लगभग 70 वर्ष पूर्व प्रारम्भ हुई है, जिसे आज भी सहकारी क्षेत्र की सबसे बड़ी सफलता के रूप में गिना जाता है। सहकारी क्षेत्र में स्थापित की गई समितियों द्वारा रोजगार के करोड़ों नए अवसर निर्मित किए गए हैं। सहकारी क्षेत्र में एक विशेषता यह पाई जाती है कि इन समितियों में सामान्यतः निर्णय सभी सदस्यों द्वारा मिलकर लिए जाते हैं। सहकारी क्षेत्र देश के आर्थिक विकास में अपनी अहम भूमिका निभा सकता है। परंतु इस क्षेत्र में बहुत सारी चुनौतियां भी रही हैं। जैसे, सहकारी क्षेत्र के बैंकों की कार्य पद्धति पर हमेशा से ही आरोप लगते रहे हैं एवं कई तरह की धोखेबाजी की घटनाएं समय समय पर उजागर होती रही हैं। सहकारी क्षेत्र के बैंकों में पेशेवर प्रबंधन का अभाव रहा है एवं ये बैंक पूंजी बाजार से पूंजी जुटा पाने में भी सफल नहीं रहे हैं। अभी तक चूंकि सहकारी क्षेत्र के संस्थानों को नियंत्रित करने के लिए प्रभावी तंत्र का अभाव था एवं केंद्र सरकार द्वारा अब किए गए नए मंत्रालय के गठन के बाद सहकारी क्षेत्र के संस्थानों को नियंत्रित करने में कसावट आएगी एवं इन संस्थानों का प्रबंधन भी पेशेवर बन जाएगा जिसके चलते इन संस्थानों की कार्य प्रणाली में भी निश्चित ही सुधार होगा, ऐसी उम्मीद की जानी चाहिए।

भारत विश्व में सबसे अधिक दूध उत्पादन करने वाले देशों में शामिल हो गया है। अब हमें दूध के पावडर के आयात की जरूरत नहीं पड़ती है। परंतु दूध के उत्पादन के मामले में भारत के कुछ भाग ही, जैसे पश्चिमी भाग, सक्रिय भूमिका अदा कर रहे हैं। देश के उत्तरी भाग, मध्य भाग, उत्तर-पूर्व भाग में दुग्ध उत्पादन का कार्य संतोषजनक रूप से नहीं हो पा रहा है। जबकि ग्रामीण इलाकों में तो बहुत बड़ी जनसंख्या को डेयरी उद्योग से ही सबसे अधिक आय हो रही है। अतः देश के सभी भागों में डेयरी उद्योग को बढ़ावा दिए जाने की आवश्यकता है। केवल दुग्ध सहकारी समितियां स्थापित करने से इस क्षेत्र की समस्याओं का हल नहीं होगा। डेयरी उद्योग को अब पेशेवर बनाने का समय आ गया है। गाय एवं भैंस को चिकित्सा सुविधाएं एवं उनके लिए चारे की व्यवस्था करना, आदि समस्याओं का हल भी खोजा जाना चाहिए। साथ ही, ग्रामीण इलाकों में किसानों की आय को दुगुना करने के लिए सहकारी क्षेत्र में खाद्य प्रसंस्करण इकाईयों की स्थापना करनी होगी। इससे खाद्य सामग्री की बबार्दी को भी बचाया जा सकेगा। एक अनुमान के अनुसार देश में प्रति वर्ष लगभग 25 से 30 प्रतिशत फल एवं सब्जियों का उत्पादन उचित रख रखाव के अभाव में बर्बाद हो जाता है।

शहरी क्षेत्रों में गृह निर्माण सहकारी समितियों का गठन किया जाना भी अब समय की मांग बन गया है क्योंकि शहरी क्षेत्रों में मकानों के अभाव में बहुत बड़ी जनसंख्या झुग्गी झोपड़ियों में रहने को विवश है। अतः इन गृह निर्माण सहकारी समितियों द्वारा मकानों को बनाने के काम को गति दी जा सकती है। देश में आवश्यक वस्तुओं को उचित दामों पर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कंजूमर सहकारी समितियों का भी अभाव है। पहिले इस तरह के संस्थानों द्वारा देश में अच्छा कार्य किया गया है। इससे मुद्रा स्फीति की समस्या को भी हल किया जा सकता है।

देश में व्यापार एवं निर्माण कार्यों को आसान बनाने के उद्देश्य से ह्लईज आफ डूइंग बिजिनेसह्व के क्षेत्र में जो कार्य किया जा रहा है उसे सहकारी संस्थानों पर भी लागू किया जाना चाहिए ताकि इस क्षेत्र में भी काम करना आसान हो सके। सहकारी संस्थानों को पूंजी की कमी नहीं हो इस हेतु भी प्रयास किए जाने चाहिए। केवल ऋण के ऊपर अत्यधिक निर्भरता भी ठीक नहीं है। सहकारी क्षेत्र के संस्थान भी पूंजी बाजार से पूंजी जुटा सकें ऐसी व्यवस्था की जा सकती हैं। विभिन्न राज्यों के सहकारी क्षेत्र में लागू किए गए कानून बहुत पुराने हैं। अब, आज के समय के अनुसार इन कानूनों में परिवर्तन करने का समय आ गया है। सहकारी क्षेत्र में पेशेवर लोगों की भी कमी है, पेशेवर लोग इस क्षेत्र में टिकते ही नहीं हैं। डेयरी क्षेत्र इसका एक जीता जागता प्रमाण है। केंद्र सरकार द्वारा सहकारी क्षेत्र में नए मंत्रालय का गठन के बाद यह आशा की जानी चाहिए के सहकारी क्षेत्र में भी पेशेवर लोग आकर्षित होने लगेंगे और इस क्षेत्र को सफल बनाने में अपना भरपूर योगदान दे सकेंगे। साथ ही, किन्हीं समस्याओं एवं कारणों के चलते जो सहकारी समितियां निष्क्रिय होकर बंद होने के कगार पर पहुंच गई हैं, उन्हें अब पुनः चालू हालत में लाया जा सकेगा। अमूल की तर्ज पर अन्य क्षेत्रों में भी सहकारी समितियों द्वारा सफलता की कहानियां लिखी जाएंगी ऐसी आशा की जा रही है। ह्लसहकारिता से विकासह्व का मंत्र पूरे भारत में सफलता पूर्वक लागू होने से गरीब किसान और लघु व्यवसायी बड़ी संख्या में सशक्त हो जाएंगे।

संपादकीय

ट्रेड यूनियनों का संघर्ष

मौजूदा हालात में सरकारी नीतियों से प्रभावित किसी तबके लिए संघर्ष करना या अपनी मांगें मनवाना आसान नहीं रह गया है। इसलिए चार श्रम संहिताओं के खिलाफ ट्रेड यूनियनों का संघर्ष भी बहुत प्रभाव छोड़ पाएगा, इसकी संभावना कम है। संसद से पारित होने के बाद चार श्रम संहिताओं को लागू करने में सरकार को लगभग छह साल लगे, तो उसका यही संकेत है कि इनको लेकर संबंधित पक्षों के बीच कैसे टकराव की स्थिति रही है। सत्ता पक्ष की हालिया चुनावी सफलताओं के बाद संभवतः केंद्र ने महसूस किया है कि इन संहिताओं को लागू करने का यह अनुकूल मौका है। केंद्र का दावा है कि इन संहिताओं के जरिए पुराने पड़ गए श्रम कानूनों को आधुनिक और मौजूदा वैश्विक प्रतिमानों के अनुरूप बनाया गया है। दावा तो यह भी है कि इनमें श्रमिकों के कल्याण के नए और प्रभावी उपाय शामिल किए गए हैं। मगर दस ट्रेड यूनियनों के संयुक्त मंच की प्रतिक्रिया पर गौर करें, तो यह साफ होता है कि श्रम क्षेत्र के अनेक प्रमुख हितधारक ऐसे दावों से सहमत नहीं हैं। उनकी दलील है कि इन संहिताओं का मकसद मजदूरों एवं कर्मचारियों की सामूहिक सौदेबाजी की वैधानिक व्यवस्था को कमजोर करना है। इन संहिताओं के तहत ट्रेड यूनियन बनाना, उनकी सामूहिक शक्ति के जरिए अपनी मांगों को रखना या हड़ताल पर जाना बेहद कठिन हो जाएगा। यानी श्रमिक वर्ग पूरी तरह प्रबंधन और सरकार की सदाशयता पर निर्भर हो जाएगा। संयुक्त मंच ने याद दिलाया है कि इन संहिताओं के खिलाफ गुजरे वर्षों में उसने कई आंदोलन किए। मंच ने इसी गुरुवार को संयुक्त किसान मोर्चा के साथ मिल कर देश भर में विरोध जताने का एलान किया है। साथ ही विरोध प्रदर्शन के कई अन्य कार्यक्रम भी उसने घोषित किए हैं। यह निर्विवाद है कि मौजूदा हालात में सरकारी नीतियों से प्रभावित किसी तबके लिए संघर्ष करना या अपनी मांगें मनवाना आसान नहीं रह गया है। इसलिए ट्रेड यूनियनों का संघर्ष भी बहुत प्रभाव छोड़ पाएगा, इसकी संभावना कम है। फिर भी बिना उन्हें भरोसे में लिए श्रम संहिताओं को लागू कर सरकार ने टकराव का एक नया मोर्चा खोल दिया है। बेहतर होता, भारतीय श्रम सम्मेलन (आईएलसी) की बैठक बुलाकर अधिकतम सहमति बनाने की कोशिश की जाती। मगर केंद्र ने इसकी जरूरत नहीं समझी। इससे श्रम एवं पूंजी के बीच नया तनाव पैदा हो सकता है।

चिंतन-मनन

प्रतिभा की पहचान

यूनान के किसी गांव का एक लड़का लकड़ियां काटकर गुजारा करता था। वह दिन भर जंगल में लकड़ियां काटता और शाम को पास के शहर के बाजार में उन्हें बेच देता था। एक दिन एक विद्वान व्यक्ति बाजार से जा रहा था। उसकी नजर बालक के गट्ठर पर पड़ी जो बेहद कलात्मक ढंग से बंधा था। उसने उस लड़के से पूछा- क्या यह गट्ठर तुमने खुद बांधा है? लड़के ने जवाब दिया- जी हां, मैं दिन भर लकड़ी काटता हूं, स्वयं गट्ठर बांधता हूं और रोज शाम को बाजार में बेच देता हूं। उस व्यक्ति ने कहा- क्या तुम इसे खोलकर इसी प्रकार दोबारा बांध सकते हो? लड़के ने गट्ठर खोला तथा बड़े ही सुंदर तरीके से उसे फिर बांध दिया। यह कार्य वह बड़े ध्यान, लगन और फुर्ती के साथ कर रहा था।

लड़के की एकाग्रता, लगन तथा कलात्मक रीति से काम करने के तरीके ने उस व्यक्ति को काफी प्रभावित किया। उसे बच्चे में काफी संभावना नजर आई। उसने पूछा- क्या तुम मेरे साथ चलोगे? मैं तुम्हें अपने साथ रखूंगा, शिक्षा दिलाऊंगा। तुम्हारा सारा खर्चा मैं उठाऊंगा। बालक ने सोच-विचार कर अपनी स्वीकृति दे दी और उसके साथ चला गया। उस व्यक्ति ने बालक के रहने और उसकी शिक्षा का प्रबंध किया। वह स्वयं भी उसे पढ़ाता था और नई-नई बातें सिखाता था। थोड़े ही समय में उस बालक ने उच्च शिक्षा हासिल की और काफी कुछ ज्ञान अर्जित कर लिया। बड़ा होने पर यह बालक यूनान के महान दार्शनिक पाइथागोरस के नाम से प्रसिद्ध हुआ। और जिस व्यक्ति ने उसे अपने यहां रखा था वह था यूनान का विख्यात तत्व ज्ञानी डेमोप्रीट्स।

राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस : आजाद हवा का अधिकार: प्रदूषण की कैद से मुक्ति का आह्वान

दिलीप कुमार पाठक

भोपाल गैस त्रासदी भारत के इतिहास की सबसे दुःखद घटनाओं में से एक है, जब कोई भी उस त्रासदी को याद करता है तो रूह कांप उठती है, मरने वालों एवं अपने परिजनों को खोने वाले लोगों के प्रति हमेशा लोगों में संवेदनाओं का प्रसार रहे यही कारण है कि राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस 2 दिसम्बर को मनाया जाता है। इसका प्रमुख उद्देश्य भोपाल गैस त्रासदी जैसी औद्योगिक आपदाओं को कैसे टाला जाए, इस पर प्रकाश डालना है। पर्यावरण प्रदूषण जीवन और स्वास्थ्य की गुणवत्ता पर बुरा असर डालता है। दुनिया भर में प्रदूषण की समस्या उभर कर सामने आ रही है। संयुक्त राष्ट्र ने वायु प्रदूषण को दुनिया का सबसे बड़ा पर्यावरणीय खतरा बताया है। यह दुनिया का चौथा प्रमुख कारण है जिसकी वजह से हर साल 89 लाख लोगों की मौत हो जाती है। प्रदूषण के लिए कई कारण ज़िम्मेदार हैं जैसे औद्योगिक विस्फोट या रासायनिक विस्फोट उद्योगों से गैसों का रिसाव आदि सहित कई स्त्रोतों से प्रदूषण होता है।

हर साल राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस मनाने के प्रमुख कारकों में से एक औद्योगिक आपदा के प्रबंधन और नियंत्रण के साथ ही पानी, हवा और मिट्टी के प्रदूषण की रोकथाम करना है। सभी अच्छे और खराब कार्यों के नियमों और कानूनों की केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा जाँच की जाती है, जो भारत में प्रदूषण की रोकथाम के लिए सरकारी निकाय है। सभी उद्योगों द्वारा पर्यावरण अनुकूल प्रौद्योगिकियों का सही तरीके से उपयोग किया जा रहा है या नहीं।

भोपाल गैस त्रासदी वर्ष 1984 में 2 और 3 दिसंबर की रात में शहर में स्थित यूनियन कार्बाइड के रासायनिक संयंत्र से जहरीला रसायन, जिसे मिथाइल आइसोसाइनेट के रूप में जाना जाता है, के साथ-साथ अन्य रसायनों के रिसाव के कारण हुई थी। रिपोर्ट के मुताबिक, 5,00,000 से अधिक लोगों की एमआईसी की जहरीली गैस के रिसाव के कारण मृत्यु हो गयी थी, बाद में, मध्य प्रदेश सरकार द्वारा ये घोषित किया गया कि गैस त्रासदी से संबंधित लगभग 3,787 लोगों की मृत्यु हुई थी। अगले 72 घंटों में लगभग 8,000-10,000 के आसपास लोगों की मौत हुई, वहीं बाद में गैस त्रासदी से संबंधित बीमारियों के कारण लगभग 25000 लोगों की मौत हो गयी। ये पूरे विश्व में इतिहास की सबसे बड़ी औद्योगिक प्रदूषण आपदा के रूप में जाना गया। जानना जरूरी है कि गैस त्रासदी के कारक क्या हैं जैसे - कई छोटे ड्रमों में भंडारण के स्थान पर बड़े टैंक में मिथाइल आइसोसाइनेट का भंडारण। कम लोगों की जगह में अधिक खतरनाक रसायनों का प्रयोग। संयंत्र द्वारा 1980 के दशक में उत्पादन के रोके जाने के बाद गैस का खराब संरक्षण। पाइपलाइनों में खराब सामग्री की उपस्थिति। विभिन्न सुरक्षा प्रणालियों के द्वारा सही से काम न करना। ऑपरेशन के लिए संयंत्रों के स्थान पर हाथ से काम करने पर निर्भरता, विशेषज्ञ ऑपरेटरों की कमी के साथ ही आपदा प्रबंधन की योजना की कमी। सरकार द्वारा पूरी दुनिया में प्रदूषण को गंभीरता से नियंत्रित करने और रोकने के लिए बहुत से कानूनों की घोषणा की गई, परंतु ये काफी नहीं है '

प्राकृतिक संसाधन जैसे जल, वायु, भूमि या वन विभिन्न प्रकार के प्रदूषण द्वारा तेजी से प्रभावित हो रहे हैं, जिन्हें सही तरीके से नियमों और विनियमों को लागू करके तुरंत सुरक्षित करना बहुत जरूरी है।

जैसे - शहरी अपशिष्ट जल उपचार और पुनः उपयोग परियोजना। ठोस अपशिष्ट और उसके प्रबंधन का वैज्ञानिक उपचार। अपशिष्ट के उत्पादन को कम करना। सीवेज उपचार सुविधा। कचरे का पुनः उपयोग और अपशिष्ट से ऊर्जा उत्पादन। जैव-चिकित्सा अपशिष्ट उपचार सुविधा।

इलेक्ट्रॉनिक कचरे की उपचार सुविधा, जल आपूर्ति परियोजना। संसाधन रिकवरी परियोजना। ऊर्जा की बचत परियोजना। शहरी क्षेत्रों में खतरनाक अपशिष्ट प्रबंधन।

स्वच्छ विकास तंत्र पर परियोजनाएं, प्रदूषण रोकने के लिये नीति, नियमों के उचित कार्यान्वयन और प्रदूषण के सभी निवारक उपायों के साथ ही राज्य सरकार द्वारा कई अन्य प्रयास किये गए हैं। उद्योगों को सबसे पहले प्रदूषण को कम करने के लिए प्राधिकरण द्वारा लागू किये गये सभी नियमों और विनियमों का पालन करना होगा

भोपाल गैस त्रासदी को 40 साल बीत चुके हैं लेकिन बचे हुए लोग अभी भी प्रजनन संबंधी स्वास्थ्य समस्याओं और तंत्रिका तंत्र की बीमारी का सामना कर रहे हैं। यह दिन हमें प्रदूषण के खिलाफ सख्त कदम उठाने की याद दिलाता है। यह भोपाल गैस त्रासदी की याद दिलाता है और प्रदूषण के बारे में जागरूकता बढ़ाता है। यह दिन पूरे देश में लोगों को विभिन्न प्रकार के प्रदूषणों के बारे में शिक्षित करके जागरूकता बढ़ाने और उद्योगों और कारखानों के लिए सुरक्षा उपायों के लिए सख्त नियमों और नियमों की जरूरतों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए समर्पित है।

(लेखक पत्रकार हैं)

नशे का बढ़ता प्रचलन एवं घातक कारोबार - एक गंभीर अलार्म

ललित गर्ग

भारत में नशीले पदार्थों का बढ़ता प्रचलन एवं बढ़ता घातक कारोबार आज एक भयावह राष्ट्रीय संकट बन चुका है। आये दिन विभिन्न राज्यों में नशीले पदार्थों की बड़ी-बड़ी खेप बरामद होना इस संकट की भयावह तस्वीर उकेरता है। यह समस्या किसी एक राज्य या किसी सीमित क्षेत्र की नहीं रही, बल्कि हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तराखंड, हिमाचल, दिल्ली, महाराष्ट्र सहित पूरे देश में यह अपने विकराल रूप में फैल चुकी है। विशेष रूप से किशोर और युवा पीढ़ी जिस तेजी से नशे की गिरफ्त में जा रही है, वह एक खतरनाक भविष्य की चेतावनी है। नशा आज केवल व्यक्तिगत बीमारी नहीं, बल्कि सामाजिक विनाश की प्रस्तावना बन चुका है। अंधेरी गलियों में भटकते युवा, परिवारों का टूटता संतुलन, अपराधों में वृद्धि और जीवन मूल्यों का क्षरण-ये सब नशे की महामारी के दुष्परिणाम हैं। अब वयस्क ही नहीं, किशोर भी नशे की चपेट में आ रहे हैं। फिर वे अपने नशे के लिए पैसा जुटाने के लिये अपराध की गलियों गुम होते जा रहे है, तरह-तरह के अपराध कर रहे हैं। हाल ही के कुछ गंभीर अपराधों का खुलासा होने पर किशोरों ने स्वीकार किया कि वे नशे हेतु पैसा जुटाने के लिए अपराध करने निकले थे। कमोबेश, ऐसा ही संकट नकली दवाइयों की आपूर्ति का भी है। पिछले दिनों देश के कई राज्यों में घातक कफ सिरप पीने से कई बच्चे अपनी जान गंवा बैठे। इस आसन्न संकट को महसूस करते हुए नकली दवाइयों और मादक पदार्थों पर अंकुश लगाने के लिए सात राज्यों के ड्रग्स कंट्रोलरों, पुलिस और सीआईडी अधिकारियों का एक महत्वपूर्ण सम्मेलन चंडीगढ़ में आयोजित किया गया, जिसका मकसद इन अधिकारियों को एक मंच पर लाकर कार्रवाई को अधिक कारगर बनाना था। यह स्वागत योग्य है कि देश में पहली बार सात राज्यों ने इस संकट को महसूस करते हुए इस दिशा में साझी पहल की। निश्चित ही यह सम्मेलन इस घातक एवं गंभीर होती समस्या के समाधान में रोशनी बनेगा।

नशीले पदार्थों व नकली दवाइयों का कारोबार मात्र एक राज्य की समस्या नहीं है, बल्कि इससे कई राष्ट्रीय मुद्दे भी जुड़े हैं। पंजाब व देश के समुद्री सीमा से जुड़े राज्यों में नशीले पदार्थों की जो बड़ी खेपें बरामद हुई हैं, उसने पूरे देश की चिंता बढ़ाई है। सवाल यह भी उठा है कि यदि नशीले पदार्थों की इतनी बड़ी मात्रा बरामद हुई है तो चोरी-छिपे कितनी बड़ी मात्रा में नशीला पदार्थ देश में पहुंच रहा होगा। पंजाब के सीमावर्ती जिलों में सीमा पार से ड्रोन के जरिये लगातार नशीले पदार्थ व हथियार भेजने के मामले प्रकाश में आए हैं। हाल के वर्षों में सामने आए आंकड़े बताते हैं कि ड्रग व्यापार अब किसी सीमित भौगोलिक दायरे तक सीमित नहीं रहा। पंजाब, जिसकी आबादी देश की कुल आबादी का मात्र ढाई प्रतिशत है, वहां से देश में बरामद होने वाली हेरोइन का लगभग आधा हिस्सा पकड़ा गया है। यह अकेला तथ्य बताने के लिए पर्याप्त है कि नशीले पदार्थों का नेटवर्क कितना गहरा, विस्तृत और संगठित हो चुका है। हरियाणा की सीमावर्ती जिलों में पिछले पाँच वर्षों के दौरान राज्य के कुल ड्रग मामलों का लगभग नब्बे प्रतिशत भाग सामने आया है, जो स्पष्ट संकेत देता है कि तस्करी का रास्ता राज्यों की सीमाओं से गुजर कर पूरे समाज में फैलता जा रहा है। इसी प्रकार राष्ट्रव्यापी सर्वेक्षण बताते हैं कि नशे की आदत अब केवल युवाओं तक सीमित नहीं, बल्कि लाखों बच्चे और किशोर और विशेषतः महिलाएं-युवतियां विभिन्न नशीली वस्तुओं के संपर्क में आ चुकी हैं। यह स्थिति सिर्फ चिंता का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्र की अगली पीढ़ी के भविष्य को लेकर गंभीर चेतावनी है। नशे की गिरफ्त में फंसकर बच्चे और युवा मानसिक, शारीरिक, सामाजिक और शैक्षणिक जीवन में बुरी तरह पिछड़ रहे हैं। परिवार टूट रहे हैं, आर्थिक स्थिति बिगड़ रही है, और अपराधों का ग्राफ निरंतर बढ़ता जा रहा है। नशे की वजह से चोरी, लूट, हिंसा, हत्या और यौन अपराध तक बढ़ते जा रहे हैं। समस्या का यह दूसरा पहलू भी उतना ही भयावह है कि नशे का व्यापार अब सामान्य चोरी-छिपे किए जाने वाला धंधा नहीं रहा, बल्कि विशाल और संगठित तस्करी-तंत्र में बदल चुका है। ड्रोन के माध्यम से ड्रग तस्करी, अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क, नकली दवाओं का उत्पादन, कफ सिरप व अन्य औषधियों के दुरुपयोग का व्यापक कारोबार-ये सभी संकेत हैं कि नशा भारत के सामाजिक ढांचे को दीमक की तरह खोखला कर रहा है। ड्रग माफिया, अपराधी गिरोह, भ्रष्ट तंत्र एवं पडोसी देश मिलकर एक ऐसी समानांतर व्यवस्था चला रहे हैं, जो कानून, नैतिकता और मानवीय जीवन के लिए बेहद खतरनाक है। चंडीगढ़ में आयोजित महत्वपूर्ण सम्मेलन में कई ऐसे तथ्य सामने आए जिन्होंने सभी को हिला दिया। यह स्पष्ट रूप से महसूस किया गया कि अब नशे के खिलाफ लड़ाई किसी एक राज्य की जिम्मेदारी नहीं बल्कि पूरे राष्ट्र की प्राथमिकता है। राजस्थान, उत्तराखंड, हिमाचल, दिल्ली, महाराष्ट्र सहित कई राज्यों के वरिष्ठ अधिकारी इस बात पर सहमत दिखे कि यदि अब भी सख्त और संगठित कदम नहीं उठाए गए तो आने वाले वर्षों में हालात और भयावह हो सकते हैं। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं कि नशे का यह संकट भारत की सामाजिक संरचना, युवाशक्ति और राष्ट्रीय प्रगति को गहरी चोट पहुँचा रहा है।

इस अनियंत्रित होते भयावह संकट को रोकने के लिए सरकार, पुलिस, न्याय तंत्र, समाज और परिवार-सबको मिलकर सामूहिक प्रयास करने होंगे। सिर्फ कानून बनाकर और कभी-कभार छापामारी करके इस समस्या का समाधान संभव नहीं। सबसे पहले कानूनों को मजबूत करने और उनके कठोर क्रियान्वयन की आवश्यकता है। ड्रग तस्करी, नकली दवाइयों का निर्माण और अवैध वितरण के खिलाफ ऐसी दंडात्मक

हमारा रोल शांति स्थापना का है, हमास को हथियार डालने पर मजबूर करना नहीं

– पाकिस्तान सीजफायर के बाद गाजा में अपनी सेना भेजने को तैयार

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान हमास-इजराइल के बीच सीजफायर के बाद गाजा में सेना भेजने को तैयार है। इसकी पुष्टि पाकिस्तान के उप-प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने की। उन्होंने कहा कि उनका देश अंतरराष्ट्रीय शांति मिशन के तहत गाजा में सुरक्षाबलों को तैनात करेगा, लेकिन पाकिस्तान सैनिक फिलिस्तीनी आतंकवादी समूह हमास को हथियार डालने पर मजबूर नहीं करेंगे। हम वहां शांति के लिए जा रहे हैं।

डार का ये बयान अमेरिकी मध्यस्थता वाले गाजा शांति समझौते पर चर्चा तेज होने के बीच आया है, जिसमें मुस्लिम बहुल देशों के सैनिकों से बने अंतरराष्ट्रीय स्थिरीकरण बल की स्थापना का प्रावधान है। उन्होंने बताया कि गाजा में सेना भेजने का फैसला पीएम शाहबाज ने फील्ड मार्शल से परामर्श के बाद लिया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इशाक डार ने कहा कि पाकिस्तान केवल संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के स्पष्ट रूप से परिभाषित आदेश के तहत ही सेना भेजेगा और पाकिस्तानी सेना हमास को निरस्त्र करने में कोई भूमिका नहीं निभाएगी। डार ने जोर देकर कहा कि हमास को निरस्त्र करने का मुद्दा पहले रियाद में दो-राज्य समाधान पर हुई बातचीत के दौरान उठा था। पाकिस्तान इस तरह के किसी भी प्रयास में भाग नहीं लेगा। हम इसके लिए तैयार नहीं हैं। हमारा रोल शांति स्थापना का है, न कि शांति लागू करने का। डार ने कहा कि पीएम शहबाज शरीफ ने सिद्धांत रूप से पाकिस्तान की भागीदारी पर सहमति दे दी है, लेकिन ये आईएसएफ के जनादेश और कार्यक्षेत्र के स्पष्ट होने पर निर्भर करेगा। इंडोनेशिया ने इस मिशन के लिए 20,000 सैनिकों की पेशकश की है। पिछले महीने अटकलें थीं कि पाकिस्तान को हमास को निरस्त्र करने की भूमिका सौंपी जा सकती है, जिससे देश में राजनीतिक विरोध पैदा हो गया था। रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने तो सरकारी प्रवक्ता के इस तरह के बयानों को बेबुनियाद और अस्वीकार्य बताकर निंदा भी की थी।

दरअसल, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने पिछले हफ्ते गाजा संघर्ष को खत्म करने के लिए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रस्ताव का समर्थन करते हुए एक अमेरिकी प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। इसमें आईएसएफ की तैनाती को भी अधिकार दिया गया था। पाकिस्तान समेत तेरह सदस्यों ने प्रस्ताव के पक्ष में वोट किया, जबकि रूस और चीन ने मतदान से दूर रहे. हालांकि, हमास ने इस प्रस्ताव को खारिज कर दिया और प्रस्तावित अंतरराष्ट्रीय बल की निंदा की थी।

नेशनल गार्ड पर हमला करने वाला अफगानी अमेरिका पहुंचकर बना कट्टरपंथी

–यह दावा होमलैंड सिक्योरिटी सेक्रेटरी क्रिस्टी नोएम ने एक इंटरव्यू में किया

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका में नेशनल गार्ड के दो जवानों पर हुए हमले की जांच अब एक नए मोड़ पर पहुंच गई है। अमेरिकी अधिकारियों का मानना है कि आरोपी रहमनुल्लाह लकानवाल की कट्टरपंथी सोच अफगानिस्तान में नहीं, बल्कि अमेरिका आने के बाद विकसित हुई। यह दावा खुद होमलैंड सिक्योरिटी सेक्रेटरी क्रिस्टी नोएम ने एक इंटरव्यू में किया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 29 साल का लकानवाल पर आरोप है कि उसने व्हाइट हाउस के पास नेशनल गार्ड के दो सैनिकों पर फायरिंग की। इस हमले में 20 साल की सारा बेकस्ट्रॉम की मौत हो गई और 24 साल के एंड्र्यू वोल्फ गंभीर रूप से घायल हैं जिनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। इस घटना ने अमेरिका की राजनीति में बवाल खड़ा कर दिया। वहीं सवाल उठ रहा है कि क्या अब अमेरिका के अंदर ही अब बड़े खतरे पैदा हो रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक क्रिस्टी नोएम ने कहा कि शुरुआती जांच में संकेत मिले हैं कि लकानवाल वॉशिंगटन स्टेट में रहने के दौरान कट्टरपंथी नेटवर्क के संपर्क में आया। उन्होंने कहा कि हम मानते हैं कि उसकी सोच अमेरिका आने के बाद बदल गई। हम उसके परिवार और समुदाय से जुड़े लोगों से पूछताछ कर रहे हैं। लकानवाल 2021 में उस समय अमेरिका आया था, जब बाइडेन प्रशासन ने तालिबान के कब्जे के बाद अफगानिस्तान में अमेरिकी सहयोगियों को बड़े पैमाने पर निकाला था। हालांकि उसे अप्रैल में शरण ट्रंप प्रशासन ने मंजूर की थी। क्रिस्टी नोएम ने चेतावनी दी कि जो भी व्यक्ति हमले से संबंधित जानकारी छिपाएगा या सहयोग नहीं करेगा, उसके खिलाफ भी अमेरिकी प्रशासन कड़ी कार्रवाई करेगा। अमेरिका ने सभी असाइलम एप्लिकेशंस यानी शरण की प्रक्रिया रोक दी है। सरकार ने संकेत दिए हैं कि पेंडिंग असाइलम केस वाले लोगों को भी डिपोर्ट किया जा सकता है, अगर उन्हें खतरा माना गया। अमेरिका ने बाइडन प्रशासन में दिए गए सभी ग्रीनकार्ड की जांच शुरू कर दी है।

बलूचिस्तान में 24 घंटे में सात धमाके, एफसी हेडक्वार्टर पर फिदायीन हमला

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के अशांत प्रांत बलूचिस्तान में पिछले 24 घंटों में आतंकी गतिविधियों ने एक बार फिर खौफ पैदा कर दिया है। इस दौरान कम से कम सात बड़े विस्फोट हुए और नोकुंडी स्थित फ्रंटियर कॉर्प्स (एफसी) के हेडक्वार्टर पर आत्मघाती फिदायीन हमला हुआ। हमलावर ने मुख्य गेट पर खुद को बम से उड़ा लिया, जिसके बाद सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच भयंकर गोलीबारी शुरू हो गई। एफसी बलूचिस्तान साउथ के अनुसार, विस्फोट के तुरंत बाद कम से कम छह हथियारबंद हमलावर परिसर में घुस आए। सुरक्षाबलों ने तत्काल जवाबी कार्रवाई शुरू की और अब तक तीन आतंकवादियों को मार गिराने का दावा किया है। एफसी के प्रवक्ता ने कहा, 卐हर कमरे की तलाशी ली जा रही है। जब तक आखिरी आतंकी को खत्म नहीं कर दिया जाता, ऑपरेशन जारी रहेगा। प्रशासन ने इस हमले की जिम्मेदारी तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) पर डाली है। इसी अवधि में बलूचिस्तान की राजधानी क्वेटा और डेरा मुराद जमाली भी निशाने पर रहे। क्वेटा में शनिवार को एक पुलिस चौकी पर हैंड ग्रेनेड फेंके गए। इसके कुछ देर बाद आतंकवाद-निरोधक विभाग (सीटीडी) की गाड़ी के पास शक्तिशाली विस्फोट हुआ। उसी दिन क्वेटा रेलवे स्टेशन के पास रेलवे ट्रैक पर लगाए गए आईईडी में धमाका हुआ, जिससे पटरी क्षतिग्रस्त हो गई और क्वेटा आने-जाने वाली सभी ट्रेन सेवाएं निलंबित कर दी गईं। डेरा मुराद जमाली में गश्त कर रही पुलिस की गाड़ी पर भी ग्रेनेड से हमला किया गया। गौरतलब है कि पिछले कुछ महीनों से बलूचिस्तान में आतंकी और अलगाववादी हमले तेज हो गए हैं। हाल ही में पेशावर में एफसी परिसर पर हुए फिदायीन हमले में तीन लोग मारे गए थे, जबकि क्वेटा में पैरामिलिट्री कैंप के बाहर कार बम विस्फोट ने पूरे इलाके को हिला दिया था। कई हमलों की जिम्मेदारी बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी ने भी ली है ।बलूचिस्तान में बढ़ती हिंसा ने एक बार फिर पाकिस्तानी सुरक्षा बलों की चुनौतियों को उजागर कर दिया है। प्रांत में टीटीपी के साथ-साथ बलूच विद्रोही संगठनों की गतिविधियां लगातार सिरदर्द बनी हुई हैं।

मातम में डूबा हांगकांग, 146 लोग जिंदा जले, सवाल पूछने पर चीन ठोक रहा देशद्रोह का केस

ताई पो (एजेंसी)। हांगकांग के ताई पो जिले के वांग फुक कोर्ट कॉम्प्लेक्स में भीषण आग लगी। इस दर्दनाक आग दुर्घटना में मरने वालों का आधिकारिक आंकड़ा 146 हो गया है, और अभी और शव मिलने की आशंका है। कई विदेशी नागरिक, जिसमें इंडोनेशिया के सात और फिलीपींस के एक नागरिक शामिल हैं, की भी मौत की पुष्टि हुई है। आग ने कॉम्प्लेक्स के आठ में से सात ब्लॉकों को अपनी चपेट में ले लिया। लोगों का मानना है कि यह कोई हादसा नहीं, बल्कि रोकी जा सकने वाली आपदा थी और यह अन्यायपूर्ण सिस्टम का जहरीला फल है। हजारों लोगों ने घटनास्थल पर फूल चढ़ाए और श्रद्धांजलि दी।

इस हादसे ने हांगकांग के निर्माण क्षेत्र में भ्रष्टाचार की पोल खोल दी है। अब तक 11 लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें से तीन पर गैर-इरादतन हत्या का आरोप है। एहतियात के तौर पर, शहर की 30 अन्य प्राइवेट कंस्ट्रक्शन साइट्स पर काम रोक दिया गया है। यूके के ग्रेनफेल टॉवर पीड़ितों का केस लड़ने वाले वकील इमरान खान ने आंतरिक जांच के बजाय पब्लिक इंक्वायरी (सार्वजनिक जाँच) की मांग की है।

आज इस्लामाबाद हाईकोर्ट के बाहर इमरान के समर्थक करेंगे विरोध प्रदर्शन

-प्रदर्शन के बाद पीटीआई सांसद पूर्व पीएम से मुलाकात करने जेल जाएंगे

करांची। पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान की पार्टी के सभी सांसद इस्लामाबाद उच्च न्यायालय के बाहर मंगलवार को विरोध-प्रदर्शन करेंगे और अदियाला जेल में बंद अपने नेता की रिहाई की मांग करेंगे। पार्टी के एक शीर्ष नेता ने इसकी जानकारी दी।

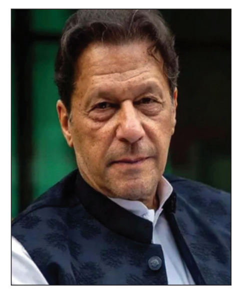

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के सीएम सोहेल अफरीदी ने घोषणा की कि इस्लामाबाद उच्च न्यायालय के बाहर विरोध-प्रदर्शन के बाद पार्टी नेता इमरान खान से मुलाकात करने के लिए रावलपिंडी की उच्च सुरक्षा वाली जेल जाएंगे। बता दें इमरान खान 2023 से अदियाला जेल में बंद हैं। अफरीदी ने कहा है कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक इमरान को 4 नवंबर से पूरी तरह से अलग-थलग रखा गया है और किसी को भी उनसे मिलने की अनुमति नहीं है। उन्होंने घोषणा की कि मंगलवार को सभी सांसद सबसे पहले इस्लामाबाद उच्च न्यायालय जाएंगे और अदालत के मुख्य न्यायाधीश के सामने कड़ा विरोध-प्रदर्शन करेंगे, क्योंकि उनके आदेशों के बावजूद सीएम को इमरान से मिलने की अनुमति नहीं दी गई। अफरीदी ने कहा कि यह कोर्ट की स्पष्ट अवमानना ??है। हम इस्लामाबाद उच्च न्यायालय में विरोध-प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने बताया कि इसके बाद पार्टी सांसद इमरान से मिलने अदियाला जेल जाएंगे।

फांसी की सजा के बाद एक और मामले में शेख हसीना को 21 साल की कैद

–स्पेशल कोर्ट ने जमीन घोटाला मामले में दोषी ठहराते हुए नई सजा सुनाई

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश की पूर्व पीएम और अवामी लीग प्रमुख शेख हसीना को सोमवार को ढाका की एक विशेष कोर्ट से बड़ा झटका दिया। कोर्ट ने पुरबचल न्यू टाउन प्रोजेक्ट में प्लॉट आवंटन में अनियमितताओं से जुड़े बहुचर्चित जमीन घोटाला मामले में शेख हसीना को दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई।

इससे पहले इस साल नेशनल क्राइम ट्यूबनल ने हसीना को ÷क्राइम्स एगेन्स्ट ह्यूमैनिटी÷ के लिए फांसी की सजा सुनाई थी। और इसके कुछ दिन बाद ही ढाका की स्पेशल कोर्ट ने हाल ही में हसीना को तीन भ्रष्टाचार-मामलों में 21 साल की जेल की सजा सुनाई है। जमीन घोटाला मामले में अदालत ने कुल तीन लोगों को दोषी ठहराया। शेख हसीना, शेख रेहाना, तुलिप रिजवाना सिद्दीक। ये तीनों राजुक द्वारा किए गए प्लॉट आवंटन में अनियमितताओं के मामले में दोषी पाए गए। हसीना पहले से ही कई कानूनी चुनौतियों का सामना कर रही हैं। अब एक और मामले में दोषी ठहराया जाना उनकी राजनीतिक और कानूनी स्थिति को कमजोर करता है।

तुलिप सिद्दीक जो ब्रिटेन में लेबर पार्टी की सांसद हैं उनका नाम इस फैसले में शामिल होने से यह मामला अंतरराष्ट्रीय सुर्खियों में आ गया। ब्रिटेन की राजनीति और मीडिया में भी इस पर चर्चा शुरू हो गई है। अवामी लीग के नेताओं ने इस फैसले को ÷राजनीतिक प्रतिशोध÷ बताया है। उनका कहना है कि विपक्षी सरकार हसीना परिवार को ÷कमजोर करने÷ की कोशिश कर रही है। जानकारों के मुताबिक शेख हसीना की कानूनी टीम उच्च अदालत में अपील दाखिल करेगी।

एलन मस्क और कामत के पॉडकास्ट का टीजर सामने आते ही मची हलचल

एक्स' के जुनून पर मस्क बोले- कभी-कभी सोचता हूं कि मेरे अंदर क्या गड़बड़ है

वाशिंगटन (एजेंसी)। टेस्ला के मालिक और दुनिया के सबसे अमीर इंसान एलन मस्क का पॉडकास्ट खूब चर्चा में है। मस्क के साथ जेरोधा के सह-संस्थापक और अरबपति निखिल कामत ने पॉडकास्ट किया। इस पॉडकास्ट का टीजर सामने आते ही सोशल मीडिया पर हलचल मच गई। कामत ने 96 सेकंड का नया ट्रेलर जारी किया, जिसमें दोनों के बीच हुई बातचीत और हल्के-फुल्के पलों की झलक देखने को मिली। वीडियो में दोनों कॉफी पीते और हंसते मुस्कुरात नजर आए, जिसके बाद कई यूजर्स ने यह सवाल तक कर दिया था कि क्या वाकई यह बातचीत सच में हुई है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक निखिल कामत को इस पॉडकास्ट में एलन मस्क की कद-काठी देखकर हैरानी जताते हुए भी देखा गया। वे मुस्कुराते हुए कहते हैं, 'पहली बात जो मैं कहूंगा, आप जितना मैंने सोचा था उससे कहीं ज्यादा लंबे, भारी और मस्कुलर हैं। इस पर एलन मस्क मजाकिया अंदाज में जवाब देते हैं, 'ओह, बस कीजिएज् आप मुझे शर्मिंदा कर देंगे। दोनों इस पर खूबर हंसते हैं।

इस बातचीत में एक दिलचस्प पल तब आता है जब कामत ने मस्क से पूछा कि 'द मैट्रिक्स' फिल्म का कौन-सा किरदार वे निभाना पसंद करेंगे। इस पर मस्क कहते हैं, 'उम्मीद है कि एजेंट स्मिथ नहींज् वह मेरा हीरो है। कामत ने सवाल किया कि आखिर 'एक्स' के प्रति उनका ऐसा जुनून क्यों है, मस्क हंसते हुए कहते हैं, 'कभी-कभी मैं भी सोचता हूं कि मेरे अंदर क्या गड़बड़ है। जाहिर है, मस्क की कंपनियां एक्स, स्पेसएक्स और एक्सएआई सभी में इस अक्षर की झलक दिखती है।

टीजर के बाद सोशल मीडिया पर प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई है। कई यूजर्स ने दोनों के बीच दिख रही 'केमिस्ट्री' को लेकर मजेदार कमेंट किए हैं। एक यूजर ने लिखा- जैसे ये एक-दूसरे को देख रहे हैंज्पूरा बिजनेस रोमांस लग रहा है। निखिल कामत का पॉडकास्ट पहले भी कई क्षेत्रों की बड़ी हस्तियों को एक साथ लाने के लिए चर्चित रहा है। इसके पिछले एपिसोड्स में बिल गेट्स, किरन मजूमदार-शॉ, रणबीर कपूर, नंदन नीलेकणी, कुमार बिड़ला, परप्लेक्सिटी एआई के अरविंद श्रीनिवास और वेंचर कैपिटलिस्ट विनोद खोसला शामिल हो चुके हैं। इस शो में पीएम मोदी भी गए हैं, जिनका इंटरव्यू इसी साल यूट्यूब पर जारी किया गया था।

इजराइली पीएम नेतन्याहू भ्रष्टाचार में फंसे अब राष्ट्रपति से मांग रहे क्षमादान

–कानूनी विशेषज्ञ बोले– यह क्षमादान का अनुरोध मुकदमे को नहीं रोक सकता

तेलअवीव (एजेंसी)। गाजा समते कई देशों पर हमला करने वाले इजराइल के पीएम नेतन्याहू भ्रष्टाचार के मामलों में इस कदर घिर गए कि अब वह राष्ट्रपति से क्षमादान मांग रहे हैं। उनके खिलाफ भ्रष्टाचार के मुकदमे पर रोक लगवाने के लिए उन्होंने राष्ट्रपति से माफी मांगी है। नेतन्याहू इजराइल के ऐसे पहले पीएम हैं जो कि मुकदमे के बावजूद पद पर मौजूद हैं। नेतन्याहू पर विश्वासघात, रिश्वत लेने और पैसे के बदले टेलीकॉम कंपनियों और हॉलिवुड प्रोड्यूसर से राजनीतिक समर्थन हासिल करने का आरोप है।

नेतन्याहू इन आरोपों को लेकर देश की न्याय व्यवस्था के खिलाफ मोर्चा खोले हुए हैं। उन्होंने कहा कि यह अनुरोध क्षेत्र में अहम बदलावों के दौर में देश को एकजुट करने में मदद करेगा। हालांकि नेतन्याहू के विरोधियों ने तुरंत इसकी निंदा की और कहा कि इससे इजराइल की लोकतांत्रिक संस्थाएं कमजोर होंगी और यह खतरनाक संदेश जाएगा कि वह कानून के शासन से ऊपर हैं। इजराइल के प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक बयान जारी कर कहा कि नेतन्याहू ने राष्ट्रपति से क्षमादान का अनुरोध किया है।

बेंजामिन नेतन्याहू पर तीन मुकदमे चल रहे हैं लेकिन उन्हें अब तक किसी भी मामले में दोषी नहीं करार दिया गया है। हालांकि इन मुकदमों से उनका करियर दांव पर लगा है। अगर किसी भी मामले में उन्हें दोषी पाया जाता है तो उन्हें तत्काल इस्तीफा देना पड़ सकता है। नेतन्याहू ने इस मामले की निंदा करते हुए इसे मीडिया, पुलिस और न्यायपालिका द्वारा साजिश के तहत निशाना बनाए जाने का आरोप लगाया है। उन्होंने यह भी कहा कि हफ्ते में तीन बार अदालत में पेश होने की उनकी अनिवार्यता एक ऐसा ध्यान भटकाने वाला कदम है जिससे उनके लिए देश का नेतृत्व करना मुश्किल हो जाता है। उन्होंने कहा कि मुकदमे का जारी रहना हमें अंदर से तोड़ देता है, विभाजन करता है और दरार को और गहरा करता है। देश के कई अन्य लोगों की तरह, मुझे भी यकीन है कि मुकदमे के तुरंत निपटारे से सुलह को बढ़ावा मिलेगा, जिसकी हमारे देश को सख्त जरूरत है। हालांकि कानूनी विशेषज्ञों का कहना है कि क्षमादान का अनुरोध मुकदमे को नहीं रोक सकता।

नेतन्याहू के अनुरोध पर विपक्ष ने तुरंत प्रतिक्रिया व्यक्त की और राष्ट्रपति से उनके अनुरोध को नहीं मानने का आग्रह किया। विपक्षी नेता यायर लापिड ने कहा कि आप उन्हें अपराध स्वीकार किए बिना, पश्चाताप की अभिव्यक्ति के बिना और राजनीतिक जीवन से तत्काल संन्यास लिए बिना क्षमादान नहीं दे सकते हैं।

इंडोनेशिया झेल रहा प्राकृतिक मार, बाढ़ और भूस्खलन से 400 से ज्यादा मौतें

हजारों घर बहे, सैकड़ों गांव कटे और पूरे के पूरे इलाके मिट्टी में हो गए दफन

जकार्ता (एजेंसी)। इंडोनेशिया इन दिनों प्राकृतिक कहर का सामना कर रहा है। करीब एक सप्ताह पहले आए ट्रॉपिकल साइक्लोन 'सिन्यार' ने सुमात्रा को ताबड़तोड़ बारिश, विनाशकारी बाढ़ और भूस्खलनों में झोंक दिया। हजारों घर बह गए, सैकड़ों गांव कट गए और कई इलाके मिट्टी में दफन हो गए। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक अब तक 440 से ज्यादा लोग मारे गए हैं, जबकि कम से कम 400 लोग अभी भी लापता हैं, जिनमें से कई के मलबे में दबे होने की आशंका है।

मीडिया रिपोर्ट में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन एजेंसी के हवाले से बताया गया है कि अचेह, नॉर्थ सुमात्रा और वेस्ट सुमात्रा सबसे गंभीर रूप से प्रभावित इलाका है। एजेंसी प्रमुख सुहार्यांतो ने चेतावनी दी कि सेंट्रल तापनूली और सिबोल्गा पूरी तरह से अलग-थलग पड़ गए हैं। इन इलाकों तक न सड़क पहुंच रही है, न संचार, और न ही राहत। समुद्र और हवाई रास्तों से आपूर्ति की जा रही है, लेकिन कई गांवों तक किसी भी तरह की सहायता अब तक नहीं पहुंची है। हजारों लोग खाने और पानी के इंतजार में कई दिनों से फंसे हैं।

दुर्गम स्थितियों के बीच भयावह स्थिति है। सुमात्रा के कई इलाकों में लोगों ने भूख से मजबूर होकर दुकानों को तोड़ना शुरू कर दिया है। स्थानीय पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि लोगों को नहीं पता था कि सहायता आ रही है, उन्हें डर था कि वे भूख से मर जाएंगे। इसलिए उन्होंने दुकानों से खाना और पानी उठाना शुरू कर दिया। स्थिति गंभीर है। व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बलों को तैनात किया गया है।

वेस्ट सुमात्रा की राजधानी पदांग से 100 किमी दूर सुनगई न्यालो गांव में पानी का बहाव भले ही कम हुआ हो, लेकिन अब पूरा गांव घुटनों तक मोटी, राख जैसी धूसर मिट्टी में दफन है। न घर बचा, न फसल, न वाहन। चारों तरफ सिर्फ खामोशी और विनाश नजर आ रहा है।

न्यूजीलैंड में 459 भारतीय मूल के ड्राइवरों के लाइसेंस रद्द, कई परिवारों पर संकट

– ऑडिट में पाया विदेशी लाइसेंस को बदलने की प्रक्रिया में हुई धोखाधड़ी

वेलिग्टन (एजेंसी)। न्यूजीलैंड में 459 भारतीय मूल के ट्रक ड्राइवरों के लाइसेंस रद्द कर दिए हैं। देशभर में भारी वाहनों के लाइसेंस बदलने में मिले फर्जीवाड़े के बाद न्यूजीलैंड ट्रांसपोर्ट एजेंसी ने कड़ा कदम उठाया। इसके चलते कई भारतीय परिवार आर्थिक संकट में फंस गए हैं और उन्होंने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया है। न्यूजीलैंड ट्रांसपोर्ट एजेंसी के ऑडिट में पाया गया कि विदेशी लाइसेंस को न्यूजीलैंड के लाइसेंस में बदलने की प्रक्रिया में धोखाधड़ी हुई है। पहले 440 लाइसेंस रद्द हुए थे, अब यह संख्या बढ़कर 459 हो गई है। ये सभी रद्दीकरण 'झूठे या बदले हुए दस्तावेजों' के कारण हुए हैं।

एक रिपोर्ट के मुताबिक रद्द किए गए लाइसेंस सभी विदेशी ड्राइवर भारत से हैं! इनमें से 436 मामलों में यूएई से, 18 ऑस्ट्रेलिया से और पांच कनाडा से जारी दस्तावेज से जुड़े हैं। इनमें से कोई भी मामला सीधे भारतीय लाइसेंस के इस्तेमाल से नहीं जुड़ा है, क्योंकि भारत जैसे गैर-छूट वाले देशों के लिए न्यूजीलैंड ट्रासंपोर्ट के नियमों के तहत पूरी तरह से टेस्टिंग जरूरी है।

रिपोर्ट के मुताबिक पहले न्यूजीलैंड में हजारों भारतीय ड्राइवरों ने ऑनलाइन 27-54 हजार रुपए देकर जाली 'सपोर्ट लेटर' खरीदे। ये लेटर दिखाकर उन्होंने आसानी से ड्राइविंग लाइसेंस और वीजा ले लिया। सरकार पहले इन्हें मान लेती थी, इसलिए सबका काम चल जाता था, लेकिन अब ऐसे जाली लेटर बिल्कुल अवैध माने जा रहे हैं। अब इन लेटर्स से मिला लाइसेंस और वीजा रद्द हो रहा है यानी वह पुराना आसान रास्ता अब हमेशा के लिए बंद।

इनमें ज्यादातर ड्राइवर 30-35 साल के हैं और उन्होंने थ्योरी और प्रैक्टिकल टेस्ट पास किया है। इसके अलावा सांसद परमजीत परमार ने न्यूजीलैंड के ट्रांसपोर्ट मंत्री साइमोन ब्राउन को पत्र लिखकर कहा है कि ये मेहनती प्रवासी हैं जिन्होंने न्यूजीलैंड के ट्रकिंग सेक्टर में ड्राइवरों की कमी पूरी की। सभी ड्राइवरों ने समाधान की मांग की ताकि उनके परिवारों को मदद मिल सके।

ऑकलैंड के ताकानिनी गुरुद्वारे में 22 नवंबर को भारतीय ट्रक ड्राइवर और उनके परिवार जमा हुए और न्याय की मांग की। इस दिन अमृतपाल सिंह ने कहा कि न्यूजीलैंड ट्रासंपोर्ट एजेंसी ने हमारी आमदनी छीन ली है और अब हम अपने बच्चों को कैसे पालेंगे? वहीं परमिंदर सिंह ने बताया कि वे अपने घर का किराया भी नहीं दे पा रहे हैं। इस मुद्दे पर ट्रांसपोर्ट ऑपरेटरों ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी। बता दें न्यूजीलैंड में ट्रक चलाने वालों की कमी लंबे समय से बनी हुई है। 2022 में 3,449 ड्राइवरों की कमी थी। इस सेक्टर में भारतीय प्रवासियों की भूमिका बढ़ गई।

2025 की रिपोर्ट बताती है कि एशियाई ड्राइवर, जिनमें ज्यादातर भारतीय हैं अब ट्रकिंग इंडस्ट्री के 20फीसदी तक हैं।

सिर्फ 1 महीने छोड़कर देखें शराब, होंगे ये बड़े फायदे

बहुत से लोगों ने न्यू ईयर की पार्टी की प्लानिंग अभी से शुरू कर दी है। उनके लिए सबसे बड़ा आकर्षण होगी शराब पार्टी। सभी जानते हैं कि शराब सेहत के लिए नुकसानदायक है। इसके नियमित सेवन से कैंसर, लिवर और हार्ट संबंधी बीमारियां हो सकती हैं। एक बड़ा वर्ग ऐसा भी है, जो सालभर में शराब छोड़ने की कई कोशिश करता है, लेकिन लत फिर हावी हो जाती है। इस बीच, पश्चिमी देशों में 'ड्राय मंथ' यानी 'पूरे महीने शराब का सेवन नहीं' अभियान चलाया जाता रहा है। कोशिश यही रहती है कि लोग एक महीने शराब से दूर रहें, क्योंकि यूनिवर्सिटी ऑफ ससेक्स के मुताबिक, इसके बहुत फायदे हैं और ये फायदे लंबे समय तक बने रहने वाले हैं।

ससेक्स यूनिवर्सिटी के डॉ. रिचर्ड डी. विसर ने अपने शोध में पाया कि 2018 में ड्राई जनवरी में हिस्सा लेने वाले लोगों में हमेशा एनर्जी बनी रही। इसके साथ ही उनका वजन भी कंट्रोल रहा। सबसे बड़ी बात, एक महीने की गैप के बाद उन्हें शराब पीने की जरूरत पहले से कम महसूस हुई। अध्ययन में 2821 लोगों ने हिस्सा लिया था। पहले ये हफ्ते में औसत 4.3 दिन शराब पीते थे, जो बाद में घटकर 3.3 दिन रह गई। एक बार में शराब पीने की मात्रा भी 8.6 यूनिट ऑफ अल्कोहल से घटकर 7.1 यूनिट रह गई। इस अभियान से हुए अन्य फायदों में शामिल हैं । 10 में से 9 लोगों को पैसों की बचत हुई, 10 में से 7 लोगों को बेहतर नींद आने लगी, हर पांच में से तीन लोगों का वजन घट गया।

अध्ययन करने टीम के लीडर डॉ. विसर के अनुसार, शराब से दूरी बनाने का हर मौका भुनाना चाहिए। यदि कोई एक महीने के लिए शराब नहीं छोड़ सकता है तो उसे कुछ दिनों के लिए ऐसा करना चाहिए। इससे भी सेहत को बहुत फायदा होगा।

शराब की लत का यह है इलाज

डॉ. उमर अफरोज के अनुसार जिन लोगों को शराब की लत होती है, वे यह तय नहीं कर पाते हैं कि वे कितनी शराब पीएंगे, कब तक पीएंगे और इसके क्या बुरे नतीजे होंगे? ऐसे लोगों के लिए एकदम से शराब छोड़ना मुश्किल होता है। ज्यादा शराब पीने से याददाश्त कमजोर होती है, आंखों की मांसपेशियां कमजोर होती हैं, ब्लड प्रेशर हाई बना रहता है, डायबिटीज का खतरा रहता है, हड्डियां कमजोर हो जाती हैं और कैंसर भी हो सकता है। ऐसे लोगों के मन में आत्महत्या के विचार जल्दी आते हैं।

डॉ. उमर अफरोज के अनुसार, जिन लोगों में शराब के लक्षण दिखाई देते हैं, उन्हें इसके खतरों से वाकिफ करवाया जाना चाहिए। हो सकता है खतरे भांप कर वे पीना कम कर दें या बंद कर दें। शराब की लत छुड़ाने के लिए डॉक्टर की सलाह पर कुछ दवाओं का सहारा भी लिया जा सकता है, लेकिन सबसे जरूरी है मरीज की मानसिक मजबूती। यदि वह दृढ़ निश्चय कर ले तो ही शराब छोड़ी जा सकती है।

1 महीने शराब छोड़ने के 10 फायदे

- 71 प्रतिशत प्रतिभागियों ने कहा कि वे बेहतर नींद लेने लगे।
- 70 प्रतिशत ने अपने सम्पूर्ण स्वास्थ्य को बेहतर पाया।
- 67 प्रतिशत को शरीर में ऊर्जा का स्तर बढ़ा लगा।
- 58 प्रतिशत ने अपना वजन कम कर लिया।
- 57 प्रतिशत ने एकाग्रता (फोकस) में सुधार पाया।
- 54 प्रतिशत को अपनी त्वचा में चमक नजर आई।
- 80 प्रतिशत ने अपने पीने की आदतों पर नियंत्रण महसूस किया।
- 76 प्रतिशत ने समझा कि उन्हें पीने का अधिक लालच क्यों होता था?
- 71 प्रतिशत ने जाना कि उन्हें मस्ती करने के लिए शराब की जरूरत नहीं
- 88 प्रतिशत ने पैसे बचाए।

दिमाग को शराबी बनाती है शराब

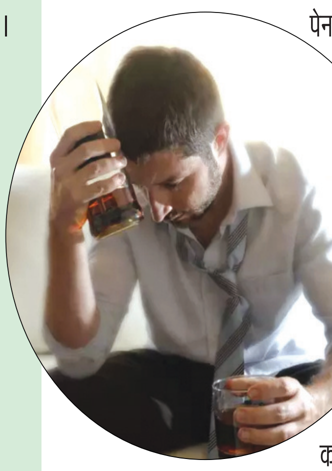

पेनसिल्वेनिया यूनिवर्सिटी के अध्ययनकर्ताओं ने शराब का एक रोचक पहलू पता किया है। इनका कहना है कि शराब दिमाग को और शराब पीने के लिए उकसाती है। यही कारण है कि एक बार शराब पीने के बाद जब व्यक्ति उसी बार के सामने से गुजरता है या उन्हीं दोस्तों के संपर्क में आता है तो दिमाग शराब की लत को जगा देता है।

रेसिपी

सूजी उत्तपम

सामग्री

- सूजी: एक कप
- दही: एक कप
- बारीक कटा हुआ एक टमाटर
- बारीक कटी हुई एक प्याज
- बारीक कटी हुई दो हरी मिर्च
- धनिया: दो बड़ा चम्मच
- नमक: स्वाद के अनुसार
- तेल तलने के लिए

विधि

सूजी उत्तपम बनाने के लिए सबसे पहले एक बर्तन में सूजी, दही और नमक डालकर अच्छे से मिक्स कर लें। बैटर गाढ़ा होने की वजह से थोड़ा-सा पानी भी मिलाएं और इसे इडली और डोसे के बैटर जैसा तैयार कर लें। बैटर में प्याज, टमाटर, गाजर, शिमला मिर्च, अदरक, हरी मिर्च, अदरक, धनिया पत्ती सभी थोड़ा-थोड़ा डालकर मिक्स कर लें और बाकी का बचाकर अलग रख लें। मीडियम आंच में एक पैन में तेल गर्म करने के लिए रखें। तेल के गर्म होते ही पैन में बैटर डालें। एक मिनट बाद बाकी बची सब्जियां भी ऊपर से डाल दें और दो मिनट तक परांठे की तरह सेंक लें। आप इसे चटनी या कैचअप के साथ सर्व कर सकते हैं।

मूली की चटनी

सामग्री

- चना दाल: 1 चम्मच ■ उड़द दाल: 1 चम्मच
- जीरा: 1/2 चम्मच ■ धनिया: 1 चम्मच
- लाल मिर्च: 3 ■ लहसुन: 3 कलियां
- अदरक: 1 टुकड़ा
- कटी हुई मूली: 1 कप ■ हल्दी: 1/4 चम्मच
- तेल: 2 चम्मच ■ पानी: 2 चम्मच
- इमली: 1 टुकड़ा ■ नमक: 1/2 चम्मच
- तेल: 1 चम्मच ■ सरसों : 1/2 चम्मच
- करी पत्ता: 10 ■ हींग: चुटकी भर

विधि

मूली की चटनी बनाने के लिए सबसे पहले एक पैन में 2 चम्मच तेल डाल लें। इसके बाद पैन में चना-उड़द दाल, जीरा, धनिया और लाल मिर्च डालें। धीमी आंच पर दाल को सुनहरा होने तक पकाएं। इसके बाद इसमें लहसुन, अदरक, मूली और हल्दी पाउडर मिलाकर 1 मिनट तक भून लें। अब पैन में लगभग 2 चम्मच पानी डालकर सब चीजों को अच्छे से मिलाने के बाद ढककर धीमी आंच पर 5 मिनट तक पकाएं। पांच मिनट बाद गैस बंद कर दें। जब तक पेस्ट पूरी तरह से ठंडा न हो जाए पैन को ढककर ही रखें। इसेक बाद भूने हुए पेस्ट के साथ इमली और नमक को ग्राइंडर में डालकर अच्छे से पीस लें।

तड़का बनाने के लिए- तड़के के लिए 1 चम्मच तेल पैन में डालकर गर्म कर लें। उसमें तड़के वाली सभी चीजें मिला लें। सरसों के चटकने पर चटनी को उसमें पलट दें। आपकी स्वादिष्ट मूली की चटनी बनकर तैयार है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। सफलता मिलेगी। शुभांक-5-7-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। परिवारजनों का सहयोग बना रहेगा। मेहमानों आगमन होगा। शुभांक-1-3-5

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। धीरे-धीरे लाभ का मार्ग प्रशस्त होगा उचित समय का इन्तजार करें। शुभांक-3-5-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। कार्य सफल होंगे। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-2-5-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): "आगे-आगे गौरख जागे" वाली कहावत चरितार्थ होगी। मेहमानों का आगमन होगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। सही समय का इंतजार करें। शुभांक-2-4-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। शुभ कार्यों में व्यय होगा। शुभांक-1-3-5

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। विशिष्ट जनों से मेल-मुलाकात होगी। शुभांक-4-6-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभ समाचारों मिलेगें। शुभांक-3-5-6

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। आत्मीय श्रेष्ठता बनेगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। बुजुर्गों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। आत्मचिन्तन करें। शुभांक-4-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। होश में रहकर कार्य करें। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। समय पर देनदार भी पैसे लौटाने में आनाकानी करेंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-4-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। शुभांक-2-4-5

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, द्धंचता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय-व्यय समान रहेगा। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। अभी सिर्फ आश्वासनों से संतोष करना बड़ेगा। शुभांक-1-3-5

काकुरो पहेली - 2664

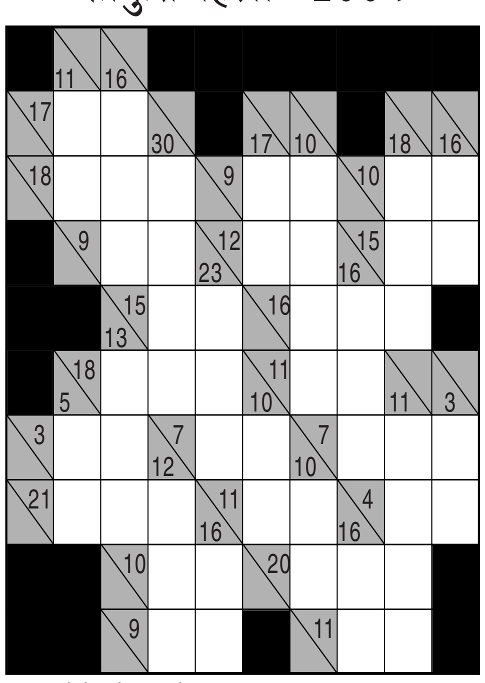

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

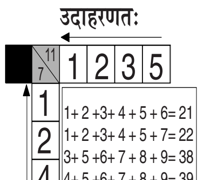

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो -2663का हल

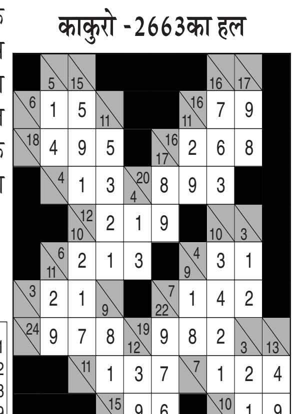

हंसी के फूव्वारें

एक पागलखाने में एक दर्शक का गाइड ने बताया-'यह जो पागल आपके सामने खड़ा है, इसकी यह दशा इसलिए हुई कि इसे उस लड़की ने ठुकरा दिया, जिसे वह प्यार करता था.'

'और वह!' दर्शक ने एक अन्य पागल की तरफ इशारा करते हुए पूछा.

'ओह !' गाइड बोला-'इसकी यह दशा इसलिए हुई कि इसने उसी लड़की से विवाह कर लिया.

□ □ □

पहला-'पत्नी हर जन्म में वही पति क्यों पाना चाहती है?'

दूसरा-ताकि उस पति को सुधारने का परिश्रम बेकार न चला जाए.

□ □ □

'दुर्लभ पुस्तक किसे कहते हैं ?'

'जिसे पढ़कर सगे संबंधी, मित्र और पड़ोसी सुरक्षित लौटा दें.'

□ □ □

बाजार से आते ही मालकिन नौकरानी पर बिगड़ गई-''कल से तू काम पर मत आना !''

''जी ! क्या बात हो गई ?''

''जब मैं बाजार गई थी तो तेरे हाथ में चार चूड़ियां थीं, अब दो ही रह गई हैं.''

''जी. वह काम करने में टूट गई !''

''वह तो ठीक है. मगर पलंग पर तू क्या काम करने गई थी?''

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 2664

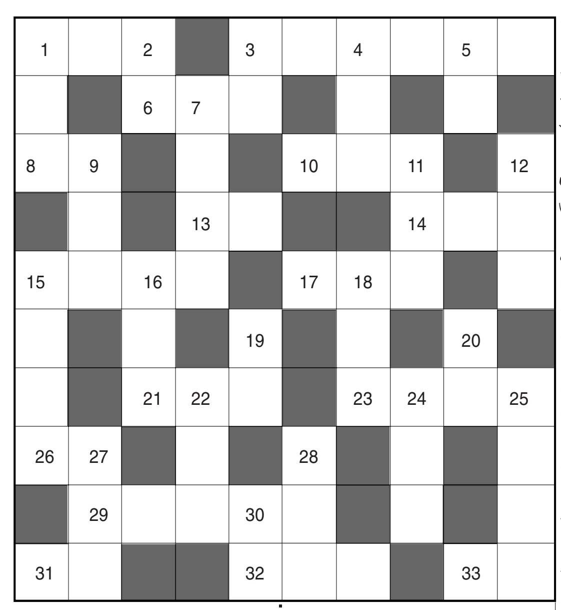

ऊपर से नीचे:-

१. अमिताभ, संजयदत्त, अक्षय खन्ना, अमृताराव की आगामी नई फिल्म-३
२. 'करीब' में बॉबी की नायिका -२
३. कुमार गौरव, माधुरी की फिल्म-२
४. सलमान, संजयकपूर, शिल्पा शेट्टी की 'अरे बाब' गीत वाली फिल्म-३
५. 'इश्क समंदर' गीत वाली फिल्म-२
७. संजयकपूर, प्रिया गिल, सुष्मिता की 'होश ना खबर' गीत वाली फिल्म-२,२
९. अमिताभ, संजीव, ऋषि, हेमा की फिल्म-३
११. 'प्यार करना नही' गीत वाली फिल्म-३
१२. किशोरकुमार, मधुबाला की फिल्म-३
१५. राजेद्रकुमार, वहीदा की 'जंगल में मोर नाचा' गीत वाली फिल्म-४
१६. 'आवारा' की नायिका कौन थी-३
१८. 'तुम्हें जिंदगी के' गीत वाली धर्मेन्द्र, मीनाकुमारी की फिल्म-३
१९. विक्रम, लक्ष्मी की 'माई हार्ट इज बीटिंग' गीत वाली फिल्म-२
२०. 'दिलवालों के दिल का' गीत वाली फिल्म-२
२२. कमल हासन, शाहरूख, रानी की फिल्म-१,२
२४. 'पैसे बिना प्यार' गीत वाली फिल्म-३
२५. मिथुन, काजल किरण की 'तेरे नाम का दिवाना' गीत वाली फिल्म-४
२७. ऋषिकपूर, माधुरी की फिल्म-३
२८. रेमो फर्नाडीस के गीत 'देखो देखो ये है जलवा' गीत वाली फिल्म-३
३०. अमिताभ, गोविंदा, किमी की फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. अजय देवगन, उर्मिला, महिमा की 'चुराओ ना दिल' गीत वाली फिल्म-३
३. 'प्रेमी आशिक आवारा' गीत वाली अजय देवगन, मधु की फिल्म-२,२,२
६. जिमी शेरगिल, ऋशिता की 'आँखें भी होती हैं' गीत वाली फिल्म-३
८. 'सरकी चुनरिया रे' गीत वाली अभिषेक, भूमिका की फिल्म-२
१०. शत्रुघ्न सिन्हा, श्रीदेवी की 'कोई मर्द ना ऐसा' गीत वाली फिल्म-३
१३. 'क्यूं मेरा दिल' गीत वाली करण नाथ, मनीषा, नतान्या की फिल्म-२
१४. सनी देओल, फरहा की 'रूत पिया मिलन की आई' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'तेरी निगाहों पें मर' गीत वाली महमूद, विजयलक्ष्मी की फिल्म-४
१७. अक्षय, सुनील, करिश्मा, सोनाली की 'तेरा ये देख' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'जिस दिल में बसा था' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पान की फिल्म-३
२३. शशिकपूर, शर्मिला की 'वो तेरे प्यार का गम' गीत वाली फिल्म-२,२
२६. फिल्म 'परिचय' में जीतेंद्र के साथ नायिका कौन थी-२
२९. 'मेरे प्यार की आवाज' गीत वाली विनोद खन्ना, नीतू सिंह की फिल्म-५
३१. 'महबूब की मेहंदी' में राजेशखन्ना के साथ नायिका कौन थी-२
३२. जीतेंद्र, श्रीदेवी, जयाप्रदा की 'झोंपड़ी में चारपाई' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'ई है बंबई नगरिया' गीत वाली अमिताभ, जीनत की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2663

सूडोकु -2664

2		8	5	1	9	6		7
					8			1
		7	4	6		8		9
3	2				7			8
1		9		4		7		5
4			2				9	3
6		3		5	1	9		
8			3					
7		1	9	2	6	3		4

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2663 का हल

7	1	9	8	5	3	2	6	4
4	5	3	6	2	9	7	1	8
6	2	8	4	7	1	9	5	3
9	8	2	7	3	5	1	4	6
1	3	6	9	4	8	5	7	2
5	7	4	1	6	2	8	3	9
8	4	7	5	9	6	3	2	1
3	6	1	2	8	7	4	9	5
2	9	5	3	1	4	6	8	7

शब्द पहेली - 2664

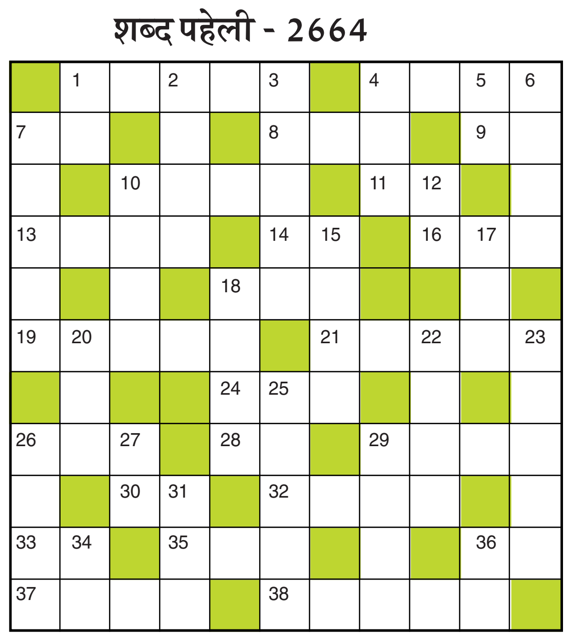

बाएँ से दाएँ

1.अनाथालय-5
4.जैन धर्म के चौबीसवें तीर्थंकर-4
7.कमरा,रूम-2
8.फिजूल-3
9.अंग्रेजी शराब-2
10.अनर्गल (अंग्रेजी-4)
11.लक्ष्मी,कमला-2
13.ध्वनिहीनता,शांति-4
14.देवता,देव-2
16.प्रणाम,नमस्कार-3
18.रुधिरहीन,कमजोर-3
19.प्रस्थान करना-3,2
21.पालने वाला,ईश्वर-5
24.प्रेम,चाहना-3
26.वन,अरण्य,जंगल-3
28.विदेशी मदिरा-2
29.छिड़कना-4
30.धूल,मिट्टी-2
32.अंगीकार करना-4
33.छापा,सतत वर्षा-2
35.विरुद्ध-3
36.सुबह,प्रातःकाल-2
37.जोकर,विदूषक-4
38.संन्यासी,साधु-3,2

ऊपर से नीचे

1.इसके सवाल युधिष्ठर ने हल किये थे -2
2.उदारता,बड़प्पन-4
3.पत्नी का नाना-2,3
4.दसवीं राशि -3
5.बहादुर,निडर-2
6.एक मुस्लिम महीना-4
7.कहानी लेखक-5
10.नाव चलाना-2,2
12.सम्मान-2
15.मारकाट,खून खराबा-4
17.पैगंबर, जीवन रक्षक-3
18.कुकर्म,दुष्कर्म-4
20.गाड़ी,यान-3
22.इंकार करना-4
23.रचना करनेवाला, रचयिता -5
25.जीवनसाथी-5
26.कारोबार,व्यवसाय-4
27.मादा का विलोम-2
29.निर्झरणशील-4
31.ढेर,काफी सारा (उर्दू-3)
34.मजा,आनंद-2
36.भोगने वाला,कामी-2

शब्द पहेली -2663 का हल

छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में 37 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण, इनमें 27 पर था 65 लाख का इनाम

एजेंसी

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में डीवीसीएम, एसीएम कैडर के 37 नक्सलियों ने आज दंतेवाड़ा एसपी गौरव राय के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया है। इनमें 27 नक्सलियों पर 65 लाख रुपये का इनाम घोषित है। इनमें एक एसजेडसीएम कैडर की महिला नक्सली बड़े कैडर के नक्सली कमांडर कमलेश की गार्ड रही है। इन आत्मसमर्पित 37 में से 27 नक्सलियों में 8-8 लाख रुपये के इनामी 4 नक्सली शामिल हैं, जबकि 5 लाख का इनामी एक नक्सली और बाकी कई नक्सलियों पर 2 लाख, 01 लाख और 50 हजार तक के इनाम की घोषणा है। आत्मसमर्पित 37 नक्सलियों में कई ऐसे भी हैं, जो कुछ वर्ष पहले मिनपा में पुलिस पार्टी पर फायरिंग कर 26 जवानों के बलिदान और 20 जवानों को घायल कर हथियार एवं गोला बारुद लूटने की वारदात में शामिल थे। दंतेवाड़ा एसपी गौरव राय ने बताया कि 'पूना मारगेम' पहल इलाके में शांति स्थापित करने की दिशा में एक प्रभावी अभियान बनकर उभरी है। इस मॉडल के जरिए सैकड़ों नक्सली हिंसा छोड़कर सामान्य जीवन अपनाने लगे हैं। उन्होंने कहा कि आत्मसमर्पण करने वाले सभी नक्सलियों को सरकार की पुनर्वास नीति के तहत तुरंत 50-50 हजार रुपये की सहायता दी जाएगी।

रालोमो ने पार्टी की प्रदेश इकाई, सभी जिला इकाइयों और प्रकोष्ठों को तत्काल प्रभाव से किया भंग

पटना। बिहार में नवगठित राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के घटक दलों में से एक राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रालोमो) ने बड़े संगठनात्मक बदलाव करते हुए पार्टी की प्रदेश इकाई, सभी जिला इकाइयों और प्रकोष्ठों को तत्काल प्रभाव से भंग कर दिया गया है। यह निर्णय पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और राज्यसभा सदस्य उपेंद्र कुशवाहा की अध्यक्षता में यहां हुई कोर कमेटी की बैठक में लिया गया। उपेंद्र कुशवाहा की अध्यक्षता में हुई बैठक में मधुबनी से विधायक माधव आनंद सहित आलोक सिंह, रामपुकार सिन्हा, जंगबहादुर सिंह, अंगद कुशवाहा और स्मृति कुमुद सहित अन्य नेता उपस्थित रहे। संगठन में नई ऊर्जा और नई संरचना को आकार देने के उद्देश्य से यह कदम उठाया गया है। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव एवं प्रवक्ता फजल इमाम मल्लिक ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि फिलहाल संगठन को सुचारू रूप से चलाने के लिए पांच सदस्यीय संचालन समिति का गठन किया गया है। समिति की जिम्मेदारी पार्टी के सभी कार्यक्रमों और गतिविधियों के संचालन से लेकर अंतिम संगठनात्मक प्रबंधन तक रहेगी। उन्होंने कहा कि समिति का संयोजक मदन चौधरी को बनाया गया है। सुभाष चंद्रवंशी, प्रशांत पंकज, हिमांशु पटेल और आरके सिन्हा को सदस्य नामित किया गया है।

सांची में महाबोधि महोत्सव के दूसरे दिन निकाली गई अस्थि कलश शोभायात्रा

भोपाल। मध्य प्रदेश के रायसेन जिले में स्थित यूनेस्को विश्व धरोहर सांची में चल रहे चैत्यगिरि विहार के 73वें वार्षिकोत्सव (महाबोधि महोत्सव) के दूसरे दिन अस्थि कलश शोभायात्रा निकाली गई। यह यात्रा दोपहर 2 बजे चैत्यगिरि विहार मंदिर से शुरू हुई, जिसमें वियतनाम, श्रीलंका, जापान, सिंगापुर और अमेरिका से आए हजारों बौद्ध अनुयायी शामिल हुए। महाबोधि सोसायटी द्वारा जिला प्रशासन के सहयोग से यह दो दिवसीय आयोजन किया जा रहा है। महोत्सव के दूसरे दिन चैत्यगिरि विहार मंदिर से भगवान गौतम बुद्ध के परम शिष्य सारीपुत्र और महामोद्गल्यायन की पवित्र अस्थियों की शोभायात्रा निकाली गई। महाबोधि सोसाइटी के तपस्वी स्वामी महाराज ने सारीपुत्र और महामुगलायन के अस्थि कलश को अपने सिर पर रखकर मुख्य स्तूप की परिक्रमा की। इस दौरान विभिन्न देशों से आए बौद्ध अनुयायियों ने 'साधु-साधु' का जयघोष किया। परिक्रमा संपन्न होने के बाद अस्थि कलश को वापस चैत्यगिरि विहार मंदिर में श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ रखा गया। शोभायात्रा के दौरान जिला प्रशासन ने सुरक्षा और यातायात की पुख्ता व्यवस्था की थी। सांची के मुख्य मार्ग पर वाहनों को एक तरफ से निकाला जा रहा था और यातायात पुलिसकर्मी तैनात थे।

राष्ट्रीय अधिवेशन की गंभीर चिंताएं: एक भारत-श्रेष्ठ भारत की राहों में विध्वंसकारी ताकतों के अंत का संकल्प

देहरादून। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) का 71वां राष्ट्रीय अधिवेशन न सिर्फ आत्मनिर्भर भारत की सुंदर तस्वीर सामने रखता है बल्कि देश को प्रगति के पथ से पृथक करने की कोशिश जैसे गंभीर मुद्दे भी रखे गये। इसके अलावा तमिलनाडु में हिन्दी का विरोध, कई प्रांतों में कलमधारी और बंदूकधारी माओवाद, बंगाल में रोहिंग्या व बांग्लादेशी घुसपैठ और भारत के कई प्रांत में राष्ट्रीय शिक्षा नीति का लागू न होने पर चर्चा हुई। राष्ट्र चिंतन का यह महायज्ञ अधिवेशन छात्रों को राष्ट्र उन्नति के पथ पर चलने के लिए प्रेरित करता है। अखिल भारती विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय अधिवेशन के लिए सजे बिरसा मुंडा नगर में प्रवेश करते ही भारत की गंगा-जमुनी तहजीब देखने को मिलती है। नगर में सब कुछ है, भारत की उपलब्धियां, क्रांतिकारी रानी अब्बक्का, भगवान बिरसामुंडा, विवेकानंद के विचार, डॉ हेडगेवार की संगठनात्मक शक्ति, ज्ञान-विज्ञान सब कुछ लेकिन खुला अधिवेशन में कई राष्ट्र की गंभीर चिंता को भी सामने लाया है।

छत्तीसगढ़ में डीजीपी-आईजीपी कॉन्फ्रेंस में प्रधानमंत्री बोले- एआई और डेटा-ड्रिवन सिस्टम से चलेगी पुलिसिंग

एजेंसी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के नवा रायपुर में इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (आईआईएम) में आयोजित तीन दिवसीय डीजीपी-आईजीपी कॉन्फ्रेंस प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि एआई और डेटा-ड्रिवन सिस्टम से पुलिसिंग चलेगी। प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में आयोजित तीन दिवसीय पुलिस महानिदेशकों (डीजीपी), महानिरीक्षकों (आईजीपी) के 60वें अखिल भारतीय सम्मेलन के अंतिम आज रविवार को तीन दिवसीय इस सम्मेलन का विषय 'विकसित भारत: सुरक्षा आयाम' था। सम्मेलन में प्रधानमंत्री ने खासकर युवाओं के बीच पुलिस के प्रति जनता की धारणा बदलने की तत्काल जरूरत पर बल दिया, जिसके लिए दक्षता, संवेदनशीलता और जवाबदेही को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। उन्होंने शहरी पुलिस व्यवस्था को मजबूत करने, पर्यटक पुलिस को फिर से सक्रिय करने और औपनिवेशिक

काल के आपराधिक कानूनों के स्थान पर लागू किए गए नए भारतीय न्याय संहिता, भारतीय साक्ष्य अधिनियम और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के बारे में जन जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया।प्रधानमंत्री मोदी ने राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों की पुलिस और व्यापक प्रशासन को निर्जन द्वीपों को एकीकृत करने के लिए नवीन रणनीतियां अपनाने, राष्ट्रीय खुफिया ग्रिड (नेटग्रिड) के अंतर्गत एकीकृत डेटाबेस का प्रभावी उपयोग करने और कार्रवाई योग्य खुफिया जानकारी प्राप्त करने के लिए इन प्रणालियों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के माध्यम से जोड़ने का निर्देश दिया। उन्होंने विश्वविद्यालयों और शैक्षणिक संस्थानों को पुलिस जांच में फोरेंसिक के उपयोग पर केस स्टडी करने के लिए प्रोत्साहित करने का आह्वान किया, और कहा कि फोरेंसिक के बेहतर अनुप्रयोग से आपराधिक न्याय प्रणाली और मजबूत होगी। प्रधानमंत्री ने प्रतिबंधित संगठनों की नियमित निगरानी के लिए तंत्र स्थापित करने, वामपंथी उग्रवाद से मुक्त क्षेत्रों का समग्र विकास सुनिश्चित करने और तटीय सुरक्षा को मज़बूत करने के लिए नवोन्मेषी मॉडल अपनाने के महत्व पर ज़ोर दिया। प्रधानमंत्री ने इस बात पर ज़ोर दिया कि नशीली दवाओं के दुरुपयोग से निपटने के लिए एक समग्र सरकारी दृष्टिकोण की आवश्यकता है, जिसमें प्रवर्तन, पुनर्वास और सामुदायिक स्तर पर हस्तक्षेप एक साथ किया जाए।

प्रधानमंत्री मोदी से मुख्यमंत्री साय ने परिवार के साथ की मुलाकात, कहा- हमारे लिए जीवनभर याद रहने वाला भावुक क्षण

एजेंसी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में आयोजित तीन दिवसीय 60वें डीजीपी-आईजी कॉन्फ्रेंस के अंतिम दिन छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने परिवार सहित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भेंट की। इस मुलाकात को लेकर मुख्यमंत्री साय ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि 'सत्पुरुषसंसर्गो हि कृतार्थयति जीवनम्'। मुख्यमंत्री ने आगे लिखा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हमारे परिवारजनों से हुई मुलाकात जीवन भर याद रहने वाला प्रेरक

अनुभव है। अपने व्यस्त कार्यक्रम के बीच जिस आत्मीयता से मोदी जी ने सबका हाल-चाल पूछा, बच्चों से सहज होकर बात की और आशीर्वाद दिया, वह अविस्मरणीय है। मुख्यमंत्री ने लिखा कि प्रधानमंत्री के छत्तीसगढ़ प्रवास के दौरान परिवार की तीन पीढ़ियों को एक साथ उनके सान्निध्य में बैठने का अवसर मिला, यह हमारे लिए भावुक कर देने वाला क्षण था। इस गरिमामय और आत्मीय भेंट के लिए प्रधानमंत्री जी के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं।

बरेली के आईवीआरआई को मिली नैक की ए डबल प्लस ग्रेड, पशु चिकित्सा शोध व शिक्षा में रचा इतिहास

एजेंसी

बरेली। उत्तर प्रदेश के बरेली में स्थित भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आईवीआरआई) इज्जतनगर ने एक और बड़ी उपलब्धि अपने नाम की है। राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) ने इस संस्थान को सर्वोच्च ए डबल प्लस ग्रेड प्रदान किया है। यह उपलब्धि इसलिए भी खास है क्योंकि आईसीएआर (भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद) के डीम्ड विश्वविद्यालयों में यह सम्मान पाने वाला आईवीआरआई पहला संस्थान बन गया है। संस्थान ने 4 में से 3.58 का उत्कृष्ट सीजीपीए हासिल कर देश के श्रेष्ठ शैक्षणिक एवं शोध संस्थानों में अपनी स्थिति और मजबूत कर ली है। 2 से 4 जून 2025 तक चली नैक टीम की ऑन साइट जांच में शिक्षण, अनुसंधान, नवाचार, प्रशासन, बुनियादी ढांचे और सामाजिक योगदान जैसे सातों प्रमुख मानदंडों पर आईवीआरआई को शीर्ष प्रदर्शनकर्ता माना गया।संस्थान के निदेशक डॉ. त्रिवेणी दत्त ने कहा कि ए डबल प्लस ग्रेड पूरे संस्थान के वैज्ञानिकों, शिक्षकों, विद्यार्थियों और कर्मचारियों की सामूहिक मेहनत का परिणाम है। यह सिर्फ ग्रेड नहीं, बल्कि पशु चिकित्सा विज्ञान में महावर, एसोसिएट नोडल अधिकारी डॉ. मधु सीएल तथा सभी समिति सदस्यों के समर्पित प्रयासों का परिणाम है। वर्ष 1889 में स्थापित आईवीआरआई देश की पशुधन अर्थव्यवस्था का आधार स्तंभ रहा है।

वैश्विक मानकों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। यह उपलब्धि हमें और अधिक उत्कृष्टता के लिए प्रेरित करती है। संस्थान के संयुक्त निदेशक (शैक्षणिक) डॉ. एसके मेंदीरत्ता ने कहा कि यह सफलता निदेशक डॉ. दत्त के दूरदर्शी नेतृत्व, आईक्यूएसी समन्वयक डॉ. मनीष आधुनिक प्रयोगशालाओं, समृद्ध पुस्तकालय, अत्याधुनिक पशु प्रक्षेत्र और शोध उपलब्धियों के कारण यह लगातार पशु स्वास्थ्य, जैव सुरक्षा और उन्नत अनुसंधान में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। नैक की सर्वोच्च ग्रेडिंग ने इसे एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित कर दिया है।

मध्य प्रदेश के 6 जिलों ने एसआईआर का काम शत प्रतिशत पूर्ण

एजेंसी

भोपाल। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर मध्य प्रदेश में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के अंतर्गत गणना पत्रकों के डिजिटलाइजेशन का कार्य तेज गति से जारी है। अभी तक मध्य प्रदेश के छह जिलों अशोक नगर, नीमच, बैतूल, गुना, मंडला और सीहोर जिले ने एसआईआर का काम शत प्रतिशत पूरा कर लिया है। यह जानकारी प्रदेश के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी (सीईओ) संजीव कुमार झा ने दी। सीईओ झा ने सभी शासकीय सेवकों और नागरिकों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि यह उपलब्धि सभी के समन्वित प्रयास और अथक परिश्रम से ही संभव हुई है। उन्होंने कहा कि रविवार शाम तक 5 करोड़ 33 लाख से अधिक गणना पत्रकों का डिजिटलाइजेशन पूरा हो चुका है, जो कुल कार्य का लगभग 93 प्रतिशत है। उन्होंने बताया कि प्रदेश के 39 अन्य जिलों ने 95 प्रतिशत से अधिक कार्य पूरा कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। इसके अलावा प्रदेश के 5 जिलों में 92 फीसद से अधिक कार्य पूर्ण हो चुका है। उन्होंने डिजिटलाइजेशन में लगे सभी शासकीय सेवकों, बीएलओ तथा सहयोगी नागरिकों के समन्वित प्रयास निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि संशोधित कार्यक्रम के अनुसार मध्य प्रदेश में एसआईआर की प्रक्रिया अब 14 फरवरी 2026 तक चलेगी। इसके अनुसार अब 11 दिसम्बर 2025 तक

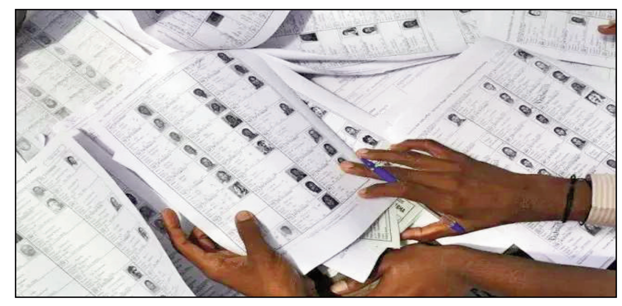

की सराहना की जिसके चलते निर्धारित समय से पहले ही कार्य पूर्णता की ओर है। उन्होंने कहा कि इसी प्रेरणा और समन्वय से प्रदेश के सभी जिलों में शत-प्रतिशत कार्य शीघ्र पूरा कर लिया जाएगा। इधर, प्रदेश में चल रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की भारत निर्वाचन आयोग ने समय सीमा बढ़ा दी है। इस संबंध में आयोग ने निर्देश भी जारी कर दिए हैं। मुख्य एन्युमरेशन फार्म भरने का काम बीएलओ द्वारा किया जाएगा। 16 दिसंबर को मतदाता सूची के प्रारूप का प्रकाशन होगा। 16 दिसंबर से 15 जनवरी 2026 तक दावा आपत्तियों के आवेदन लिए जाएंगे। 16 दिसंबर से 7 फरवरी 2026 तक दस्तावेजों का सत्यापन किया जाएगा। इसके बाद 14 फरवरी 2026 को फाइनल मतदाता सूची का प्रकाशन होगा।

धर्मांतरण व नशे के माध्यम से फिर प्रहार करेंगे विदेशी, हमें सतर्क व चैतन्य रहना होगा : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

एजेंसी

झज्जरः उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री व गोरक्षपीठाधीश्वर महंत योगी आदित्यनाथ ने साधु-संतों के समक्ष दो बातें रखीं और समाज को चेताया। उन्होंने आगाह किया कि जब स्वर्णयुग आता है तो चैतन्य व सतर्क रहने की प्रेरणा देता है। जब भारत का स्वर्णयुग आया था तब विदेशी हमले होने भी प्रारंभ हो गए थे। हमें फिर से सतर्क रहना होगा। आज भी धर्मांतरण व नशा के माध्यम से हमला होगा और इसके पीछे विदेशियों का हाथ होगा। कोई भी सनातन विरोधी कार्य स्वीकार नहीं होना चाहिए। भारत, विश्व मानवता और चराचर जगत की रक्षा के लिए सनातन धर्म की रक्षा आवश्यक है। सनातन तभी सुरक्षित रहेगा, जब हम एक रहेंगे। बंटना नहीं है, बंटेंगे तो कटेंगे। जब-जब बंटे हैं, तब-तब यही हुआ है। जाति, तुष्टिकरण, क्षेत्र, भाषा के नाम पर बंटना नहीं है, बल्कि अयोध्या

रामजन्मभूमि पर जैसे धर्मध्वजा फहरा रही है, वैसे ही एकजुट होकर भारत के सनातन धर्म की ध्वजा पताका हर सनातनी के घर पर लहराती दिखनी चाहिए। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री व गोरक्षपीठाधीश्वर महंत योगी आदित्यनाथ ने साधु-संतों के समक्ष दो बातें रखीं और समाज को चेताया। उन्होंने आगाह किया कि जब स्वर्णयुग आता है तो चैतन्य व सतर्क रहने की प्रेरणा देता है। जब भारत का स्वर्णयुग आया था तब विदेशी हमले होने भी प्रारंभ हो गए थे। हमें फिर से सतर्क रहना होगा। आज भी धर्मांतरण व नशा के माध्यम से हमला होगा और इसके पीछे विदेशियों का हाथ होगा। कोई भी सनातन विरोधी कार्य स्वीकार नहीं होना चाहिए। भारत, विश्व मानवता और चराचर जगत की रक्षा के लिए सनातन धर्म की रक्षा आवश्यक है। सनातन तभी सुरक्षित रहेगा, जब हम एक रहेंगे। बंटना नहीं है, बंटेंगे तो कटेंगे। जब-जब बंटे हैं, तब-तब यही हुआ है। जाति, तुष्टिकरण, क्षेत्र, भाषा के नाम पर बंटना नहीं है, बल्कि अयोध्या रामजन्मभूमि पर जैसे धर्मध्वजा फहरा रही है, वैसे ही एकजुट होकर भारत के सनातन धर्म की ध्वजा पताका हर सनातनी के घर पर लहराती दिखनी चाहिए। मुख्यमंत्री व गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ कबलाना गांव में बाबा पालनाथ आश्रम में मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा समारोह व आठ मान का भव्य भंडारा में सम्मिलित हुए।

मप्र के बालाघाट के जंगल से विस्फोटक-कारतूस समेत नक्सलियों की डंप सामग्री बरामद

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले में किरनापुर थाना क्षेत्र के जंगलों में सुरक्षाबलों को नक्सल विरोधी अभियान में बड़ी सफलता मिली है। पुलिस की संयुक्त टीम ने सिरका-मोजाडेरा और अलीटोला के जंगलों से दो अलग-अलग स्थानों पर छिपाकर रखे गए नक्सलियों डंप की सामग्री को बरामद किया है। नक्सलियों ने जमीन के भीतर दैनिक उपयोग की वस्तुएं, मेडिकल उपकरण, दवाइयां, बीजीएल (बैरल ग्रेनेड लांचर) के सेल, विस्फोटक और कारतूस समेत कई सामग्री छिपाकर रखी थी, जिन्हें सर्चिंग के दौरान बरामद किया गया है।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आदर्शकांत शुक्ला ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि जिले के जंगलों में नक्सलियों सक्रियता की जानकारी मिली थी। इसी आधार पर हॉकफोर्स, सीआरपीएफ, कोबरा, जिला पुलिस बल और बीडीडीएस की टीमों ने जंगलों में सर्चिंग अभियान चलाया। सर्चिंग के दौरान उठी हुई जमीन को बीडीडीएस टीम की मदद से जांचा गया। जांच में नीले रंग का एक ड्रम जमीन में दबा हुआ मिला। उसमें दैनिक जरूरत की सामग्री, माओवादी साहित्य, विभिन्न दवाएं (टैबलेट), इंजेक्शन, ओआरएस, कॉटन, सीरिंज, मल्टीविटामिन, ब्लड प्रेशर मॉनिटर और बीजीएल के सेल बरामद हुए। इस बरामदगी के बाद मलाजखंड दलम के एक दर्जन से ज्यादा नामजद नक्सलियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

काशी-तमिल संगमम 4.0 : उद्घाटन समारोह में शामिल होंगे केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान एवं सीएम योगी

एजेंसी

वाराणसी। काशी और तमिलनाडु की प्राचीन सांस्कृतिक विरासत को जोड़ने वाले कार्यक्रम काशी-तमिल संगमम 4.0 की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग के संयुक्त सचिव (तकनीकी शिक्षा एवं साक्षरता) गोविंद जायसवाल ने काशी हिन्दू विश्वविद्यालय स्थित एलडी गेस्ट हाउस में पत्रकारों को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस वर्ष संगमम दो चरणों में आयोजित होगा। प्रथम चरण 2 से 15 दिसंबर तक वाराणसी (काशी) में तथा द्वितीय चरण 15 से 31 दिसंबर तक तमिलनाडु में यह कार्यक्रम होगा। प्रथम चरण के उद्घाटन समारोह में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान मुख्य अतिथि होंगे, जबकि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। इसके अलावा, तमिलनाडु के राज्यपाल आर.एन. रवि तथा पुदुच्चेरी के उपराज्यपाल के. कैलासनाथन को भी कार्यक्रम के लिए आमंत्रित किया गया है।संयुक्त सचिव गोविंद जायसवाल ने बताया कि तमिलनाडु से सात प्रतिनिधि समूह काशी आएंगे। वहीं, दूसरे चरण में बनारस के लगभग 300 छात्र

तमिलनाडु भेजे जाएंगे। इसके अलावा तमिलनाडु के 50 शिक्षक काशी में विद्यालयों के विद्यार्थियों को तमिल भाषा, संस्कृति और परंपराओं का परिचय देंगे। उन्होंने बताया कि इस वर्ष संगमम का मुख्य विषय है- 'तमिल सीखें-तमिल करकलम '। इसका उद्देश्य भाषाई, सांस्कृतिक और शैक्षिक आदान-प्रदान के माध्यम से भारत की विविधता में एकता की भावना को मजबूत करना है। तमिलनाडु और काशी की प्राचीन सभ्यता, लोक कलाएं, धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराएं, साझा चिंतन और संवाद की संस्कृति- ये सब मिलकर भारत की समृद्ध विरासत का प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि काशी-तमिल संगमम 4.0 सिर्फ एक सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं है। यह एक राष्ट्रीय आंदोलन है जो एक भारत-श्रेष्ठ भारत की मूल भावना को जीवंत करता है। इस मंच के माध्यम से तमिलनाडु और उत्तर भारत के युवा, विद्यार्थी, शिक्षक एवं आम नागरिक एक-दूसरे से जुड़ेंगे।

बिहार के गयाजी एयरपोर्ट पर 7 विदेशी महिलाओं को एक्सपायर वीज़ा के साथ प्रवेश करने पर रोका गया

पटना/गयाजी। बिहार के गयाजी स्थित अन्तर्राष्ट्रीय हवाईअड्डे पर 07 विदेशी महिला को एक्सपायर विजा लेकर दाखिल होने के जुर्म में एयरपोर्ट पर ही रोक लिया गया है। एयरपोर्ट प्रभारी निदेशक के अनुसार, मलेशिया के 5, जबकि सिंगापुर और थाईलैंड के दो यात्री हैं। सभी थाई एयर एशिया और थाई एयरवेज विमान से गयाजी पहुंचे थे। इनके पास एक्सपायर वीजा है। सभी महिला यात्री को एयरपोर्ट में रोका गया है। इमिग्रेशन डिपार्टमेंट के द्वारा इन सभी यात्रियों को एक्सपायर वीजा के साथ पाए जाने के बाद गया एयरपोर्ट से बाहर निकलने की अनुमति नहीं दी गई। इमिग्रेशन काउंटर पर छानबीन के दौरान यह मामला सामने आते ही कार्रवाई की गई। माना जा रहा है कि इन सभी को वापस थाईलैंड भेजा जाएगा या फिर वैकल्पिक कार्रवाई की जाएगी।

अभाविप का तीन दिवसीय 71 वां राष्ट्रीय अधिवेशन संपन्न

अभाविप अधिवेशन में बांग्लादेशी घुसपैठ सहित कुल पांच प्रस्ताव पारित -यह राष्ट्रीय अधिवेशन राष्ट्र निर्माण का एक पवित्र यज्ञ है: मुख्यमंत्री

एजेंसी

देहरादून। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) का तीन दिवसीय 71वां राष्ट्रीय अधिवेशन 28 से 30 नवंबर के मध्य देवभूमि उत्तराखंड के द्रोणनगरी के परेड ग्राउंड पर बसाए गए भगवान बिरसा मुंडा नगर' में आयोजित हुआ। अधिवेशन में समाज, शिक्षा, पर्यावरण,सुरक्षा और समाज परिवर्तन का वाहक बने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर गहन मंथन के पश्चात प्रस्ताव पारित किए गए। अधिवेशन में लघु भारत, अनेकता में एकता और विभिन्न राज्यों की सांस्कृतिक विरासत के दर्शन करने के अवसर के साथ ही विकसित भारत और युवा भविष्य को लेकर कई ऐतिहासिक अनुभवों का गवाह बना और भारत की गंगा-जमुनी तहजीब देखने को मिली।

राष्ट्रीय अधिवेशन के अंतिम दिवस पर 'पर्याप्त वित्तीय आवंटन सहित सभी शैक्षणिक संस्थानों को एक संरचना के अंतर्गत लाने की आवश्यकता','बांग्लादेशी घुसपैठः राष्ट्रीय सुरक्षा एवं लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए

चुनौती','मानवीय क्रियाकलापों से उत्पन्न प्राकृतिक आपदाओं के निवारण के लिए समाज की भूमिका', और 'विभाजनकारी ताकतों के विरुद्ध संगठित समाज ही समाधान' विषयक इन चार प्रस्तावों को प्राप्त सुझावों के अनुसार संशोधन के उपरांत पारित किया गया। कुल पांच प्रस्ताव प्रस्तुत किए गए थे,जिनमें से 'समाज परिवर्तन का वाहन बने युवा' प्रस्ताव को राष्ट्रीय कार्यकारी परिषद की बैठक में पूर्व ही पारित किया जा चुका था। इसके उपरांत प्रो. यशवंतराव केलकर पुरस्कार समारोह आयोजित हुआ और अंत में अभाविप की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की घोषणा की गई। देवभूमि उत्तराखंड में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के 71 वें राष्ट्रीय अधिवेशन के अंतर्गत प्रा. यशवंतराव केलकर युवा पुरस्कार समारोह में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस पुरस्कार से गोरखपुर के श्रीकृष्ण पाण्डेय को पुरस्कृत किया। श्रीकृष्ण पांडेय 'आजाद' 'स्माइल रोटी बैंक फाउंडेशन' के संस्थापक हैं और दो हजार से अधिक निराश्रित मनोरोगियों के उपचार-पुनर्वास, बाल भिक्षावृत्ति उन्मूलन, नशामुक्ति, स्वच्छता-पर्यावरण संरक्षण और दो पुनर्वास केंद्रों के संचालन के माध्यम से समाजसेवा में उल्लेखनीय योगदन दिया है। प्रा.यशवंतराव केलकर युवा पुरस्कार प्राप्तकर्ता श्रीकृष्ण पाण्डेय 'आजाद' ने कहा कि एक लाख रुपये की निधि को मैं भारतीय मनोरोगियों की सेवा के लिए यहीं समर्पित करता हूं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस अधिवेशन में भारत के विभिन्न राज्यों के साथ-साथ हमारे पड़ोसी देश नेपाल से भी बड़ी संख्या में परिषद के कार्यकर्ता भाग ले रहे हैं।

हिड़मा की मौत के बाद छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग में नक्सलवाद खात्मे की कगार पर

एजेंसी

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ का बस्तर संभााग पिछले चार दशक से नक्सलियों के आतंक का गढ़ रहा है। हिड़मा, बसवाराजू जैसे शीर्ष नक्सली कैडरों के मारे जाने के बाद बस्तर से नक्सलवाद अब खत्म होने की कगार पर है। पिछले डेढ़ सालों में जवानों ने 14 से अधिक शीर्ष नक्सली कैडर को मुठभेड़ में ढेर कर दिया है। हिड़मा की मौत के बाद बस्तर में नक्सली संगठन पूरी तरह से टूट गया है। भूपति, रूपेश के आत्मसमर्पण के बाद अब चैतू ने भी हथियार के साथ आत्मसमर्पण कर दिया है। आंध्र-तेलंगाना के कई शीर्ष नक्सली कैडरों ने भी आत्मसमर्पण कर दिया है। अब देवजी, गणपति, मिशिर बेसरा, पापा राव, गणेश उइके और बारसे देवा जैसे कुछ चुनिंदा 9 बड़े नक्सली कैडर ही बचे हुए हैं। यदि बाकी बचे 9 बड़े शीर्ष नक्सली कैडर आत्मसमर्पण कर देते हैं या फिर इनका मुठभेड़ हो जाती है तो बस्तर से नक्सलवाद का सफाया होना तय है। इनके आत्मसमर्पण, मुठभेड़ या गिरफ्तारी के बाद बस्तर में नक्सल संगठन को चलाने वाला कोई भी शीर्ष नक्सली कैडर नहीं बचेगा। निचले कैडर्स के कुछ नक्सली बचेंगे, लेकिन नेतृत्व खत्म होने से वे भी हिंसा का रास्ता छोड़ने मजबूर हो जाएंगे। ऐसा माना जा रहा है।

सुरक्षाबलों को बाकी बचे जिन शीर्ष नक्सली कैडरों की तलाश है, उनमें ये शामिल हैं- 1. थिप्परी तिरुपति उर्फ देवजी, नक्सल संगठन महासचिव और पोलित ब्यूरो मेंबर, 01 करोड़ का इनामी। 2. मुपल्ला लक्ष्मण राव उर्फ गणपति, पोलित ब्यूरो और सेंट्रल कमेटी का सलाहकार, 01 करोड़ का इनामी। 3. मिशिर बेसरा उर्फ भास्कर, पोलित ब्यूरो मेंबर, इआरबी इंचार्ज, 01 करोड़ का इनामी। 4. गणेश उइके उर्फ राजेश तिवारी, सेंट्रल कमेटी सदस्य और ओडिशा स्टेट कमेटी सचिव, 40 लाख का इनामी। 5. संग्राम, सेंट्रल कमेटी मेंबर और ओडिशा स्टेट प्रभारी, 40 लाख का इनामी। 6. रामदेर, सीसीएम, 40 लाख का इनामी। 7. पापा राव उर्फ मंगू उर्फ अशोक, डीकेएसजेडसीएम, सचिव पश्चिम बस्तर डिवीजन कमेटी, 25 लाख का इनामी। 8. मंगतू उर्फ लाल सिंह, डीकेएसजेडसीएम, प्रभारी कम्युनिकेशन डिपार्टमेंट, 25 लाख का इनामी। 9. बारसे देवा उर्फ सुक्का, सीजेडसीएम, प्रभारी पीएलजीए बटालियन नंबर 1, जिस पर 25 लाख का इनाम घोषित है।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जीत के बाद केएल राहुल ने 'रो-को' की जोड़ी को सराहा, हर्षित राणा पर जताया भरोसा

रांची (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका पर अपनी टीम की कड़ी जीत के बाद, भारतीय कप्तान केएल राहुल ने स्वीकार किया कि रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे दिग्गजों को इतनी स्वतंत्रता के साथ क्रिकेट खेलते देखना मजेदार था और उन्होंने नई गेंद से तेज गेंदबाज हर्षित राणा के प्रदर्शन की भी सराहना की और उन्हें विशेष और संभावनाओं से भरपूर कहा। 'रो-को' का जश्न सिडनी में जहां से रुका था, वहीं से जारी रहा और रांची के दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया, जिसमें विराट ने अपना 52वां वनडे शतक बनाया और रोहित ने सर्वाधिक वनडे छक्कों का रिकॉर्ड तोड़ा।

हर्षित राणा के नई गेंद के तेज स्पैल के बावजूद, प्रोटियाज टीम मैथ्यू ब्रीट्ज़के, मार्को जेनसन और कॉर्बिन बॉश के अर्धशतकों की बदौलत 11/3 के खराब स्कोर से खेल में वापसी करने में सफल रही, लेकिन कुलदीप यादव के चौके की बदौलत वे जीत से 17 रन दूर रह गए। मैच के बाद बोलते हुए, केएल ने स्वीकार किया कि 350 रनों के इतने तनावपूर्ण बचाव के दौरान उनके पेट में कुछ घबराहट हो रही थी। उन्होंने कहा कि अगर मैं कहूँ कि बिल्कुल भी घबराहट नहीं हुई (दक्षिण अफ्रीका द्वारा पीछा किए जाने के दौरान कोई घबराहट?) तो मैं झूठ बोलूँगा। कुछ समय बाद एकदिवसीय क्रिकेट खेलना और फिर से देश की कप्तानी करना - खुद से एक उम्मीद है। पूरे समय शांति का माहौल था, लेकिन उन्होंने हमें दबाव में रखा और लगातार कड़ी मेहनत करते रहे - यह रोमांचक था।

रोहित और विराट के बारे में बोलते हुए, उन्होंने कहा, ÷उन्हें (कोहली और रोहित) इस तरह खेलते हुए, उस आज़ादी के साथ खेलते हुए देखना हमेशा मज़ेदार होता है, उन्होंने अपने पूरे करियर में यही किया है। मैं यह लंबे समय से देख रहा हूँ। मेरे लिए, ड्रेसिंग रूम में उनका साथ बहुत मज़ेदार है।÷ हर्षित के बारे में, राहुल ने कहा कि उनकी लंबाई और रन बनाने की क्षमता के कारण टीम उन्हें ढूंढ रही थी, और वह अभी भी विकास कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि हर्षित ने वाकई बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। ड्रेसिंग रूम में आते ही मुझे पता चल गया था कि वह ख़ास है। वह ऐसा खिलाड़ी है जिसकी टीम को तलाश थी। वह अभी भी विकास कर रहा है, लेकिन उसमें काफ़ी क्षमता है। केएल ने छठे नंबर पर बल्लेबाज़ के रूप में अपनी नई भूमिका को अपने 'व्यक्तिगत विकास' के लिए अच्छा बताया। उन्होंने निष्कर्ष निकाला कि खेल के बारे में सोचते रहो और बेहतर होने की कोशिश करते रहो।

इस मैच में, दक्षिण अफ्रीका ने भारत को पहले बल्लेबाज़ी के लिए आमंत्रित किया।

यशस्वी जायसवाल 16 गेंदों में 18 रन बनाकर शानदार शुरुआत के बाद आउट हो गए, जबकि रोहित (51 गेंदों में 57 रन, पाँच चौकों और तीन छक्कों की मदद से) और विराट ने दूसरे विकेट के लिए 136 रनों की साझेदारी करके रांची के दर्शकों का मन मोह लिया। मध्यक्रम में भारत की लय बिगड़ गई, रोहित, रुतुराज गायकवाड़ (8) और वाशिंगटन सुंदर (13) जल्दी-जल्दी आउट हो गए और भारत का स्कोर 200/4 हो गया।

रोहित की शाहिद अफरीदी से तुलना नहीं की जा सकती : अतुल वासन

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर अतुल वासन ने कहा है कि रोहित शर्मा और शाहिद अफारीदी की तुलना नहीं की जा सकती है। रोहित ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले ही एकदिवसीय मैच में तीन छक्के लगाते ही अफरीदी के सबसे अधिक छक्कों का रिकार्ड तोड़ दिया था। रोहित ने इस मैच में 51 गेंदों पर 5 चौकों के साथ ही 3 छक्के लगाकर 57 रन बनाये थे। वहीं रोहित के छक्कों के इस रिकॉर्ड की तुलना अफरीदी से किये जाने पर इस पूर्व किकेटर ने कहा कि यह तो सेब की तुलना संतरे से करने जैसा है। रोहित 352 छक्के 269 पारियों में लगाये जबकि शाहिद अफरीदी ने 351 छक्के 369 पारियों में लगाये थे। ये रोहित की तुलना में 100 पारियां ज्यादा है।

वासन ने कहा कि रोहित के रिकॉर्ड की तुलना अफरीदी से करना सही नहीं है, क्योंकि रोहित ने इसे सलामी बल्लेबाज के तौर पर 100 पारियां कम खेलकर हासिल कर लिया। इससे उनका प्रभाव पता चलता है। वहीं अफरीदी की भूमिका बाद में आकर फिनिश करना और स्लॉग करना था। लेकिन एक ओपनर के तौर पर, 100 कम पारियों को खेलकर इतना बड़ा रिकॉर्ड बनाना, यह दिखाता है कि उन्होंने भारतीय टीम के लिए कितना प्रभाव किया बताया है।

रोहित की बड़े शॉट मारने और एक सलामी बल्लेबाज के तौर पर मजबूत स्ट्राइक रेट बनाए रखने की क्षमता उनकी सफलता और भारत की जीत पर उनके सकारात्मक प्रभाव को दिखाती है। वासन ने कहा की रोहित ने पारी की तेजी से शुरुआत करते हुए भारतीय टीम की जीत के लिए आधार बनाया है।

बीसीसीआई के बाद विराट ने भी संन्यास से वापसी की अटकलों को खारिज किया

–एक ही प्रारुप खेलूंगा

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने कहा है कि वह अब केवल एकदिवसीय प्रारुप ही खेलेंगे और टेस्ट में वापसी करने का उनका कोई इरादा नहीं है। इससे पहले भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने भी विराट के एक फिर टेस्ट खेलने की संभावनाओं को गलत बताया था। भारतीय टीम की दक्षिणअफ्रीका से के खिलाफ टेस्ट सीरीज में 0-2 से करारी हार को देखते हुए ये अटकलें लगायी जा रही थीं कि विराट संन्यास से वापसी कर सकते हैं। ये भी कहा जा रहा था कि बीसीसीआई कोहली से उनके टेस्ट क्रिकेट से संन्यास के फैसले को बदलने के लिए भी बात करने की योजना बना रहा था। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कहा, विराट के संन्यास से वापसी की बातें केवल एक अफवाह है। इस बारे में कोहली से कोई बातचीत नहीं हुई है। आधारहीन बातों को न फैलाएं ऐसा कुछ नहीं हुआ है। विराट ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के पहले ही मैच में शानदार शतक लगाया इसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड दिया गया। वहीं तक विराट से जब पूछा गया कि वह आगे भी क्या सिर्फ एक ही प्रारुप में खेलते नजर आएंगे? तो इसके जवाब में उन्होंने कहा, 'हां, हमेशा ऐसा ही होगा। मैं तो बस एकदिवसीय ही खेलूंगा।'

ऐस में देखना होगा कि टीम प्रबंधन एकदिवसीय विश्वकप 2027 को लेकर क्या योजना बनाता है। अब तक के अनुममानों से दिख रहा है कि प्रबंधन रोहित और विराट को अगले विश्व कप के लिए टीम का हिस्सा नहीं मानता है। कोहली और ने इस साल इंग्लैंड दौरे से पहले ही टेस्ट से संन्यास ले लिया था।

गावस्कर ने विराट को एकदिवसीय का महानतम बल्लेबाज बताया

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने विराट कोहली की जमकर प्रशंसा करते हुए उन्हें अब तक का सबसे महान एकदिवसीय क्रिकेटर करार दिया है। उन्होंने कहा कि विराट के 52 शतक बताते है कि वह एकदिवसीय प्रारुप में कितने बेहतरीन खिलाड़ी हैं। विराट ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले ही एकदिवसीय में 135 रनों की पारी खेलने के साथ ही इस प्रारुप में सबसे अधिक शतक का रिकार्ड भी अपने नाम किया है।

गावस्कर ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि इसमें कोई संदेह नहीं है। मेरा मतलब है कि यह केवल मैं नहीं सोचता हूं। मुझे लगता है कि जो लोग विराट के साथ और उनके खिलाफ खेले हैं वे सभी इस बात को जानते हैं कि वह एकदिवीय प्रारूप का सबसे महान खिलाड़ी है।' उन्होंने कहा, विराट ने 52 शतक बनाए हैं। ये आंकड़ा उसे बहुत ऊपर ले जाता है।' यहां तक कि ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान और दिग्गज बल्लेबाज रिकी पोंटिंग भी कोहली की क्षमताओं का लोहा मानते हैं।

गावस्कर ने कहा, 'पोंटिंग ने कहा हैं उन्होंने जिन बल्लेबाजों को देखा है उनमें कोहली एकदिवसीय क्रिकेट में सर्वश्रेष्ठ हैं। मेरा मतलब है कि जब कोई ऑस्ट्रेलियाई कप्तान कहता है कि कोहली सबसे अच्छे हैं तो मुझे नहीं लगता कि तब इसमें किसी को कोई संदेह होना चाहिये। हर कोई इस बात से सहमत होगा कि किसी ऑस्ट्रेलियाई से तारीफ काफी कम मिलती है।' गावस्कर ने कहा कि सचिन तेंदुलकर के 51 एकदिवसीय शतक के रिकॉर्ड को पार कर विराट ने अपने को साबित कर दिया है। उन्होंने कहा, 'आप अब तक सचिन 51 शतक के साथ शीर्ष पर थे पर जब आप महान सचिन जैसे महान खिलाड़ी को पीछे छोड़ देते हैं तो आपको पता चलता है कि आप कहां खड़े हैं।'

गावस्कर ने दक्षिण अफ्रीका के कोच शुक्री कॉनराड की भारतीय टीम को घुटने पर लाने वाली टिप्पणी की आलोचना की है। उन्होंने कहा, 'यह एक गलत सलाह वाली टिप्पणी हो सकती है।गलत समय, गलत जगह। मुझे उम्मीद है कि अगली बार मीडिया से बात करते हुए वह ध्यान रखेंगे हालांकि मुझे नहीं लगता कि उन्हें माफी मांगने की जरूरत है। मैं निजी तौर पर माफी में विश्वास नहीं रखता।' गावस्कर ने कहा, 'पर अपनी गलती को स्वीकार करना चाहिये। ऐसी चीजें होती ही रहती हैं। जोश में आकर आप कभी-कभी कुछ ऐसा कह देते हैं।'

उनादकट मुश्ताक अली टूर्नामेंट में सबसे अधिक विकेट लेने वाले खिलाड़ी बने

अहमदाबाद । सौराष्ट्र के कप्तान जयदेव उनादकट ने दिल्ली के खिलाफ हुए सैयद मुश्ताक अली क्रिकेट टूर्नामेंट के मैच में एक अहम रिकार्ड अपने नाम किया है। उनादकट इस मैच में दिल्ली के कप्तान नितीश राणा का विकेट लेते ही मुश्ताक अली ट्रॉफी में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज़ बन गये। उनादकट के नाम अब 121 विकेट हो गये हैं और उन्होंने पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज़ सिद्धार्थ कौल 120 विकेट को पीछे छोड़ दिया है। सिद्धार्थ ने 12 साल में 87 मैच खेलकर 120 विकेट लिए थे। वहीं, उनादकट ने अपने 83वें मैच में ही ये रिकॉर्ड तोड़ दिया। अब उनके नाम 121 विकेट हो चुके हैं। गौरतलब है कि इस टूर्नामेंट के इतिहास में अब तक 100 या उससे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज़ों की संख्या केवल छह है। उनादकट और कौल के अलावा सूची में पियूष चावला 113 विकेट, लुकमान मेरिवाला 108 विकेट, चामा मिलिंद107 विकेट, आकाश चौधरी 102 विकेट हैं। मैच की बात करें तो दिल्ली ने चार विकेट पर 207 रन बनाये। इसो बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए सौराष्ट्र 198 रन ही बना पायी और उसे हार का सामना करना पड़ा।

विराट, रोहित के भविष्य पर अभी बात करने की जरुरत नहीं : कोटक

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने कहा है कि बल्लेबाज रोहत शर्मा और विराट कोहली अभी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और इनके भविष्य के बारे में अभी बात करने की कोई जरुरत नहीं है। विराट ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले ही एकदिवसीय मैच में 135 जबकि रोहित ने 57 रन बनाये थे। हाल के समय में इन दोनो के ही करियर और 2027 एकदिवसीय विश्वकप में खेलने को लेकर आशंकाएं जाहिर की जाती रही हैं। माना जा रहा है कि ये दोनो ही विश्वकप के लिए टीम की योजनाओं का हिस्सा नहीं हैं। वहीं कोटक ने इसी को लेकर कहा, 'मुझे नहीं पता कि हमें इन सब चीजों पर ध्यान देने की जरूरत क्यों है। विराट वाकई शानदार बल्लेबाजी कर रहे हैं। मुझे नहीं लगता कि उनके भविष्य को लेकर कोई बात करनी चाहिए। जिस तरह से वह बल्लेबाजी कर रहे हैं, वह कमाल है। जिस तरह से वह प्रदर्शन कर रहे हैं, अपनी फिटनेस बनाए रखते हैं, किसी भी चीज पर कोई सवाल नहीं उठता।' कोटक ने साथ ही कहा, 'पहले एकदिवसीय में उनकी पारी शानदार थी। उन्होंने सिर्फ एकदिवसीय बल्कि सभी प्रारुपों में अच्छा प्रदर्शन किया है। यह उनका 52वां एकदिवसीय शतक था, वह वाकई शानदार खिलाड़ी हैं. उन्होंने जिम्मेदारी ली और जिस तरह से बल्लेबाजी की, वह बहुत अच्छा था।' कोहली ने मैच के बाद कहा, 'मैंने 300 से ज्यादा एकदिवसीय मैच खेले हैं और पिछले 15-16 सालों में काफी क्रिकेट खेली है। जैसा कि मैंने कहा, अगर आप खेल के संपर्क में हैं और जब आप प्रैक्टिस में गेंदें मार रहे हैं, आपके रिफ्लेक्सेस हैं, आपकी शारीरिक क्षमता है लंबी बल्लेबाजी करने की।' वहीं रोहित ने भी पहले ही मैच में जबरदस्त शुरुआत दी।

एफआईएच जूनियर विश्व कप : स्विट्ज़रलैंड के खिलाफ कमजोरियां दूर करना चाहेगा भारत

मदुरै (एजेंसी)। भारतीय टीम बेहतरीन फार्म में चल रही है लेकिन अभी तक उसे असली चुनौती का सामना नहीं करना पड़ा है और ऐसे में वह मंगलवार को यहां एफआईएच जूनियर पुरुष विश्व कप हॉकी टूर्नामेंट के नाकआउट चरण से पहले अपने अंतिम ग्रुप लीग मुकाबले में स्विट्जरलैंड के खिलाफ जीत की लय जारी रखने और अपने कमजोर पक्षों को दूर करने की कोशिश करेगी।

भारत और स्विट्जरलैंड दोनों ही पूल बी में दो-दो मैच जीतकर अजेय हैं, लेकिन भारतीय टीम बेहतर गोल अंतर के आधार पर तालिका में शीर्ष पर है। चेन्नई में पहले दो मैच में भारतीय टीम ने गोल की बरसात करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। उसने पहले मैच में चिली को 7-0 से और फिर ओमान को 17-0 से हराया। दूसरी ओर स्विट्जरलैंड ने ओमान को 4-0 से हराया और फिर चिली पर 3-2 से जीत हासिल की।

भारतीय टीम से उम्मीद की जा रही है कि वह अपना विजय अभियान जारी रखकर नॉकआउट से पहले बड़ी जीत हासिल करने की कोशिश करेगी। लेकिन नॉकआउट चरण से पहले भारत के लिए कुछ चिंताएं बनी हुई हैं। पहले दो मैचों में भारतीय रक्षापंक्ति की ज्यादा परीक्षा नहीं हुई क्योंकि गोलकीपर प्रिंस दीप सिंह और बिक्रमजीत सिंह को किसी तरह की खास चुनौती का सामना नहीं करना पड़ा।

कप्तान रोहित की अगुवाई में रक्षापंक्ति भी टूर्नामेंट के अंतिम चरण में अधिक सक्रिय रहना चाहेगी। भारत के लिए चिंता का एक अन्य क्षेत्र पेनल्टी कॉर्नर पर गोल नहीं कर पाना है। टीम के मुख्य ड्रैगफ्लिकर कप्तान रोहित को अपने खेल में सुधार करना होगा। ऐसा नहीं है कि भारत ने पेनल्टी कॉर्नर से गोल नहीं किए, लेकिन अधिकतर गोल वैरिएशन और रिबाउंड से किए गए।

पहले दो मैचों में भारत के प्रदर्शन के लिए सबसे उत्साहजनक पहलू उसकी मध्य पंक्ति और अग्रिम पंक्ति का प्रदर्शन रहा। दिलराज सिंह अभी तक छह गोल करके टूर्नामेंट के संयुक्त रूप से शीर्ष स्कोरर हैं। उन्होंने ओमान के खिलाफ हैट्रिक भी लगाई थी जबकि अर्शदीप सिंह ने भी पिछले मैच में तीन गोल किए थे। मनमीत सिंह, अजीत यादव और इंगलेम्बा लुवांग थोरावोजम जैसे खिलाड़ी भी गोल करने वालों में शामिल हैं। स्विट्जरलैंड के खिलाफ मैच मदुरै में भारत का एकमात्र मैच है। इसके बाद वह अपने बाकी मैच खेलने के लिए चेन्नई लौटेगा।

यह देखना अभी बाकी है कि भारतीय खिलाड़ी यहां की परिस्थितियों के साथ किस तरह तालमेल बिठा पाते हैं। भारत के सहायक कोच बीरेंद्र लाकड़ा इसको लेकर ज्यादा परेशान नहीं हैं। उन्होंने कहा, 'निश्चित रूप से मैदान बदलेगा, लेकिन मौसम की स्थिति वही रहेगी। हमें अभ्यास और सामंजस्य बिठाने के लिए दो दिन का समय भी मिला है। स्विट्ज़रलैंड एक अच्छी टीम है। उसने अपने दो मैच भी जीते हैं, इसलिए यह मुकाबला आसान नहीं होगा। लेकिन हम उनके खेल का विश्लेषण करेंगे और उसी तरह से अपनी रणनीति बनाएंगे।'

मंगलवार को अन्य मैचों में स्पेन का मुकाबला नामीबिया से (मदुरै में), बेल्जियम का मिस्र से (मदुरै में), चिली का ओमान से (चेन्नई में), नीदरलैंड का ऑस्ट्रिया से (मदुरै में), फ्रांस का बांग्लादेश से (चेन्नई में), इंग्लैंड का मलेशिया से (मदुरै में) और ऑस्ट्रेलिया का कोरिया से (चेन्नई में) होगा।

बीसीसीआई ने बुधवार को बुलायी अहम बैठक , गंभीर और अगरकर सहित प्रबंधन को बुलाया गया

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट नियंत्रण (बीसीसीआई) ने बुधवार को रायपुर में एक बैठक बुलाई है। इसमें टीम इंडिया के मुख्य कोच गौतम गंभीर और मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर सहित टीम प्रबंधन को बुलाया गया है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार बैठक में बोर्ड गंभीर और अगरकर से टेस्ट क्रिकेट की रणनीति, टीम चयन और प्रबंधन के सीनियर खिलाड़ियों के साथ संबंधों को लेकर जवाब मांगेगा। बैठक में रोहित शर्मा, विराट कोहली जैसे सीनियर खिलाड़ियों के साथ टीम मैनेजमेंट के रवैये और संवाद पर भी सफाई मांगी जाएगी। एक रिपोर्ट के मुताबिक बैठक में बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया, संयुक्त सचिव प्रभतेज सिंह भाटिया, हेड कोच गौतम गंभीर और राष्ट्रीय चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर शामिल होंगे। अभी यह साफ नहीं है कि बीसीसीआई अध्यक्ष मिथुन मन्हास बैठक में शामिल होंगे या नहीं। बीसीसीआई के एक बड़े अधिकारी के मुताबिक बैठक का उद्देश्य चयनकर्ताओं और टीम प्रबंधन ट के बीच सामंजस्य बनाना है। चयन में निरंतरता और टीम के प्रदर्शन को बेहतर बनाना है। अधिकारी ने स्वीकार किया कि टेस्ट फॉर्मेट में हाल में हुईं चीजों से बोर्ड चिंतित है। उन्होंने कहा, होम टेस्ट सीजन के दौरान मैदान और मैदान से बाहर की रणनीतियों पर संशय देखा गया। हम स्पष्टता और फॉरवर्ड प्लानिंग चाहते हैं, खासकर तब जब अगल टेस्ट सीरीज 8 महीने बाद है। बैठक में चर्चा सिर्फ टेस्ट क्रिकेट से जुड़े मसलों पर नहीं होगी। अधिकार ने माना कि मौजूदा टीम मैनेजमेंट जिस तरह से सीमित ओवरों के सीनियर खिलाड़ियों के साथ पेश आ रही है, उससे बेचैनी बढ़ी है।

रोहित-कोहली की चमक में फीका पड़ा कुलदीप यादव का विश्व रिकॉर्ड, शेन वार्न को पीछे छोड़ा

रांची (एजेंसी)। रांची में भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज की शानदार शुरुआत की, जहां विराट कोहली की ऐतिहासिक सेंचुरी और रोहित शर्मा की दमदार अर्धशतकीय पारी ने सुर्खियां बटोरीं। लेकिन रोहित-कोहली की चमक के बीच टीम इंडिया के स्टार स्पिनर कुलदीप यादव के विश्व रिकॉर्ड पर किसी का ध्यान नहीं गया। रांची में खेले गए पहले मुकाबले में कुलदीप ने न सिर्फ 4 अहम विकेट चटकाए, बल्कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सबसे ज्यादा बार चार विकेट लेने वाला स्पिनर बनकर महान शेन वार्न को भी पीछे छोड़ दिया। उनका यह स्पेल भारत की जीत में निर्णायक साबित हुआ।

रांची में कुलदीप की घातक गेंदबाजी से पलटा मुकाबला

झारखंड क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में खेले गए हाई-स्कोरिंग मुकाबले में कुलदीप यादव ने अपने अनुभव और कौशल का बेहतरीन उदाहरण पेश किया। दक्षिण अफ्रीका जब तेज़ गति से रन बना रही थी, तब कुलदीप ने 10 ओवर में 68 रन देकर 4 महत्वपूर्ण विकेट झटके। उनकी गेंदबाजी की खासियत यह रही कि उन्होंने विपक्षी बल्लेबाजों पर लगातार दबाव बनाकर रनगति को नियंत्रित किया। उन्होंने पहले टोनी डी जॉर्जी (39) को आउट कर साझेदारी तोड़ी, इसके बाद मार्को यानसेन और मैथ्यू ब्रीट्ज़के जैसे दो खतरनाक बल्लेबाजों को सिर्फ तीन गेंदों के अंदर पवेलियन भेज दिया।

यानसेन-ब्रीट्ज़के की साझेदारी पर लगा ब्रेक

साउथ अफ्रीका के दो युवा बल्लेबाज यानसेन और ब्रीट्ज़के ने छठे विकेट के लिए 68 गेंदों में 97 रन जोड़कर भारतीय गेंदबाजी पर दबाव बढ़ा दिया था। यानसेन ने 39 गेंदों में 70 रन और ब्रीट्ज़के ने 80 गेंदों में 72 रन की पारी खेलकर मैच का रुख बदलने की कोशिश की। तभी कुलदीप ने शानदार वापसी करते हुए पहले यानसेन को आउट किया, फिर अगली ही गेंद पर ब्रीट्ज़के को भी चलता किया। उनके इन दो लगातार झटकों ने दक्षिण अफ्रीका की रन गति ठंडी कर दी और भारत मैच में पूरी तरह वापसी कर गया।

शेन वार्न को पछाड़कर बनाया नया रिकॉर्ड

कुलदीप यादव ने वनडे इतिहास में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सबसे ज्यादा बार 4 विकेट लेने वाले स्पिनर बनने का बड़ा कारनामा कर दिखाया है। यह उनका दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चौथा मैच था जब उन्होंने चार विकेट झटके :

2018 - केपटाउन
2018 - गकेरहा
2022 - दिल्ली (अरुण जेटली स्टेडियम)
2024 - रांची

इससे पहले यह रिकॉर्ड शेन वार्न और युजवेंद्र चहल के नाम संयुक्त रूप से था। कुलदीप ने इस उपलब्धि से वह जगह हासिल कर ली जहां पहुंचना किसी भी स्पिनर के लिए गर्व की बात है।

अंतरराष्ट्रीय सूची में भी बढ़ी कुलदीप की दावेदारी

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ यह रिकॉर्ड बनाने के साथ ही कुलदीप अब दुनिया के दिग्गज गेंदबाजों की सूची में भी आगे पहुंचते जा रहे हैं। वे अब लसिथ मलिंगा के बराबर पहुंच गए हैं, वहीं उनसे ऊपर सिर्फ ब्रेट ली और वकार यूनुस जैसे महान तेज गेंदबाज मौजूद हैं। यह कुलदीप की वनडे में 10वीं बार चार विकेट वाली परफॉर्मेंस थी, जिससे वे अनिल कुंबले के साथ संयुक्त रूप से पहले स्थान पर आ गए हैं। तेज गेंदबाजों में सिर्फ अजीत अगरकर (12) और मोहम्मद शमी (16) उनसे ऊपर हैं।

भारत के लिए क्यों खास है कुलदीप का यह प्रदर्शन

कुलदीप यादव की यह उपलब्धि साबित करती है कि वे भारत के सबसे भरोसेमंद मैच-विनिंग स्पिनरों में से एक बन चुके हैं। दक्षिण अफ्रीका जैसे मजबूत विपक्ष के खिलाफ लगातार प्रभावी प्रदर्शन करना उनकी निरंतरता और क्लास दोनों को दर्शाता है। उनका यह रिकॉर्ड न सिर्फ व्यक्तिगत उपलब्धि है बल्कि भारतीय स्पिन विभाग की ताकत का भी प्रतीक है।

मार्करम ने हार के बाद भी अपनी टीम के जुझारु रवैये को सराहा, खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया

रांची। पहले एकदिवसीय में दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट टीम की कप्तानी संभालने वाले एडन मार्करम ने भारतीय टीम के हाथों मिली हार के बाद भी अपनी टीम के प्रदर्शन की तारीफ की है। मार्करम ने कहा है कि उन्हें अपनी टीम पर गर्व है क्योंकि उसने 350 रनों के बड़े लक्ष्य का पीछा काफी अच्छे से किया। शुरुआत में ही 11 रनों पर तीन विकेट गंवाने के बाद भी टीम ने 332 रन बनाये और वह लक्ष्य से केवल 18 रन ही दूर थी। इस दौरान एक समय लग रहा था कि वह लक्ष्य हासिल कर लेगी। मैच के बाद एडन मार्करम ने कहा कि उन्हें अपनी इस टीम पर गर्व है। उन्होंने इस दौरान विशेष रुप से दो खिलाड़ियों के प्रदर्शन की जमकर सराहना की। मार्करम ने कहा, हां उन्हें इन खिलाड़ियों पर गर्व है। इनकों अपना काम करते देखना बहुत अच्छा लगता है। इन्होंने कभी भी यह भरोसा नहीं खोया कि हम लक्ष्य नहीं पा सकते हैं ।जैसे-जैसे पारी आगे बढ़ रही थीं, वे काफी उम्मीद लगाए हुए थे। शीर्ष क्रम हालांकि असफल रहा। हमें पता था कि गेंद स्विंग करेगी और फिर लक्ष्य का पीछा करते समय गेंद विकेट से थोड़ी तेजी आएगी, लेकिन फिर भी ऐसा लगा कि लक्ष्य का पीछा करना ही गेम जीतने का सबसे अच्छा तरीका है। अगले गेम में शीर्ष क्रम पर जिम्मेदारी रहेगी। मध्यक्रम पहले ही अच्छा प्रदर्शन कर सकता है ।कुल मिलाकर, लड़कों की कोशिशों पर बहुत गर्व है। वे बहुत करीब पहुंच गए और उन्होंने जबरदस्त खेल दिखाया। कप्तान ने मार्को यान्सन और कॉर्बिन बॉश की भी जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा, यह बहुत बढ़िया है। कोई भी टीम जितना हो सके उतनी अच्छी बल्लेबाजी करना चाहेगी और वे हमारे लिए ठीक यही करते हैं।

धर्मेंद्र को याद कर भावुक हुए शत्रुघ्न

बॉलीवुड के महान अभिनेता धर्मेंद्र के निधन ने पूरी फिल्म इंडस्ट्री और देशभर के प्रशंसकों को गहरे शोक में डाल दिया है। उनके जाने के बाद साथी कलाकार लगातार भावनात्मक पोस्ट के जरिए उन्हें याद कर रहे हैं। इसी क्रम में दिग्गज अभिनेता शत्रुघ्न सिन्हा हाल ही में धर्मेंद्र के घर पहुंचे और उनके बेटों सनी देओल व बॉबी देओल से मुलाकात की। सिन्हा ने अपने एक्स अकाउंट पर कई थ्रोबैक तस्वीरें साझा करते हुए लिखा कि दिल्ली से लौटने के बाद वह भारी मन से धर्मेंद्र के घर पहुंचे। वहां सनी, बॉबी, उनकी पत्नी तान्या और पोते धरम व आर्यमन से मिलना बेहद भावुक अनुभव रहा। उन्होंने लिखा कि धर्मेंद्र न सिर्फ एक महान कलाकार थे, बल्कि अद्भुत इंसान थे, जिनकी यादें हमेशा जीवित रहेंगी। उन्होंने दिवंगत अभिनेता की आत्मा की शांति और परिवार के साहस के लिए प्रार्थना की। धर्मेंद्र और शत्रुघ्न सिन्हा की दोस्ती वर्षों पुरानी थी और दोनों ने 'दोस्त', 'कयामत', 'लोहा', 'आग ही आग' और 'गंगा तेरे देश में' जैसी कई हिट फिल्मों में साथ काम किया। धर्मेंद्र का जाना हिन्दी सिनेमा के लिए बड़ी क्षति है, जिसकी भरपाई संभव नहीं। उनके योगदान और उनकी सरलता को हमेशा याद किया जाएगा।

धर्मेंद्र के घर पर आईसीयू जैसी व्यवस्था थी: मुकेश खन्ना

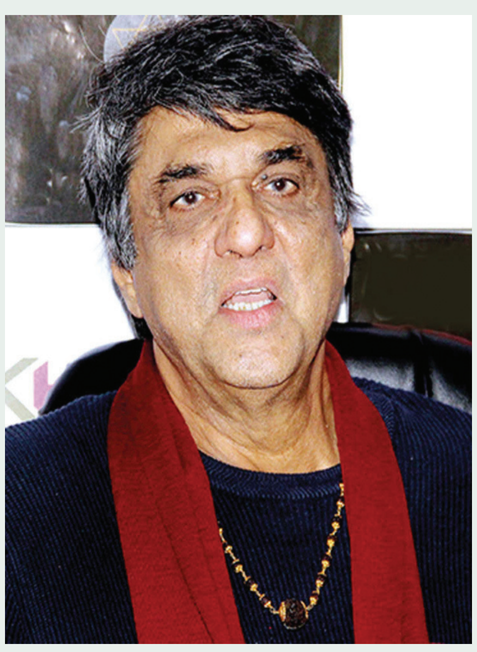

अस्पताल से डिस्चार्ज होने के बाद दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र के घर पर आखिरी दिनों की स्थिति कैसी थी, इसे लेकर अब अभिनेता मुकेश खन्ना ने बड़ा खुलासा किया है। एक वीडियो में मुकेश खन्ना ने बताया कि उन्होंने हाल ही में धर्मेंद्र से मुलाकात की थी और उनके घर पर ही अस्पताल जैसा पूरा सेटअप तैयार किया गया था।

मुकेश खन्ना ने कहा कि हॉस्पिटल से वापस घर आने के बाद वह लगभग पांच-छह दिन पहले उनसे मिलने गए थे। उन्होंने बताया, 'घर पर आईसीयू जैसी व्यवस्था थी। मुझे पता था कि उनसे ठीक से बातचीत नहीं हो पाएगी, लेकिन जाना जरूरी लगा।' उन्होंने बताया कि उस दौरान वह सनी देओल और बॉबी देओल से भी मिले और उन्हें हिम्मत बंधाई। मुकेश कहते हैं, 'मैंने उनसे कहा, 'वह बहुत स्ट्रॉन्ग हैं, जल्दी ठीक हो जाएंगे।' लेकिन आखिर वही होता है जो ईश्वर को मंजूर होता है। लोग शॉक में थे, क्योंकि सबको लगा था कि इतनी मजबूत काया वाले धर्मेंद्र रिकवर हो जाएंगे। उनके शरीर ने साथ छोड़ दिया, लेकिन उनकी आत्मा बहुत अच्छी थी। संस्मरण रह जाते हैं, आत्मा चली जाती है।'

उन्होंने भावुक होकर कहा कि धर्मेंद्र ने एक शानदार जिंदगी जी और उनकी सादगी तथा विनम्रता ही उनकी सबसे बड़ी पूंजी थी। अपने अनुभव साझा करते हुए उन्होंने बताया कि वे धर्मेंद्र के साथ छह फिल्मों में काम कर चुके हैं, जिनमें 'तहलका' भी शामिल है। उन्होंने कहा कि आखिरी महीनों में भी धर्मेंद्र के चेहरे की सकारात्मकता और मुस्कान कभी कम नहीं हुई। गौरतलब है कि धर्मेंद्र का 8 दिसंबर को जन्मदिन होता है और वे इस साल 90 साल के होने वाले थे। परिवार उनकी जन्मदिन की तैयारियां कर रहा था, लेकिन अक्टूबर से उनकी तबीयत बिगड़ने लगी और नवंबर में उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया। 24 नवंबर को उनका निधन हो गया।

भावनाओं तक पहुंच पाना कलाकारों के अस्तित्व के लिए विकल्प नहीं, ज़रूरत है : कुब्रा सैत

बॉलीवुड अभिनेत्री कुब्रा सैत का कहना है कि यदि कलाकार अपनी भावनाओं तक पहुंचने के लिए तैयार नहीं हैं, तो वे कलाकार बन ही नहीं सकते है। कुब्रा सैत हमेशा उस अंदरूनी दुनिया के बारे में बेबाकी से बात करती हैं, जो उनके अभिनय को आकार देती है। अपनी परफॉर्मेंसेज़ और जटिल किरदारों में पूरा ढल जाने की क्षमता के लिए जानी जाने वाली कुब्रा अक्सर उस भावनात्मक अनुशासन पर बात करती हैं, जिसकी मांग एक्टिंग करती है। इस व्यक्तिगत अनुभव में, वह उस पल को याद करती हैं जब उन्होंने सच में समझा कि अपनी जिम्मेदारी के साथ, साहस के साथ, और पूरी सजगता के साथ भावनाओं तक पहुँचना क्या होता है। उनके सफर की शुरुआत में मिली यह सीख आज भी यह उन्हें स्क्रीन के साथ जिंदगी में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है।

कुब्रा सैत ने इस सिलसिले में अपनी बात रखते हुए कहा, फ्एक कलाकार के तौर पर मैंने सीखा कि यदि आप अपनी भावनाओं तक पहुँचने के लिए तैयार नहीं हैं, तो आप कलाकार बन ही नहीं सकते। हालांकि यह भी हो सकता है कि उन भावनाओं तक पहुंचने के लिए जो रास्ता आप अपनाते हैं, वह बहुत खतरनाक हो, लेकिन आपको आगे बढ़ना ही होगा। मुझे याद है, मैंने यह बात अपने एक निर्देशक अनुराग कश्यप से सीखी। पहली बार मुझे कैमरे पर रोना था, और मुझे नहीं पता था कि मैं ये कैसे करूँगी। यह डर मेरे दिमाग में घर कर चुका था, तभी उन्होंने मेरी तरफ देखा और कहा, 'हम यहाँ बैठेंगे, लाइनें पढ़ेंगे और बस खुद के साथ रहेंगे। हम तुम्हारे अंदर की उस खिड़की को खोलेंगे, जिससे भावनाएँ भीतर आ सकें। और आज रात जाने से पहले हम उस खिड़की को फिर बंद भी करेंगे।' यह बात मेरे भीतर बस गई।'

कुब्रा सैत ने कहा, 'हम सभी के भीतर वह खिड़की होती है, जो हमारी भावनाओं की दुनिया तक पहुँचने का एक रास्ता होती है। उसे खोलने और बंद करने की क्षमता ही हमें संतुलित रखती है और हमें ज़िंदा रखती है। हालांकि अभिनय के बाहर, असल ज़िंदगी में, दुनिया हमेशा इतनी माइंडफुल नहीं होती इसलिए कभी-कभी खिड़की की बजाय पूरी बाँध खुल जाती है और हमारी भावनाएँ हम पर हावी हो जाती हैं। आज की भागदौड़ भरी दुनिया में हम अक्सर अपने ही विचारों और अपने ही एक्सप्रेशंस में उलझ जाते हैं और हर चीज़ को 'ट्रिगर' कहने लगते हैं, जबकि कई बार हम बस चिढ़े हुए या परेशान होते हैं। यही ट्रिगर हमें हमारे अतीत में खींच ले जाता है, लेकिन चिढ़ और परेशानी वर्तमान की होती है। इस फर्क को समझते हुए मैंने अपने भीतर की उस खिड़की को पहचाना और इसीने मुझे एक एक्टर के तौर पर बचाया, एक इंसान के तौर पर मुझे ज़मीन से जोड़े रखा।'

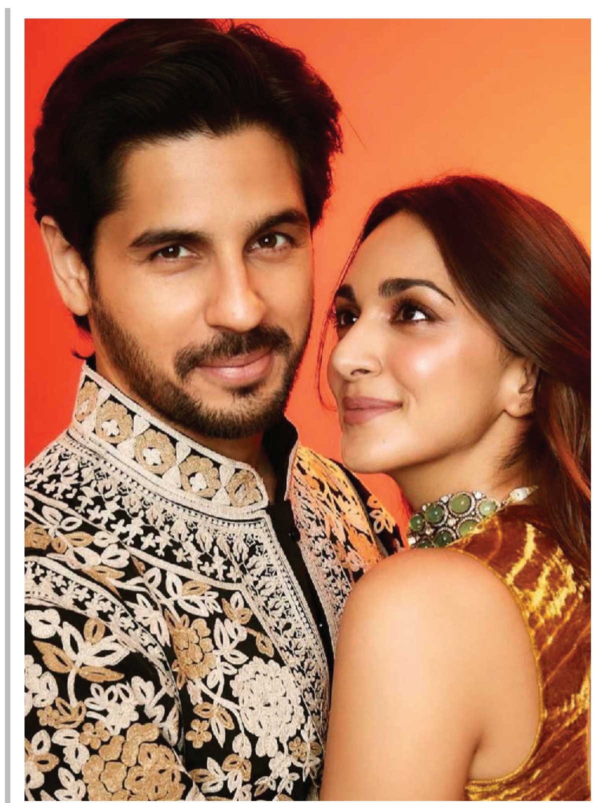

बेटी का नाम उजागर कर भावुक हुए कियारा-सिद्धार्थ

हाल ही में बॉलीवुड के हॉट कपल कियारा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा अपने नन्हीं परी का नाम उजागर करते हुए भावुक होते नजर आए। इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, 'हमारी दुआओं से निकलकर हमारी बाहों में आने वालीज्हमारा आशीर्वाद, हमारी नन्ही राजकुमारी सरायाह मल्होत्रा।'

यह पोस्ट आते ही सोशल मीडिया पर ट्रेंड करने लगी और फैंस व सेलेब्स ने कमेंट कर ढेर सारा प्यार और आशीर्वाद दिया। सरायाह नाम का अर्थ भी उतना ही खूबसूरत है, जितना इसका उच्चारण। दुनिया भर की कई संस्कृतियों में यह नाम अलग-अलग अर्थों में लिया जाता है, लेकिन सबसे लोकप्रिय अर्थ हिब्रू भाषा से आता है, जहां सरायाह का मतलब होता है ईश्वर का मार्गदर्शन या ईश्वर का शासन। इसका संकेत है उन बच्चों से, जिन पर भगवान की विशेष कृपा बनी रहती है और जो अपने जीवन में एक सकारात्मक दिशा लेकर चलते हैं। माता-पिता के मुताबिक यह नाम उनके लिए सिर्फ एक पहचान नहीं बल्कि एक भावनात्मक आशीर्वाद है। कियारा और सिद्धार्थ के इस पोस्ट पर लाखों लाइक्स और अनगिनत कमेंट्स आए। लोग बेटी के नाम की खूब तारीफ कर रहे हैं और उन्हें ढेरों शुभकामनाएं दे रहे हैं। एक फैन ने लिखा, 'क्या प्यारा नाम चुना है, भगवान सरायाह को हमेशा खुश रखें।' वहीं कई लोगों ने यह लिखा कि नाम सुनते ही उनकी आंखें भर आईं और दिल खुश हो गया। बता दें कि कियारा और सिद्धार्थ ने अपने पैरेंट्स बनने की खुशखबरी 15 जुलाई को साझा की थी। उस समय उन्होंने लिखा था, 'हमारा दिल खुशी से झूम रहा है। हमारी दुनिया हमेशा के लिए बदल गई है। हमें बेटी के मां-बाप होने का आशीर्वाद मिला है।' यह पोस्ट भी उस समय सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था, जिससे उनके फैंस बेहद खुश हुए थे। कियारा और सिद्धार्थ की शादी 7 फरवरी 2023 को राजस्थान के भव्य सूर्यगढ़ पैलेस में हुई थी। कई दिनों तक चलने वाले इस सेलिब्रेशन में उनके करीबी दोस्त, परिवार और कई बॉलीवुड सितारे शामिल हुए थे। बता दें कि बॉलीवुड की लोकप्रिय जोड़ी कियारा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा ने अपनी बेटी को लंबे इंतजार के दुनिया से परिचित कराया, हालांकि उन्होंने तस्वीर में बेटी का चेहरा नहीं दिखाया।

इंडस्ट्री में लंबा टिकना है तो लुक्स नहीं, अभिनय पर काम करो: शाहिद कपूर

अभिनेता शाहिद कपूर ने 15वें इंडियन फिल्म प्रोजेक्ट (आईएफपी) समारोह में शिरकत की। समारोह में बातचीत के दौरान अभिनेता ने अपनी जिंदगी के कई अनसुने पहलू और मनपसंद गानों के बारे में बात की। समारोह में मौजूद लोगों ने जब शाहिद से उनके मनपसंद गाने के बारे में पूछा, तो उन्होंने बताया कि अब तक का उनका पसंदीदा गाना फिल्म 'हैदर' का गाना 'बिस्मिल्ला' है। उन्होंने इस गाने के बारे में बताते हुए कहा कि ये गाना फिल्म की खूबसूरती से जुड़ा है, जिसे करके उन्हें बहुत अच्छा लगा। इसके बाद उन्होंने डांसिंग सॉन्ग के बारे में कहा, 'मुझे डांसिंग सॉन्ग में 'मौजा ही मौजा,' 'नगाड़ा,' 'ढटिंग नाच,' 'साड़ी के फॉल सा,' और 'तेरी बातों में उलझा जिया' समेत कई गाने पसंद हैं। असल में मुझे डांस करना बहुत अच्छा लगता है, लेकिन काफी समय से मैंने डांस नहीं किया है। मेरे कई सारे कोरियोग्राफर दोस्त हैं, जो कि कहते हैं अब डांस क्यों नहीं करता है, और मैं उनसे मजाक में कहता हूं, तुम्हें आता है तो तुम कर लो!' अभिनेता ने आगे कहा कि आप हर किरदार में डांस नहीं कर सकते हैं। उन्होंने कहा, 'किरदार के हिसाब से काम करना जरूरी है। अब किसी डॉक्टर का किरदार है तो वो डांस क्यों ही करेगा? हालांकि कई डॉक्टर बहुत अच्छा डांस करते हैं।' शाहिद काफी लंबे समय से मनोरंजन जगत में काम कर रहे हैं और ज्यादातर प्रशंसक उन्हें उनके चार्मिंग लुक के लिए पसंद करते हैं। लुक्स को लेकर अभिनेता ने कहा, 'अगर इस इंडस्ट्री में लंबे समय तक दिखना है, तो आपको अपने अभिनय पर काम करना होगा, क्योंकि लुक्स, चार्म और स्टाइल से शुरुआती दिनों में काम चल सकता है, लेकिन आगे तक चलना है, तो अपने काम पर ध्यान दो। जब आप ईमानदारी से अपने किरदार में डूबते हैं तो आप अपने अंदर झांकते हैं और दबी हुई भावनाओं को बाहर निकालते हैं, तभी असली संतुष्टि मिलती है।' अभिनेता ने बताया कि वे बहुत संवेदनशील व्यक्ति हैं। उन्होंने कहा, 'मैं हर बात को गहराई से सोचता हूं। असल जिंदगी में भी हम अपने भाव छुपाते हैं, लेकिन अभिनय मेरे लिए वो रास्ता है, जहां पर मैं पूरी तरह से अपने अंदर की भावनाओं को खोलकर रख देता हूं।'

बंधिश बैंडिट्स सीज़न टू को बेस्ट वेब सीरीज पुरस्कार

56वें अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) में प्राइम वीडियो ने अपनी लोकप्रिय हिंदी और तमिल वेब सीरीज के साथ धमाकेदार उपस्थिति दर्ज कराई। महोत्सव में आयोजित बेस्ट वेब सीरीज (ओटीटी) श्रेणी में बंधिश बैंडिट्स सीज़न टू को यह प्रतिष्ठित पुरस्कार मिला। इस श्रेणी में प्राइम वीडियो की अन्य ओरिजिनल सीरीज जैसे पाताल लोक सीज़न टू और तमिल सीरीज सुझल-द वर्टेक्स सीज़न टू भी नामांकित थीं। यह पुरस्कार प्राइम वीडियो के लिए दूसरी बार हासिल किया गया सम्मान है; इससे पहले 2023 में पंचायत सीज़न टू को इसी श्रेणी में पुरस्कार मिला था। इस जीत ने भारत के तेजी से बढ़ते स्ट्रीमिंग इकोसिस्टम में प्राइम वीडियो की उत्कृष्टता को और मजबूत किया। पुरस्कार संजय जाजू, सूचना और प्रसारण मंत्रालय और डॉ. एल. मुरुगन, राज्य मंत्री, सूचना और प्रसारण द्वारा प्रदान किया गया। जूरी का नेतृत्व प्रसिद्ध फिल्म निर्माता भरतबाला गणपथी ने किया, जिसमें निर्माता, निर्देशक और अभिनेता शामिल थे। अमृतपाल सिंह बिंद्रा और आनंद तिवारी द्वारा निर्देशित और लिखा गया यह सीज़न, संगीत, अभिव्यक्ति, प्रतियोगिता और प्रेम के जरिए व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा और विरासत की कहानी प्रस्तुत करता है।

ओटीटी ने दिया नए किरदारों का बड़ा मौका : मोना सिंह

छोटे परदे की मशहूर अभिनेत्री मोना सिंह आजकल ओटीटी जगत में खूब चमक रही हैं। खास बात यह है कि मोना, जिन्होंने अपने करियर की शुरुआत टीवी से की थी, अब छोटे पर्दे से पूरी तरह दूरी बना चुकी हैं। उनका कहना है कि उन्होंने सोच-समझकर यह फैसला लिया है और अब वह टीवी पर वापसी के लिए तैयार नहीं हैं। मोना का मानना है कि डिजिटल प्लेटफॉर्म ने न सिर्फ कलाकारों, बल्कि दर्शकों के लिए भी नए रास्ते खोले हैं। उनके शब्दों में, 'जिस तरह की कहानियां आज ओटीटी पर दिखाई जा रही हैं, वो टीवी पर संभव ही नहीं है। टीवी पर बहुत सेंसरशिप और रेस्ट्रिक्शन होते हैं, जिसके कारण एक्टर के रूप में कॉम्पलेक्स और चैलेंजिंग किरदार निभाने का मौका नहीं मिलता।' ' वह मानती हैं कि ओटीटी प्लेटफॉर्म ने एक्टर्स, राइटर्स और क्रिएटर्स को वह स्पेस दिया है जिसकी हमेशा से जरूरत थी। मोना ने यह भी बताया कि ओटीटी प्रोजेक्ट्स का वर्किंग स्ट्रक्चर काफी बेहतर है। 'तीन महीने में एक वेब शो करके आप ब्रेक ले सकते हैं और फिर ताजगी के साथ नए किरदार की तैयारी कर सकते हैं। यह मेरे लिए बेस्ट बैलेंस है। टीवी पर टाइमलाइन्स बहुत क्रेजी होती हैं, खासकर जब शो रोज प्रसारित होते हैं।

पहले सोमवार से गुरुवार तक एपिसोड आते थे, लेकिन अब पूरे हफ्ते। ऐसे में पता नहीं चलता कि पर्सनल लाइफ बचती भी है या नहीं,' मोना ने हंसते हुए कहा। टीवी को अलविदा कहने के अपने फैसले पर मोना काफी स्पष्ट हैं। उन्होंने कहा, 'मैंने टीवी से पूरी इज्जत के साथ विदा ली है। वहां मेरे लिए अब कुछ नया बचा ही नहीं है। मैंने सब कुछ कर लिया डेली सोप, रिएलिटी शो, होस्टिंग। मुझे जिन तरह के रोल चाहिए थे, उनके लिए मैंने लंबे समय तक इंतजार किया और अब वही मिल रहा है।' उन्होंने आगे बताया कि अगले साल उनकी तीन फिल्में रिलीज होने वाली हैं और वह फिल्मों और ओटीटी के बीच संतुलन बनाकर बहुत खुश हैं।

एसएमएस की बीमारी युवाओं पर भारी

बिना बात की बात करने में माहिर युवाओं को एसएमएस की लत महंगी साबित हो रही है। इससे उनकी जेब तो ढीली हो ही रही है, उनकी रातों की नींद हराम होने के साथ ही मानसिक शांति भी गायब सी होती जा रही है। इस समस्या से सबसे ज्यादा पीड़ति हो रहे हैं टीनएजर्स, क्योंकि एसएमएस का चस्का उनमें सबसे ज्यादा है। एसएमएस की लतों से मानसिक रूप से परेशान और बैचेन अनेक युवा इन दिनों मनोचिकित्सकों के पास पहुंच रहे हैं।

एसएमएस की वजह से क्या-क्या परेशानियां आ रही हैं और इनसे किस तरह निजात पाई जा सकती है, जानें एक्सपर्ट सलाह पर आधारित जितेंद्र सूर्यवंशी की इस रिपोर्ट में। कंपनियों द्वारा कम पैसे में दी गई एसएमएस की सुविधा युवाओं के लिए दुविधा साबित हो रही है। मनोचिकित्सकों के पास पहुंच रहे ज्यादातर मामलों में यह बात सामने आई है कि एसएमएस की लत मानसिक शांति और सेहत के लिए खतरनाक साबित हो रही है। इससे क्रोध बढ़ने के अलावा बैचेनी और अनिद्रा जैसी समस्याएं हो रही हैं। यही नहीं, एसएमएस का लगातार प्रयोग करने वाले युवाओं में अवसाद के साथ ही डर की भावना भी पैदा हो रही है। दरअसल, एसएमएस के जरिए दोस्तों से हर वक्त संपर्क में रहने के चलते युवाओं की दिनचर्या पूरी तरह गड़बड़ा गई है, इससे उनकी पढ़ाई भी प्रभावित हो रही है। देर रात तक मोबाइल में संदेश के माध्यम से बात करने के कारण अधिकांश युवा गहरी नींद भी नहीं ले पा रहे हैं। कुछ रोचक मामलों में यह भी शामिल है कि अधिकांश युवा अक्सर अपने मोबाइल को इसलिए देखते रहते हैं कि शायद कोई एसएमएस आया हो, लेकिन प्राय: उनके लिए कोई एसएमएस नहीं होता। कई युवा तो ऐसे भी हैं जिन्हें अपने सहपाठियों से एसएमएस का जवाब नहीं मिलने पर वह निराशा और चिंता में भी डूब गए हैं, इससे उनके मन में एक तरह का अवसाद घर कर गया है कि कोई उनके संपर्क में रहना पंसद नहीं कर रहा है।

युवाओं से बातचीत में यह खुलासा हुआ कि वह बिना किसी वाजिब वजह के प्रतिदिन 150-200 तक एसएमएस कर देते हैं। इस मामले में टीनएजर्स युवतियां लड़कों से कहीं आगे हैं, क्योंकि लड़के जहां 50-100 एसएमएस ही कर पाते हैं, जबकि लड़कियां रोजाना 200 एसएमएस तक करती हैं। मजे की बात यह है कि एसएमएस के इस सिलसिले में बिना बात की बात या यूं कहें कि टाइम पास करने के लिए बेतुकी बातें ही होती हैं। इसमें सुबह से लेकर रात्रि तक की रूटीन बातें, पसंद-नापसंद, हॉबी, गपशप, घुमने-फिरने तक की बातें शामिल हैं।

यह समस्याएं आ रहीं सामने

मनोचिकित्सक रूमा भट्टाचार्य ने बताया कि फिलहाल एसएमएस की लत से परेशान हो चुके युवाओं के जो मामले उनके पास आ रहे हैं उनमें सबसे ज्यादा शिकायतें अनिद्रा, अवसाद, कम भूख, ब्रेन टयूमर, गुस्सा, बैचेनी और क्रोधित होने जैसे लक्षण दिखाई दे रहे हैं।

उन्होंने बताया कि उनके पास आने वाले ज्यादातर युवाओं में यह शिकायत आम है कि वह सोते समय मोबाइल अपने पास में ही रखते हैं, इससे वह पूरी नींद नहीं ले पाते, क्योंकि एसएमएस आने या मोबाइल पर कॉल आते ही उनकी नींद खुल जाती है। प्राय: एसएमएस मिलने पर युवा नींद तोड़कर उसे पढ़ते हैं, जिससे उनकी नींद प्रभावित हो रही है।

ज्यादातर युवाओं में यह शिकायत भी है कि वह मैसेज की आशंका से हर कुछ ही सैकंड के बाद अपना मोबाइल देखते हैं और लगातार मैसेज टाइप करने की वजह से उनके अंगूठे और कलाई के बीच दर्द रहता है।

इसी तरह वरिष्ठ मनोचिकित्सक डॉ आरएन साहू ने बताया कि कुछ मामले ऐसे भी हैं जिनमें युवाओं ने स्वीकार किया है कि यदि वह एसएमएस करते हैं और रिप्लाई नहीं मिलता तो वह बैचेन हो जाते हैं और उनमें हीनभावना आने लगती है। इस स्थिति को टेक्स्टाफ्रेनिया कहा जाता है। उन्होंने बताया किए ऐसे मामले आए दिन सामने आ रहे हैं।

ऐसे पाएं निजात

वरिष्ठ मनोचिकित्सक डॉ आरएन साहू कहते हैं कि इस समस्या से छुटकारा पाने का बेहतर रास्ता तो यही है कि मोबाइल का उपयोग कम से कम किया जाए। एसएमएस ही नहीं, बल्कि बातचीत में भी इसका उपयोग सीमित हो, क्योंकि यह सेहत के लिए बेहद खतरनाक साबित हो सकता है।

युवाओं को चाहिए कि वह जरूरी होने पर ही एसएमएस करें। एसएमएस को गप्पबाजी या टाइम पास का माध्यम न बनाएं। जितनी भी बातें करनी है वह मिलकर करें। खासकर देर रात तक एसएमएस से बात करने से बचें एवं सोते समय मोबाइल अपने पास में न रखें, बेहतर होगा कि सोने से पहले मोबाइल बंद कर दें।

अकेलापन मिटाने का जरिया

एक मेडिकल स्टूडेंट बताते हैं कि वह रोजाना 100 से अधिक एसएमएस कर देते हैं, सिर्फ इसलिए कि उन्हें एसएमएस से बातें करना अच्छा लगता है, टाइम पास हो जाता है और अकेलेपन से भी मुक्ति मिल जाती है। स्टूडेंट ने यह स्वीकार करते हैं कि इससे उनकी पढ़ाई बेहद प्रभावित हुई है और नींद भी उड़ गई है, क्योंकि कई बार उन्हें नींद में भी ऐसा लगता है कि मोबाइल पर कोई एसएमएस आया है, इससे नींद खुल जाती है।

इंजीनियरिंग के स्टूडेंट रूपेश त्यागी का कहना है कि मेरे लिए एसएमएस नए-नए दोस्त बनाने का जरिया है और मैं इसके लिए हमेशा एसएमएस का सहारा लेता हूं, क्योंकि यह सस्ता भी है। लेकिन फिलहाल वह एसएमएस से बेहद परेशान हो चुके हैं, उनका कहना है कि शुरू में तो कोई परेशानी नहीं थी, लेकिन अब इतने अधिक एसएमएस आने लगे हैं कि मोबाइल देखकर ही सिरदर्द होने लगता है और मैं कभी-कभी एसएमएस भेजने वाले दोस्तों पर क्रोधित हो जाता हूं।

अगर खुजली से हैं परेशान तो इन्हें आजमाइए

खुजली एक त्वचा रोग है, जिससे व्यक्ति काफी परेशान और निराश हो जाता है। खुजली के लिए सबसे कारगर उपाय है तेल की मालिश जिससे रूखी और बेजान त्वचा को नमी मिलती है। चलिए जानते हैं खुजली के कुछ घरेलू इलाज।

1. खुजली होने पर प्राथमिक सावधानी के तौर पर सफाई का पूरा ध्यान रखिए।
2. साबुन का प्रयोग जितना भी हो सकता है कम कर दें और सिर्फ मृदु साबुन का ही प्रयोग करें।
3. कभी कभी त्वचा को सुगंधित पदार्थों, क्रीम, लोशन, शैंपू, जूतों या कपड़ों में पाए जाने वाले रसायनों से भी एलर्जि हो जाती है। इसलिए सही तरीके का लोशन इत्यादि ही लगाएं।
4. अगर आपको कब्जा है तो उसका भी इलाज करवाएं।
5. हफ्ते में दो बार मुल्तानी मिट्टी और नीम की पत्ती का लेप लगाएं, उसके बाद साफ पानी से शरीर को धो लें।
6. थोडा सा कपूर लेकर उसमें दो बड़े चम्मच नारियल का तेल मिलाकर खुजली वाले स्थान पर नियमित लगाने से खुजली मिट जाती है। हां, तेल को हल्का सा गरम करके ही कपूर में मिलाए।
7. यदि जनेंद्रिय पर खुजली की शिकायत हो, तो गर्म पानी में फिटकरी मिलाकर उसे लगाएं।
8. नारियल तेल का दो चम्मच लेकर उसमें एक चम्मच टमाटर का रस मिलाइए। फिर खुजली वाले स्थान पर भली प्रकार से मालिश करिए। उसके कुछ समय बाद गर्म पानी से स्नान कर लें। एक सप्ताह ऐसा लगातार करने से खुजली मिट जाएगी।
9. यदि गेहूं के आटे को पानी में घोल कर उसका लेप लगाया जाए, तो विविध चर्म रोग, खुजली, टीस, फोडे-फुंसी के अलावा आग से जले हुए घाव में भी राहत मिलती है।
10. सवेरे खाली पेट 30-35 ग्राम नीम का रस पीने से चर्म रोगों में लाभ होता है, क्योंकि नीम का रस रक्त को साफ करता है।
11. खुजली से परेशान लोगों को चीनी और मिठाई नहीं खानी चाहिए। परवल का साग, टमाटर, नीबू का रस आदि का सेवन लाभप्रद है।

जुकाम में खूब खाएं, बुखार में नहीं

एक कहावत है, फीड ए कोल्ड, स्टार्व ए फीवर। यानी जुकाम के समय खूब खाओ और बुखार के समय भूखे रहो। लगता है इस कहावत में कुछ दम है। भरपेट खाने और भूखे रहने के असर शरीर के प्रतिरक्षा तंत्र पर एकदम अलग-अलग होते हैं। वैसे डॉक्टर उक्त कहावत को ज्यादा महत्व नहीं देते। एम्सटर्डम के एकेडमिक मेडिकल सेंटर में किए गए अनुसंधान से कुछ रोचक परिणाम प्राप्त हुए हैं। पता चला है कि भरपेट भोजन करने से प्रतिरक्षा तंत्र का एक पक्ष प्रेरित होता है। यह जुकाम पैदा करने वाले वायरसों का सफाया करता है, जबकि भूखे रहने से प्रतिरक्षा तंत्र का वह पक्ष सक्रिय होता है, जो बुखार के लिए उत्तरदायी बैक्टीरिया का सामना करता है। सेंटर के वैज्ञानिक गिस वान डेन ब्रिन्क और उनके साथियों ने एक क्रिसमस दावत के दौरान अतिथियों के रक्त के नमूने प्राप्त किए। वे देखना चाहते थे कि क्या प्रतिरक्षा तंत्र पर अल्कोहल का कोई असर होता है? पता चला कि अल्कोहल का तो कोई असर नहीं होता, लेकिन भोजन का असर अवश्य होता है। यह देखकर वैज्ञानिकों ने छह लोगों से अनुरोध किया कि वे एक रात भूखे रहें और फिर अगले दिन सुबह प्रयोगशाला में आएं। इन्हीं लोगों को एक बार तरल भोजन देकर भी परीक्षण किए गए। देखने में आया कि तरल भोजन के लगभग 6 घंटे बाद उनके खून में गामा इंटरफेरॉन की मात्रा सामान्य से चौगुनी हो गई थी। गामा इंटरफेरॉन उन तमाम कोशिकाओं को नष्ट करती है, जिसमें कोई विषाणु (वायरस) घुस चुका हो। यह प्रतिरक्षा मूलत: वायरसों के विरुद्ध काम करती है। लगता है कि भरपेट भोजन इसे बढ़ावा देता है। दूसरी ओर, जब इन्हें सिर्फ पानी पिलाया गया तो उनमें इंटरफेरॉन की मात्रा में तो थोड़ी सी कमी आई मगर एक अन्य रासायनिक संदेशवाहक इंटरल्यूकीन-4 की मात्रा चौगुनी हो गई। इंटरल्यूकीन-4 हमारी कोशिकाओं के बाहर मंडराते रोगजनक तत्वों पर हमला करता है। बैक्टीरिया आमतौर पर यही करते हैं, कोशिकाओं के बाहर टहलते रहते हैं। इनमें से कई बैक्टीरिया बुखार के कारक हैं। वैसे ब्रिन्क ने चेतावनी दी कि यह एक बहुत छोटा सा अध्ययन है। लोगों को इसके आधार पर अपने तौर-तरीके बदलने की उतावली नहीं करनी चाहिए। वैसे एक अन्य अध्ययन ने भी इस निष्कर्ष की पुष्टि की है। एम्सटर्डम के ही फ्री यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल में किए गए इस अध्ययन में पता चला है कि ग्लूटैमीन नामक एक अमीनो अम्ल भी इंटरफेरॉन जैसी प्रतिरक्षा को बढ़ावा देता है।

वजन कम ना होने के पांच मुख्य कारण

अगर आपको ऐसा लगता है कि आपके बार-बार जिम जाने से भी आपके वजन में कोई परिवर्तन नहीं दिख रहा है, तो इसके पीछे भी कई कारण हो सकते हैं। पूरी तरह से वजन कम करने के लिए कई ऐसे उपाए हैं जो काफी कारक हैं। जिनमें से सही तरीके से लिया गया आहार और व्यायाम सर्वक्षेष्ठ स्थान रखता है। पर इसके अलावा भी ऐसे और भी कारण हो सकते हैं जिनकी वजह से आपके वजन में कोई परिवर्तन देखने को नहीं मिलता। चलिए बात करते हैं इन्हीं कारणों की।

पांच महत्तवपूर्ण कारण क्या हैं-

1. अनुचित डाइट प्लैन: आपको जरुरत है ऐसी आहार योजना कि जो खास आपके शरीर की जरुरत के हिसाब से तैयार की गई हो। इसको तैयार करने के लिए यह देखना बहुत जरुरी है कि आप कौन सा कार्य करते हैं और आपकी रोज़ की दिनचर्या कैसी है। अगर आप रोज़ जिम जाते हैं और वापस घर पर आकर दिन भर सोते रहते हैं तो किसी भी प्रकार का डाइट प्लैन अपको पतला नहीं कर पाएगा।

2. ब्रेकिगं प्वांइट: यहां पर ब्रेकिगं प्वांइट हम उसे कहते हैं, जिस समय ब्यक्ति का वजन कम होना शुरू हो जाता है। अगर आप ऐसा सोंचते हैं कि एक्सरसाइज करने के तुरंत बाद ही आपका वजन कम होने लगेगा तो ऐसा नहीं होता। सबसे पहले शरीर में से पानी, फिर ऊर्जा और अंत में वसा कम होना शुरु होता है। हर ब्यक्ति का ब्रेकिगं प्वांइट अलग अलग होता है। जहां कई लोग चार ही दिनों में किलो भर वजन कम कर लेते हैं, वहीं पर कुछ लोगों का वजन दो हफ्ते बाद भी वैसा ही रहता है। इसलिए आपको कभी भी हिम्मत नहीं हारनी चाहिए।

3. व्यायाम की सही योजना: अगर आप काफी समय से सिर्फ वही पुरानी एक्सरसाइज कर रहे हैं तो आपके शरीर को उसकी आदत हो जाएगी। इसलिए आपको अपनी एक्सरसाइज को कुछ कुछ दिनों या महीनों पर परिवर्तित कर लेना चाहिए।

4. कार्डियो और वेट ट्रेनिगं का उचित मिश्रण: वर्कआउट हमेशा इन्ही दो महत्वपूर्ण भागों में बंटा होता है। आपको वजन कम करने के लिए हमेशा 80 प्रतिशत कार्डियो करना चाहिए। जिसमें ट्रेडमिल, साइकिलिगं और जौगिगं शामिल होती है। वेट ट्रेनिगं मासपेशियों को टोन करने के लिए किया जाता है।

5. हार्मोनल असंतुलन: अगर फिर भी आपका वजन कम होने का नाम नहीं ले रहा है तो शायद शरीर में आंतरिक रूप से ही कोई समस्या हो। थाइरॉइड ग्लैन्ड के सही से काम ना कर पाने की वजह से भी वजन कम नहीं होता चाहे आप कितनी भी कोशिश क्यूं ना कर लें।